आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट (75.00%) ₹118719/-
22 कैरेट रेट (91.60%) ₹144995/-
24 कैरेट रेट (99.99%) ₹158276/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 25 जनवरी 2026

दुर्ग में शुरू होगी पुलिस कमिश्नरी, रायपुर में बतौर पायलट प्रोजेक्ट किया गया लागू : गजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

हरिभूमि और आईएनएच द्वारा भिलाई में आयोजित जिला संवाद-2026 में हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से अहम सवाल किए। उन्होंने पूछा, क्या रायपुर की तरह पुलिस कमिश्नरी दुर्ग में भी लागू कराने का प्रयास करेंगे? इसके जवाब में मंत्री यादव ने कहा कि रायपुर में बतौर पायलट प्रोजेक्ट कमिश्नर प्रणाली के सफल होने के बाद दुर्ग में अवश्य लागू किया जाएगा। श्री यादव ने विष्णु देव सरकार के दो साल के कार्यकाल को प्रदेश के साथ दुर्ग के लिए भी ⏭ शेष पेज 5 पर

- विपक्ष ने पूछे सवाल, विधायक-मंत्री के जवाब, दुर्ग-भिलाई में विकास की राह होगी आसान

हरिभूमि और आईएनएच का जिला संवाद कार्यक्रम, जन और प्रतिनिधियों के बीच संवाद

कांग्रेस ने कहा-सब परेशान

मंच में कांग्रेस की तरफ से जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि इन दो सालों में एक बड़ा काम बताया जाए। किसान परेशान हैं, जनता को गड्ढों वाली सड़कें मिली हैं। दुर्ग जिला सहित प्रदेश विकास में पीछे छूट गया है। मंचासीन ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और खादी ग्रामोद्योग के अध्यक्ष राकेश पांडेय भी मौजूद थे।

रायपुर-भिलाई कैपिटल रिजन से होगा विकास

वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन ने बेबाकी से जवाब देते हुए कहा कि दो साल में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार साएं-साएं काम कर रही हैं। योजनाएं इतनी है कि गिनते-गिनते थक जाएंगे। कांग्रेस के पांच साल बनाम भाजपा के दो साल पर उन्होंने कहा कि दो साल में जनता को राहत मिली है। कई बड़े काम भाजपा सरकार ने किए हैं। उन्होंने कहा, रायपुर-भिलाई कैपिटल रिजन की घोषणा और इस पर हो रहे काम से आने वाले समय में दुर्ग एक विकसित जिले के रूप में पहचान बनाएगा।

खबर संक्षेप

राष्ट्रपति मुर्मू आज देश को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को राष्ट्र को संबोधित करेंगी। यह संबोधन शाम सात बजे से आकाशवाणी के सभी राष्ट्रीय चैनलों पर प्रसारित होगा और दूरदर्शन के सभी चैनलों पर पहले हिंदी में और फिर अंग्रेजी में प्रसारित किया जाएगा। संबोधन के दूरदर्शन पर हिंदी और अंग्रेजी में प्रसारण के बाद, दूरदर्शन के क्षेत्रीय चैनलों पर क्षेत्रीय भाषाओं में भी इसका प्रसारण होगा।

छात्रावास से कूदकर छात्र ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। गौतमबुद्ध नगर जिले में नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के एक छात्रावास में रहने वाले बी-टेक द्वितीय वर्ष के ⏭ शेष पेज 5 पर

जातिगत भेदभाव को लेकर आक्रोश, कानून वापस लेने की मांग

यूजीसी रेगुलेशन का देशभर में जमकर विरोध, सुप्रीम कोर्ट में दी गई चुनौती

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

यूजीसी ने हाल ही में उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के लिए प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 लागू किया है। इसे लेकर सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक संग्राम मचा है। अब इसे लेकर अब सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई है।

अर्जी में यूजीसी नियमावली, 2026 के नियम 3(सी) को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता मृत्युंजय तिवारी की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि यह नियम जाति-आधारित भेदभाव को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी के खिलाफ हुए भेदभाव तक सीमित करता है। इस बात के तहत सामान्य वर्ग के लोगों को जातिगत भेदभाव शिकायत का ⏭ शेष पेज 5 पर

- याचिकाकर्ता का दावा, यह मौलिक अधिकार का उल्लंघन

क्यों हो रहा है विरोध?

- यूजीसी के रेगुलेशन के लागू होने के बाद सामाजिक न्याय की पक्षधर शक्तियों के बीच अगड़ी जातियों में असंतोष को लेकर सवाल उठ रहा है।
- संगठनों का तर्क है कि इस नियम का दुरुपयोग हो सकता है। इसके जरिए अगड़ी जातियों के छात्रों और शिक्षकों को झूठे मामलों में फंसाया जा सकता है।
- जयपुर में करणी सेना, ब्राह्मण महासभा, ⏭ शेष पेज 5 पर

क्या है नया कानून?

- यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के उद्देश्य से 'उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम, 2026' लागू कर दिए हैं।
- अब अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के साथ-साथ अन्य पिछड़ा वर्ग को भी जातिगत भेदभाव की परिभाषा में शामिल किया गया है।
- उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले ओबीसी छात्र, शिक्षक और कर्मचारी भी जातिगत भेदभाव या उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करा सकेंगे।
- प्रत्येक संस्थान में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए समान अवसर प्रकोष्ठ स्थापित ⏭ शेष पेज 5 पर

हरिभूमि- आईएनएच का संवाद 2026 आज, 25 बरस के सफर पर होगी चर्चा

सीएम साय सहित जनप्रतिनिधि व विशिष्ट जन होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हरिभूमि-आईएनएच द्वारा सार्थक संवाद 2026 का आयोजन रविवार,25 जनवरी को शाम पांच बजे शास्त्री स्कूल परिसर स्थित देवकीनन्दन दीक्षित सभागार में किया गया है। कार्यक्रम में राज्य के 25 बरस के सफर पर सार्थक चर्चा होगी। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। हरिभूमि आईएनएच के प्रधान सम्पादक डॉ.हिमांशु द्विवेदी मुख्यमंत्री एवं क्षेत्र के विधायकों एवं विशिष्टजनों से संवाद करेंगे।

कार्यक्रम में बिलासपुर के विधायक अमर अग्रवाल, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, मस्तुरी विधायक दिलीप लहरिया मौजूद रहेंगे। क्षेत्र के प्रमुख जनों में उद्योगपति प्रमोद खेड़िया, प्रदेश सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल सोनी,शिक्षा क्षेत्र से डॉ. सी वी रमन यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार अरविंद तिवारी, बीएनआई के प्रमुख डॉ. किरण चावला छत्तीसगढ़ एवं शहर के विकास पर विचार मंथन करेंगे। कार्यक्रम में एनटीपीसी, एसीसीएल के अधिकारी, जेके ग्रुप ऑफ ⏭ शेष पेज 5 पर

- हरिभूमि आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी करेंगे संवाद

रायपुर साहित्य उत्सव 2026

पुरखौती मुक्तांगन में रायपुर साहित्य उत्सव आदि से अनादि तक, सभी मंडपों में उमड़ी श्रोताओं की भीड़

नए संचार साधनों से निखर रहा साहित्य, डिजिटल प्लेफार्म पर परोसी जा रहीं भ्रामक चीजों को परखने की बड़ी चुनौती

'नए संचार साधनों ने साहित्य के प्रवाह को तेज कर दिया है। इसने जानकारियों के वेग को डिजिटल प्लेफार्म के माध्यम से तेज किया है। ऐसे में हमारे पास पहुंचने वाली जानकारी, या यूं कहें कि परोसी जा रही सामग्री के रूप में साहित्य और विचार कितने सही और कितने भ्रामक हैं, इसे परखने की चुनौती भी पाठकों के सामने हैं। ऐसे दौर में सनातन, राष्ट्रवाद, एआई और फिल्मों के निर्माण का तौर-तरीका भी बदलने लगा है। इसे देखते हुए किसी चीज को दूसरे से साझा करने से पहले उसकी परख करनी जरूरी है। कुछ ऐसे ही विचारों का आदान-प्रदान पुरखौती मुक्तांगन में जारी रायपुर साहित्य उत्सव आदि से अनादि तक के क्रम में सजाए गए अलग-अलग चार मंडपों में अतिथि साहित्यकारों ने किया। इसमें सबसे ज्यादा उत्साह चर्चित धारावाहिक महाभारत में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले अभिनेता नितीश भारद्वाज से किए गए संवाद में देखने को मिला।'

भगवान राम और श्रीकृष्ण का किरदार निभाया लेकिन ननिहाल में माता कौशल्या के दर्शन अब मिले

संवाद-धार्मिक फिल्में और टेली धारावाहिकों का दौर जैसे विषय पर चर्चा के क्रम में श्रोताओं के बीच विनोद कुमार शुक्ल मंडप में चर्चित धारावाहिक महाभारत में श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले नितीश भारद्वाज थे, उनसे संवाद के लिए सूत्रधार के रूप में आदित्य शुक्ला मौजूद थे। इनके बीच जब चर्चा शुरू हुई तो डेढ़ घंटे का वक्त कैसे बीता, किसी को पता भी नहीं चला। श्री भारद्वाज ने कहा कि समाज को साहित्य सबकुछ देता है, बदले में समाज उसे रिस्पांस देते हुए उससे जुड़ता है। जिस विषय पर हम बात करने के लिए यहां आपके सामने हैं, वह रायपुर साहित्य उत्सव 2026 आदि से अनादि तक की तरह ही वृहद है। धर्म और उसका प्रवाह पहले जैसा ही है, इसको लोगों तक पहुंचाने का तरीका बदला है, उन्हीं बदले हुए माध्यमों पर बात होगी। मेरा मानना है, जिस तरीके से जातियों के आधार पर आए दिन बहस होती है। वह आर्यव्रत में कभी रहा ही नहीं है। श्रीमद भगवत गीता में भगवान कृष्ण ने भी कर्म को केंद्र में रखकर चार वर्णों का विभाजन किया। उन्होंने चर्चा में कहा कि मैंने भगवान राम और श्रीकृष्ण का किरदार निभाया, लेकिन श्रीराम के ननिहाल में माता कौशल्या के दर्शन का अवसर अब मिला है। उन्होंने तय समय में धर्म, शास्त्र और संचार साधनों की विधा पर चर्चा की। आगे कहा कि समाज ने मुझे जो मान-सम्मान दिया है, उसके चलते दायित्व भी बढ़ा है। यही कारण है कि आप लोगों के बीच हूं।

सिनेमा और समाज दोनों में उनका योगदान बढ़ रहा

'नई पीढ़ी की फिल्मी दुनिया' पर परिचर्चा के क्रम में सिनेमा और साहित्य के संबंधों पर दूसरा सत्र केंद्रित रहा। श्यामलाल चतुर्वेदी मंडप में आज "नई पीढ़ी की फिल्मी दुनिया" विषय पर अभिनेता सत्यजीत दुबे, अभिनेत्री टीजे भानु, विधायक एवं अभिनेता अनुज शर्मा तथा सुश्री सुविज्ञा दुबे बतौर विशेष अतिथि मंचस्थ रहीं। इसमें अनुज शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा सरल और सहज है, इसे संवाद से और सुलभ बनाया जा सकता है। वर्तमान दौर महिलाओं की सशक्त भूमिका का है, जहां सिनेमा और समाज दोनों में उनका योगदान बढ़ रहा है। फिल्म निर्माण प्रक्रिया पर कहा कि सिनेमा में निर्देशक की भूमिका प्रमुख होती है, रंगमंच में अभिनेता की प्रधानता होती है, जबकि धारावाहिकों में लेखक की भूमिका निर्णायक होती है। उन्होंने साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का जिक्र करते हुए कहा कि किसी रचनाकार की पहचान उनके पहनावे से नहीं, बल्कि उनकी रचनाओं से होती है।

डिजिटल प्लेटफार्म ने युवाओं के लिए नए द्वार खोले

अभिनेता सत्यजीत ने कहा कि किसी भी फिल्म में भावनात्मक तत्व होना जरूरी है, तभी दशकों तक दर्शकों के मन में वह जीवित रहेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का साहित्य बहुत समृद्ध है। यहां अच्छी कहानियों की कोई कमी नहीं है, जरूरत पाठक वर्ग को प्रोत्साहित करने की है। अभिनेत्री भानु ने कहा, डिजिटल माध्यमों ने नए कलाकारों के लिए अवसर के द्वार खोले हैं। छोटी कहानियां मंचों के माध्यम से दर्शक वर्ग तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा का सुख केवल गंतव्य तक पहुंचने में नहीं, बल्कि पूरी यात्रा प्रक्रिया में निहित होता है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं निर्माता की भूमिका निभाती हैं तो वे सेट पर काम करने वाले हर व्यक्ति की भावनाओं का ध्यान रखती हैं।

30-40 वर्षों की मेहनत से अब एआई निखर रहा

कवि-कथाकार अनिरुद्ध नीरव मंडप में साहित्य : उपनिषद से एआई तक विषय पर केंद्रित परिचर्चा में वक्ता के रूप में ट्रिपलआईटी के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश व्यास, वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल केतकर, वरिष्ठ लेखक डॉ. गोपाल कमल शामिल हुए। परिचर्चा में सूत्रधार की भूमिका साहित्यकार संजीव तिवारी निभा रहे थे। सत्र कवि जगन्नाथ प्रसाद भानु को समर्पित था। वहीं डॉ. गोपाल कमल द्वारा लिखित पुस्तक, गुणाढ्य की गुणसूत्र कथा का विमोचन किया गया। वहीं डॉ. व्यास ने कहा कि एआई का जो रूप हम देख रहे हैं, उसके पीछे 30-40 वर्षों की मेहनत है, अब एआई निखर रहा है। तकनीक खुद को परिमार्जित करती है, यह प्रक्रिया है। एआई नेट पर मौजूद जानकारी, आंकड़ों और सूचनाओं का सारांश हमें डिस्क्रिप्टिव टेक्नोलॉजी से समझाता है। वहीं श्री केतकर ने कहा कि गीता के 18 अध्यायों में सभी तरह के ज्ञान का समावेश है। एआई को लेकर लोग चिंतित हैं कि एआई का फ्यूचर क्या होगा।

जेनेटिक कोड के जरिए हम सीख पाते हैं नई चीजें

डॉ. गोपाल कमल ने कहा कि हमारे साथ सोचने की परंपरा ऋग्वेद से आती है। हम सभी एआई में डीप लर्निंग की बात करते हैं। भाषा कहां से आती है, वह आकार कैसे लेती है, मनुष्य भाषा तक कैसे पहुंचा, इस पर होने वाले काम और अध्ययन को साइकोलिंग्विस्टिक के नाम से जाना जाता है। जेनेटिक कोड के जरिए ही हम नई चीजों को सीख पाते हैं। सोमदेव ने कथा सरितसागर के नाम से संस्कृत में पुस्तक लिखी, इसे हम गुणाढ्य के रूप में देख सकते हैं। संस्कृत के लगभग 3900 सूत्र हैं। महेश्वर सूत्रों से हम शब्दरूप और धातुरूप बना सकते हैं। एआई में हम जीरो से एक का सहारा लेते हैं। गुणसूत्र की भाषा से एआई के संचार नेटवर्क को गढ़ा गया। श्री तिवारी ने कहा कि मेरी समझ में उपनिषद और एआई एक जैसे हैं। वेद ज्ञान का खजाना है, जिसका भाष्य उपनिषद है।

अब लेखक की सफलता का पैमाना इनाम नहीं, बल्कि पाठकों की संख्या

लाला जगदलपुरी मंडप मे परिचर्चा 'डिजिटल युग के लेखक और पाठक' विषय पर सार्थक संवाद का सिलसिला चला। इसमें बदलते समय के साथ साहित्य, लेखन और पाठकीय संस्कृति में आ रहे बदलावों पर गंभीर और सकारात्मक विमर्श के सूत्रधार पत्रकार अनिल द्विवेदी थे। उन्होंने कहा कि इस परिचर्चा ने यह साफ कर दिया कि डिजिटल माध्यम ने साहित्य के स्वरूप को बदला जरूर है, लेकिन उसकी आत्मा और रचनात्मकता आज भी प्रासंगिक है। लेखक, कवि और शिक्षक सर्वेश तिवारी ने कहा कि किताबों का छपना आज भी जरूरी है, क्योंकि पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम वह अनुभव नहीं देता, जो मुद्रित किताबें देती हैं। मान लेते हैं, युवा और बच्चे ऑनलाइन काफी पढ़ रहे हैं।

जितने अधिक पाठक, उतनी ही रचना की सार्थकता

लेखक की सफलता का पैमाना पुरस्कार नहीं, बल्कि पाठकों की संख्या होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जितने अधिक पाठक, उतनी ही रचना की सार्थकता होनी चाहिए। लेखक नवीन चौधरी ने डिजिटल मीडिया की ताकत को रेखांकित करते हुए कहा, इंटरनेट ने साहित्य के लिए नए रास्ते खोले हैं। युवा पीढ़ी ने डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए विनोद कुमार शुक्ल जैसे वरिष्ठ रचनाकारों को पढ़ा, जिससे उनकी पुस्तकों की रॉयल्टी लाखों तक पहुंची। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण लेखक फिर से सर्कुलेशन में आए हैं।

अच्छाई के लिए काम करती हूं, भारत के प्रति मेरी निष्ठा

साहित्य उत्सव की श्रृंखला में अनिरूद्ध नीरव मंडल के प्रथम सत्र में विचारोत्तेजक संवाद और विमर्श का दौर चला। मुख्य अतिथि वरिष्ठ टीवी एंकर-पत्रकार रुबिका लियाकत एवं छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा के बीच रोचक परिचर्चा का क्रम चला। इसमें रुबिका लियाकत ने राष्ट्रवाद पर संवाद शुरू करने से पहले पत्रकारिता के 18 वर्षों के अनुभव को साझा करते हुए युवाओं से आगाह किया कि सोशल मीडिया पर आए 30 सेकंड के वीडियो पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, तथ्यों की स्वयं पड़ताल करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मैं किसी व्यक्ति या विचारधारा के लिए नहीं, बल्कि सत्य, अच्छाई के लिए काम करती हूं और मेरी निष्ठा भारत के प्रति है। इतिहास और सामाजिक समरसता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी द्वारा दंगों के समय किए गए काम का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा स्वभावतः सेक्युलर है और भारतीयता उसी समझ से विकसित होती है।

हमेशा भारत और राष्ट्रवाद को सर्वोच्च स्थान देती हूं

उन्होंने बताया कि उनकी दादी सनातन परंपराओं का पालन करती थीं। पांच वक्त नमाज पढ़तीं और सबका आदर करती थीं, यह भारत की साझा संस्कृति का उदाहरण है। एक विराट हिंदू सम्मेलन से जुड़े तथ्यों का जिक्र करते हुए बताया कि उन्हें धर्म पर मन से विचार रखने के लिए आमंत्रित किया गया था, उससे जुड़े हर पहलू को बेबाकी से श्रोताओं के बीच पेश किया। राष्ट्रवाद के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं हमेशा भारत और राष्ट्रवाद को सर्वोच्च स्थान देती हूं। अंत में उन्होंने दो पुस्तकों का विमोचन किया, इसमें जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित छत्तीसगढ़ के साहित्य पुरोधा एवं पूजा अग्रवाल के काव्य संग्रह 'अम्मा की चाय' शामिल थी। सत्र में युवा, साहित्य प्रेमी और पत्रकारिता से जुड़े लोग शामिल हुए।

बिलासपुर
रविवार 25 जनवरी 2026
माघ शुक्ल पक्ष सप्तमी
वर्ष: 25, अंक: 304
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य: 5.00***

मौसम
अधि. 30.3
न्यून. 15.4

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

पांच फ्लाइट के सहारे दिल्ली से आवाजाही, आज और कल का किराया 15 हजार पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गणतंत्र पर ध्वजारोहण सहित दिल्ली में होने वाले अन्य कार्यक्रम के दौरान कड़ी सुरक्षा बरती जा रही है। इस दिन दिल्ली-रायपुर के बीच का हवाई सफर पांच फ्लाइट के सहारे होगा। इस दिन एयर इंडिया की दो और इंडिगो की एक फ्लाइट संचालित नहीं होगी। गणतंत्र दिवस के मद्देनजर रायपुर विमानतल पर भी अलर्ट है और यहां सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल की तैनाती के साथ विजिटर एंट्री पर रोक लगाई गई है। फ्लाइटें कम होने की वजह से 25 और 26 जनवरी को दिल्ली जाना महंगा हो गया है। अब यात्रियों को 15 हजार रुपए तक किराया देना पड़ रहा है।

खास खबर

एयर इंडिया की दो और इंडिगो की एक उड़ान संचालित नहीं होगी, रायपुर एयरपोर्ट पर भी अलर्ट, विजिटर एंट्री पर लगाई गई रोक

15 हजार तक टिकट

तीन उड़ानों की कमी होने के बाद रायपुर-दिल्ली के बीच हवाई सफर थोड़ा महंगा हुआ है। 25 जनवरी को इंडिगो की फ्लाइट के सभी टिकट बुक हो चुके हैं, वहीं एयर इंडिया की एक फ्लाइट का फेयर 14 हजार के करीब है। सोमवार यानी 26 जनवरी के दिन रायपुर से दिल्ली जाने के लिए 11 से 15 हजार रुपए तक देने पड़ रहे हैं। वहीं वापसी का किराया अभी 10 से 11 हजार के बीच है।

प्रतिदिन 54 उड़ान

रायपुर एयरपोर्ट से अभी प्रतिदिन 27 से 28 बार विमान टेकऑफ हो रहा है और उतनी बार ही उनकी लैंडिंग यानी कुल 54 बार आवाजाही हो रही है। यहां से जाने वालों की संख्या 4 हजार से ऊपर है और उतने ही यात्रियों की वापसी भी हो रही है। विमानतल सूत्रों के मुताबिक विमान में सफर करने वालों की संख्या पिछले दो-तीन सालों में काफी बढ़ी है।

सोमवार 26 जनवरी को दिल्ली में ध्वजारोहण के साथ आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके मद्देनजर वहां कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर वहां विमानतल पर भी विमानों की आवाजाही को नियंत्रित किया गया है। रायपुर से संचालित होने वाली एयर इंडिया की एक फ्लाइट को 23 से 26 जनवरी के बीच रद्द किया जा चुका है। गणतंत्र दिवस यानी सोमवार को होने वाले कार्यक्रम की वजह से कुछ और फ्लाइट के संचालन में कटौती होगी। ट्रैवल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इस दिन दिल्ली-रायपुर-दिल्ली के बीच का हवाई सफर पांच विमानों के भरोसे पूरा होगा। यानी इस दिन एयर इंडिया की सुबह 9.00 और दोपहर 2.35 बजे की फ्लाइट का संचालन नहीं किया जाएगा। इसके अलावा इंडिगो ▶▶ शेष पेज 5 पर

इंडिगो की 700 से ज्यादा उड़ानों पर चली कैंची!

मुंबई। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन 'इंडिगो' ने विभिन्न घरेलू हवाई अड्डों पर 700 से अधिक 'स्लॉट' खाली कर दिए हैं। यह कदम डीजीसीए की उस सख्त कार्रवाई के बाद उठाया गया है, जिसमें एयरलाइन की सर्दियों की उड़ानों में कटौती का आदेश दिया गया था। दिसंबर की शुरुआत में परिचालन में भारी व्यवधान को देखते हुए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन की सर्दियों की उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी थी। हवाई अड्डे पर किसी विमान के उड़ान भरने और उतरने के लिए दिए गए निश्चित समय को 'स्लॉट' कहा जाता है। सूत्रों ने बताया कि खाली किए गए कुल 717 'स्लॉट' में से 364 दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे छह प्रमुख मेट्रो हवाई अड्डों के हैं। इनमें सबसे अधिक 'स्लॉट' हैदराबाद और बेंगलुरु के हैं।

■ सरकार का बड़ा एक्शन

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

भारतीय सामानों पर छूट वापस, 20 फीसदी तक लग सकता है एक्सपोर्ट टैरिफ

ईयू के साथ 'मदर ऑफ ऑल डील्स' 27 को इससे पहले झटका, इधर, अमेरिका पड़ा नरम

भारत और यूरोपीय संघ के बीच फ्री ट्रेड डील का ऐलान होने जा रहा है। 27 जनवरी को इसपर फाइनल मुहर लग जाएगी। इस डील को 'मदर ऑफ ऑल डील' कहा जा रहा है। इस बीच, ईयू 1 जनवरी से लागू होने वाली जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज के तहत दी गई छूट वापस ले रहा है। इससे ज्यादातर भारतीय एक्सपोर्ट पर टैरिफ 20 परसेंट बढ़ जाएगा। इधर, अमेरिका ने नरमी दिखाते हुए एक्स्ट्रा टैरिफ में 25 फीसदी कम करने की बात कही है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के रिश्तों में एक नया और बड़ा अध्याय जुड़ने जा रहा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन अपनी चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंच गई हैं। उनके साथ-साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भी रविवार को दिल्ली पहुंच रहे हैं। यह यात्रा भारत के लिए दो वजहों से खास है- पहला, ये दोनों यूरोपीय दिग्गज 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे, और दूसरा, 27 जनवरी को होने वाली ▶▶ शेष पेज 5 पर

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन दिल्ली पहुंचीं

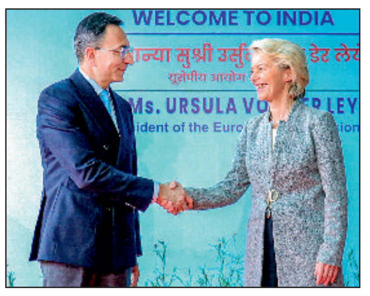

हुआ ग्रैंड वेलकम

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जानकारी दी है कि यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत की आधिकारिक यात्रा पर दिल्ली पहुंच गई हैं, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद उन्हें रिसीव करने पहुंचे। उर्सुला से पहले ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास भी अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर दिल्ली पहुंच गई हैं।

अमेरिकी मंत्री ने दिए ऐसे संकेत

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रम्प सरकार भारत पर लगाए गए 50% टैरिफ में से आधा टैरिफ हटाने पर विचार कर सकती है। उन्होंने गुरुवार को अमेरिकी मीडिया वेबसाइट पॉलिटिको को दिए इंटरव्यू में कहा कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी कम कर दिया है, इसलिए टैरिफ में राहत देने की गुंजाइश बन रही है। बेसेंट ने इसे अमेरिका की बड़ी जीत बताया और कहा कि भारत पर लगाया गया 25% टैरिफ काफी असरदार रहा है और इसकी वजह से भारत की रूसी तेल खरीद घट गई है।

इधर, पीएम मोदी बोले

युवाओं के लिए नए अवसर खोल रहे व्यापार समझौते

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत देश के भीतर और विदेश में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के लिए विभिन्न देशों के साथ व्यापार और आवागमन संबंधी समझौते कर रहा है। मोदी ने यह बात 18वें रोजगार मेले में कही जहां उन्होंने विभिन्न सरकारी नौकरियों के 61,000 नियुक्ति पत्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सौंपे।

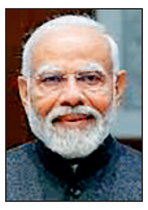

दो बच्चे समेत चार लोगों की नाव पलटने से हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

■ इंद्रावती नदी के झिल्ली घाट में डूबे सभी शव बरामद

बीजापुर जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक स्थित उसपरी साप्ताहिक बाजार से लौटने के दौरान इन्द्रावती नदी में नाव पलटने से बहे माड़ क्षेत्र के बोड़गा गांव के एक ही परिवार के सभी चार सदस्यों के शव बरामद कर लिए गए। शनिवार सुबह लापता चौथे ग्रामीण का शव भी बरामद कर लिया गया। शव को पीएम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। गौरतलब है कि बीजापुर जिले में बुधवार शाम ▶▶ शेष पेज 5 पर

वैध वारिसों को जल्द सहायता राशि दी जाएगी

सभी शव बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। शासन के प्रावधान के अनुसार मृतकों के वैध वारिसों को 4-4 लाख रुपए सहायता राशि जल्द से जल्द देने प्रयास किया जा रहा है। -**विकास सर्वे,** एसडीएम भैरमगढ़

खबर संक्षेप

स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

गुवाहाटी। गुवाहाटी में स्थित दो स्कूलों को बम से उड़ाए जाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या अन्य स्कूलों को भी इसी तरह ईमेल के जरिये धमकी मिली थी। शुक्रवार को मिलीं दो धमकियां झूठी साबित हुईं। अधिकारी ने बताया कि हम यह पता लगा रहे हैं कि ईमेल कहां से भेजे गए थे। अन्य पहलुओं पर भी जांच की जा रही है।

'साइन बोर्ड' से टकराने से तीन की मौत

उन्नाव। उन्नाव जिले के पुरवा कोतवाली थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे लोहे के 'साइन बोर्ड' से टकरा गई, जिससे उस पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान बीघापुर थाना क्षेत्र के अढ़ोली गांव निवासी अनुराग (31), बेसनखेड़ा निवासी राहुल पाल (26) और तौरा निवासी सौरभ (25) के रूप में हुई है।

ट्रक और ऑटोरिक्शा में टक्कर, तीन की मौत

झांसी। यूपी के झांसी में ट्रक और ऑटोरिक्शा रिक्शा के बीच टक्कर के कारण तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए। मृतकों की पहचान कैरोखर की निवासी जानकी (18), पंडित सीता रमैया (55) और नारायण दास (50) के रूप में हुई है। सभी लोग एक मांगलिक कार्यक्रम से वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी गुरसराय के निकट यह दुर्घटना हुई। ऑटोरिक्शारिक्शा में बच्चों समेत कुल 16 लोग सवार थे।

साइबर गिरोह का भंडाफोड़

केवाईसी अपडेट के बहाने ठगी, धरे गए चार आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बैंक ग्राहकों से उनके केवाईसी विवरण अपडेट करने के बहाने कथित तौर पर ठगी करने वाले एक बड़े अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह का दिल्ली पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि पुलिस ने इस सिलसिले में झारखंड और पश्चिम बंगाल से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शिव कुमार रविदास (22), संजय रविदास (33), दिनेश रविदास (29) और शुभम कुमार बरनवाल (25) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा, गिरोह के सदस्य बैंक अधिकारी बनकर पीड़ितों को तुरंत क़ेवाईसी अपडेट करने के लिए दबाव बनाते थे।

धोखाधड़ी से लिया ऋण

पुलिस ने बताया किआरोपियों ने पीड़ितों के बैंक संबंधित जानकारियों का इस्तेमाल कर धोखाधड़ी से ऋण लिया। उन पैसे को 'म्यूल खातों' की मदद से हस्तांतरित किया तथा बाद में वे इन पैसों को विभिन्न बैंक माध्यमों से निकालते थे। धोखाधड़ी का यह मामला दिल्ली के सागरपुर निवासी एक महिला की शिकायत दर्ज कराने के बाद सामने आया। पीड़िता को भी एक संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने के लिए बहकाया गया।

आधा दर्जन गिरफ्तार

एक्सीडेंट में घायल जंगली सूअर को मारा डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सारागांव के पास रोड एक्सीडेंट में घायल जंगली सूअर को आधा दर्जन युवकों ने पहले मार डाला और उसके बाद वे अपने साथ ले गए। घायल सूअर के सिर को पत्थर से कुचलते रहे और राहगीर उन्हें रोकने का प्रयास करते रहे। लेकिन बदमाशों ने बचाने वालों से भी गालीगलौच की। वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग ने आधा दर्जन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।

वायरल वीडियो में आधा दर्जन युवकों का समूह घायल जंगली सूअर को खींचकर खेत की तरफ ले जाते हुए दिख रहे हैं। उसके बाद पत्थर उसके मुंह पर पटकने और लाठी से मारते हुए दिख रहे हैं। वन परिक्षेत्र प्रभारी दीपक ▶▶ शेष पेज 5 पर

लोग बचाने के लिए चीखते रहे

एक्सीडेंट में घायल जंगली सूअर को बदमाश मारने के लिए घसीटकर ले जा रहे थे, इस दौरान मौके पर उपस्थित ट्रक ड्राइवर सहित गांव के अन्य लोगों ने वन विभाग की टीम को घटना की सूचना देने की बात कही। इस पर मौके पर उपस्थित नशे में धुत्त बदमाश गांव के लोगों के साथ गाली-गलौज कर सूअर को जबरन घसीटकर अपने साथ खेत में ले गए और मारकर उसे बाइक से अपने साथ ले गए। मौके पर उपस्थित कुछ लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया।

वार्षिक रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, भारत में पकड़े गए 203 भगोड़े

विदेश में छिपे 70 से अधिक भगोड़ों पर शिकंजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न मामलों में वांछित 70 से अधिक भगोड़ों का विदेश में पता लगाया। इसी अवधि के दौरान अन्य देशों द्वारा वांछित 203 भगोड़ों को भारत में पकड़ा गया।

कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 2024-25 में भारत द्वारा कुल 71 वांछित/भगोड़ों का विदेश में पता लगाया गया। अधिकारियों का दावा है कि विदेश में पता लगाए गए ऐसे वांछित भगोड़ों की संख्या एक दशक से अधिक समय में सबसे अधिक है। मंत्रालय की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष में कुल 27 भगोड़े या वांछित व्यक्ति विदेश से भारत ▶▶ शेष पेज 5 पर

एक्शन में सीबीआई

सीबीआई सहित भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पुष्टि की है कि उक्त अवधि के दौरान 47 अनुरोध पत्र पूरी तरह निष्पादित किए गए, जबकि 29 को आंशिक निष्पादन के बाद बंद कर दिया गया या वापस ले लिया गया। पिछले साल 31 मार्च तक, अन्य देशों के पास कुल 533 अनुरोध पत्र लंबित थे, जिनमें से 276 सीबीआई मामलों से और 257 राज्य पुलिस व अन्य केंद्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों से संबंधित थे।

ब्लू, येलो और ब्लैक नोटिस

89 'ब्लू नोटिस' (किसी व्यक्ति की पहचान, ठिकाने या गतिविधियों से जुड़ी जानकारी जुटाने के लिए), 24 'येलो नोटिस' (लापता व्यक्ति को लेकर वैश्विक पुलिस अलर्ट), सात 'ब्लैक नोटिस' (अज्ञात शवों से संबंधित अनुरोध) और एक 'ग्रीन नोटिस' (सार्वजनिक सुरक्षा के लिए संभावित खतरा माने जाने वाले व्यक्तियों को लेकर इंटरपोल द्वारा जारी चेतावनी) भी शामिल थे।

126 को रेड नोटिस

वर्ष के दौरान, एनसीबी-भारत द्वारा उन भगोड़ों के लिए विभिन्न इंटरपोल नोटिस जारी किए गए, जिनकी या तो अभियोजन के लिए या देश में सजा काटने के लिए तलाश थी। रिपोर्ट के अनुसार, इनमें 126 'रेड नोटिस' शामिल थे, जो प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या इसी तरह की कानूनी कार्रवाई लंबित होने के दौरान किसी व्यक्ति का पता लगाने और अस्थायी रूप से गिरफ्तारी के लिए दुनियाभर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से अनुरोध होते हैं।

तरकश

संजय के दीक्षित

पुलिस कमिश्नरः जो जीता वो सिकंदर

रायपुर पुलिस कमिश्नर सिस्टम सिर्फ सिटी में लागू किया जाए या फिर पूरे जिले में, इसको लेकर सत्ता के गलियारों में शह-मात का खूब खेल चला। 31 दिसंबर के कैबिनेट की बैठक में रायपुर सिटी में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करने का फैसला लिया गया, उसमें किसी ने मुंह खोलना मुनासिब नहीं समझा। मगर 16 जनवरी को जैसे ही लॉ एवं गृह विभाग से अनुमोदन के बाद नोटिफिकेशन राजपत्र में प्रकाशित करने के लिए लेटर सरकारी प्रेस को गया कि गृह मंत्री का फोन आ गया। इसके बाद उपर से और भी फोन...अभी नोटिफिकेशन रोका जाए। दोनों फोन कॉल का लब्बोलुआब यह था कि शहर नहीं, पूरे जिले को पुलिस कमिश्नरेट में शामिल किया जाएगा। बताते हैं, आखिरी समय में आईपीएस बिरादरी के सीनियर अफसरों का एक धड़ा गृह मंत्री और बीजेपी संगठन के कुछ नेताओं को कंविंस करने में कामयाब हो गया कि सिर्फ शहर के लिए पुलिस कमिश्नरेट बनाने का कोई मतलब नहीं। इसका नतीजा यह हुआ कि नोटिफिकेशन पर ब्रेक लग गया। इसके बाद लोग एकदम अश्वस्त हो गए कि पुलिस कमिश्नर सिस्टम अब पूरे जिले में लगेगा। मगर जो जीता वो सिकंदर...परदे के पीछे चली चकरी ने पूरी बाजी पलट दी। लोगों को समझना चाहिए कि आईएएस देश की सर्वोच्च सर्विस है। यूपीएससी में पहले आईएएस, फिर आईपीएस का नंबर आता है। आईएएस अगर टॉप पर हैं तो उनका ब्रेन भी टॉप का ही चलता होगा न। वैसा ही हुआ। इस गेम का अंतिम नतीजा यह रहा कि ओल्ड रायपुर सिटी में ही पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करने नोटिफिकेशन जारी हो गया।

सरकार को माइलेज नहीं

रायपुर के पड़ोसी शहर नागपुर में 30 बरस पहले पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू हो गया था। ओड़िसा भी छत्तीसगढ़ से आगे निकल गया था। ऐसे में, राज्य बनने के 25 साल बाद विष्णुदेव साय सरकार ने पुलिस में रिफार्म का यह ऐतिहासिक कार्य किया। मगर इस काम के लिए जिस तरह धूम-धड़ाके के साथ उसे पॉलिटिकल माइलेज लेना था, वह नहीं हो सका। इसके पीछे क्या वजह रही...ये सरकार के रणनीतिकार बता पाएंगे। जाहिर है, दूसरे विभागों में छोटे से रिफार्म में भी सितारा होटलों में बड़ा इवेंट किया जाता है। किन्तु देश के पुलिस कमिश्नर के नक्शे में रायपुर का नाम शामिल होने के बाद भी कोई जलसा या कार्यक्रम तो हुआ नहीं, पुलिस कमिश्नर ऑफिस में कोई नारियल फोड़ने भी नहीं गया। फर्स्ट पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला का ऑफिस के पोर्च में गाड़ी से उतरते और रायपुर के आखिरी कप्तान लाल उमेद सिंह को बुके देते फोटू और फूटेज के अलावे कुछ भी नहीं हुआ। सरकार के लिए यह एक बड़ा श्रेय लेने का अवसर था।

आखिरी कप्तान

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट उल्लासविहीन माहौल में प्रारंभ हुआ मगर रायपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लोगों ने अतीत की यादों को सहेजने के लिए जरूर एक छोटा सा भावुक कार्यक्रम किया। आधा दर्जन से अधिक रायपुर के पूर्व कप्तान इस मौके पर पहुंचे थे। चाय-नाश्ता और पुरानी यादों तो ताजा करने के साथ ही फोटो सेशन हुआ। बहरहाल, 23 जनवरी को रायपुर पुलिस अधीक्षक का अस्तित्व हमेशा के लिए खतम होने के साथ ही रायपुर के आखिरी कप्तान के तौर पर लाल उमेद सिंह का नाम दर्ज हो गया। इस स्तंभ में पहले भी लिखा गया था कि रायपुर आईजी अमरेश मिश्रा की सेहत पर पुलिस कमिश्नर का कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उनका रायपुर रेंज और पांचों जिला सलामत रहेगा। उनका ऑफिस भी वही रहेगा। रायपुर ग्रामीण जिला उनके पास रहेगा। इसलिए जिलों की संख्या भी यथावत रहेगी।

5 रंगरुट आईपीएस

फर्स्ट पुलिस कमिश्नर के लिए शुरू से दुर्ग आईजी रामगोपाल गर्ग का नाम प्रमुखता से चल रहा था। 22 जनवरी की रात आठ बजे तक यही था कि रामगोपाल गर्ग कल सुबह रायपुर पहुंचकर कमिश्नरेट में कार्यभार ग्रहण करेंगे। मगर सरकार ने बिलासपुर आईजी संजीव शुक्ला को फर्स्ट पुलिस कमिश्नर बनने के लिए सलेक्ट किया। संजीव का चयन इसलिए किया गया कि उन्हें रायपुर की समझ हैं। स्कूलिंग और कॉलेज की पढ़ाई के बाद पुलिस की सर्विस में वे रायपुर में सीएसपी, एडिशनल एसपी और एसएसपी रहे। एमपी की राजधानी भोपाल में भी वे सीएसपी रहे हैं। वे प्रमोटी आईपीएस जरूर हैं मगर प्रोफाइल उनका बड़ा साउंड है। सरकार ने उन्हें सीबीआई में काम कर चुके अमित कांबले को एडिशनल कमिश्नर बनाया है तो डीसीपी और क्राइम, ट्रैफिक के लिए 2020 बैच के पांच अधिकारियों को दिया है। याने रायपुर शहर में अब सीपी और एडिशनल सीपी के अलावे पांच यंग आईपीएस बैठेंगे। सरकार में बैठे अफसरों का कहना है कि पिछले कुछ सालों में आईपीएस का तीन-चार बैच बुरी कदर डिरेल्ड हो गया था। 2020 बैच को इसलिए डीसीपी बनाया गया है कि पांचों पोलिसिंग में दक्ष हो जांए। अलबत्ता, इस बैच के एक जूनियर आईपीएस नारायणपुर में एसपी हैं। इसको लेकर 2020 बैच वालों में कुछ-कुछ चल रहा था। मगर फर्स्ट डीसीपी बनाए जाने से हो सकता है कि इनकी व्यथा थोड़ी कम हो जाए।

प्रमोटी आईपीएस का दबदबा

छत्तीसगढ़ में प्रमोटी आईपीएस अधिकारियों के लिए यह स्वर्णिम टाईम होगा। इस समय 33 में से 14 जिलों के कप्तान प्रमोटी हैं। इसमें रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर रायगढ़ और वीवीआईपी जिला जशपुर भी शामिल हैं। रायपुर के पुलिस कमिश्नर के लिए भी प्रमोटी आईपीएस को चुना गया तो रायपुर ग्रामीण में भी प्रमोटी। महत्वपूर्ण यह है कि प्रमोटी होने के बाद भी पोलिसिंग में आरआर याने डायरेक्ट से कहीं पीछे नहीं हैं। दरअसल, पिछले कुछ सालों में पुलिस महकमे का ग्रह-नक्षत्र बिगड़ा, उससे सबसे अधिक डायरेक्ट वाले ही प्रभावित हुए। जुआ, सट्टा और शराब ने कई होनहार डायरेक्टर आईपीएस अधिकारियों का कैरियर चौपट कर दिया। बता दें, इस वक्त रायपुर पुलिस कमिश्नर, रायपुर ग्रामीण, बिलासपुर, दुर्ग, जांजगीर, सक्ती, रायगढ़, जीपीएम, कोरिया, जशुपर, बेमेतरा, सूरजपुर, कोंडागांव, कवर्धा और गरियाबंद में स्टेट कैडर वाले आईपीएस कप्तान हैं। ये जरूर है कि कमिश्नरेट में पोस्टेड पांच आईपीएस एकाध साल बाद बाहर निकलेंगे तो फिर आरआर का दबदबा बढ़ेगा।

सरकार और संघ का सेतु!

भूपेश बघेल के दौर से मुख्यमंत्री का मीडिया एडवाइजर बनाने की परंपरा शुरू हुई। रुचिर गर्ग उनके मीडिया सलाहकार रहे। विष्णुदेव सरकार में पंकज झा पहले मीडिया सलाहकार बने और अभी आर0 कृष्णा दास को मीडिया सलाहकार बनाया गया है। कृष्णा संघ पृष्ठभूमि से हैं। बचपन से संघ की शाखाओं में सक्रिय रहे। इस समय संघ के मीडिया सेल के प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। कृष्णा को एडवाइजर टू सीएम बनने का एक मतलब सरकार और संघ के बीच सेतु निर्माण भी हो सकता है। याद होगा, रमन सिंह की तीनों पारी में संघ कोटे से विवेक सक्सेना ओएसडी टू सीएम रहे। फर्क इतना है कि कैबिनेट मंत्री का दर्जा देकर सरकार ने कृष्णा दास का कद बढ़ा दिया है। ऐसा प्रतीत होता है, कृष्णा मीडिया के साथ संघ के मसले भी देखेंगे।

हनी ट्रेप या ट्रेप हनी?

महिला डीएसपी और रायपुर के बिजनेसमैन के लव स्टोरी और विवाद की जांच कर पुलिस ने 1400 पेज की रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। जांच रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे किए गए हैं। इंवेस्टिगेशन का दिलचस्प पार्ट यह रहा कि पुलिस अधिकारी उलझे रहे...कौन हनी है और कौन ट्रेप हुआ। दरअसल, इस केस में हनी का स्वाद दोनों पक्षं ने लिया। हनी ने टारगेट का शिकार किया मगर बाद में वह खुद ही ट्रेप हो गई।

दूसरी महिला आईएएस

समग्र शिक्षा और पाठ्य पुस्तक निगम में राज्य सरकार ने दूसरी बार महिला आईएएस को बिठाया है। सरकार ने सोच-विचारकर पहले प्रियंका शुक्ला को दोनों बोर्ड और निगम का दायित्व सौंपा था मगर महीने भर के भीतर उनका डेपुटेशन क्लियर हो गया। इसके बाद अब उन्हीं की बैचमेट किरण कौशल को समग्र और पापुनि का एमडी बनाया गया है। जाहिर है, सरकार के लिए यह फैसला इतना आसान नहीं रहा होगा। काफी मंथन हुआ होगा। पिछली सरकार में कोरबा कलेक्टर्स में सिर्फ किरण ही ऐसी रहीं, जो जयसिंह अग्रवाल के निशाने पर नहीं आईं। उन्हें हैंडिल करने का सलिका आता है। विदित है, समग्र और पापुनि की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। समग्र शिक्षा 2000 करोड़ का दुधारु गाय है तो पापुनि के चेयरमैन और स्कूल शिक्षा मंत्री, दोनों संघ के स्कूल से आते हैं। दोनों लगभग हमउम्र भी हैं। दोनों के काम करने के अपने अंदाज हैं। अब आप समझ सकते हैं कि किरण कौशल को वहां क्यों बिठाया गया है।

आईएएस का पीआर

छत्तीसगढ़ के दूसरे सीनियर आईएएस अधिकारी सुब्रत साहू मुख्य सचिव की दौड़ में भले ही पिछड़ गए मगर पारिवारिक कार्यक्रम के जरिये उन्होंने लोगों को बताया कि 32 साल की सर्विस में उन्होंने अपने लोग तो बनाए हैं। उनके बेटे सिद्धार्थ की शादी का रिसेप्शन बड़ा ग्रेंड रहा। कोई वर्ग ऐसा नहीं छूटा, जो उनके आयोजन का हिस्सा नहीं बना। यह तब हुआ, जब सभी को पता है कि मुकद्दर उनका साथ नहीं दे रहा है और आगे कोई उम्मीद भी नहीं है। फायदे के तराजू पर इस दौर में रिश्ते तौले जाते हैं...ऐसे में सुब्रत साहू से बाकी नौकरशाहों को कुछ टिप्स लेनी चाहिए।

छत्तीसगढ़ की ब्रांडिंग

छत्तीसगढ़ में एक बार पहले भी साहित्य महोत्सव का बढ़ियां आयोजन हुआ था। मगर इस बार जनसंपर्क द्वारा आयोजित तीन दिन का रायपुर साहित्य उत्सव उसे पीछे छोड़ दिया। साहित्य परिषद के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस साहित्यिक कुंभ की प्लानिंग ऐसी की गई कि जो वहां गया, मुग्ध हो गया। कार्यक्रम की कसावट और देश भर से आए हर विधा के साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों ने उसमें शब्दों की चेतना का रंग भर दिया। कुल मिलाकर इस आयोजन के जरिये नेशनल लेवल पर छत्तीसगढ़ की अच्छी-खासी ब्रांडिंग हुई।

कलेक्टर की लिस्ट

जगदलपुर कलेक्टर हरीश एस0 को सरकार ने सेंट्रल डेपुटेशन के लिए रिलीव कर दिया। इसके साथ ही 2017 बैच के आईएएस आकाश छिकारा को वहां का कलेक्टर अपाइंट कर दिया गया। 31 जनवरी के आसपास कलेक्टर की एक लिस्ट और निकलेगी। बलौदा बाजार कलेक्टर दीपक सोनी को भी दिल्ली में पोस्टिंग मिल गई है। पोस्टिंग आर्डर निकलने के बाद थ्री वीक की मियाद पूरी होने वाली है। धान खरीदी को देखते हो सकता है कि सरकार 31 के दो-चार दिन आगे-पीछे उन्हें रिलीव करे।

अंत में दो सवाल आपसे

1. सरकार बने दो साल से अधिक होने के बाद भी बीजेपी नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति क्यों नहीं कर पा रही?

2. डीजीपी अरुणदेव गौतम के पदनाम से प्रभारी शब्द कब हटेगा?

हाईकोर्ट ने कहा- बच्चे की कस्टडी तय करते समय सबसे अहम बात बच्चे का समग्र कल्याण है, न कि केवल माता-पिता की आर्थिक स्थिति

बिना तलाक दूसरी पत्नी के साथ रह रहे पिता को बच्चे की कस्टडी नहीं फैमिली कोर्ट ने पहले ही पिता को कस्टडी देने से इन्कार कर दिया था

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि जो पिता बिना तलाक लिए दूसरी महिला (दूसरी पत्नी) के साथ रह रहा है, उसे अपने बच्चे की कस्टडी देने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने साफ कहा कि बच्चे का हित सबसे ऊपर है और केवल पिता की आर्थिक क्षमता के आधार पर कस्टडी नहीं दी जा सकती।

दरअसल यह मामला बच्चे की कस्टडी से जुड़ा था। सात साल का बच्चा अपनी मां के साथ रह रहा है। फैमिली कोर्ट ने पहले ही पिता को कस्टडी देने से इन्कार कर दिया था। पिता ने इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को सही ठहराया। हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने कहा कि बच्चा जन्म से ही अपनी मां के साथ रह रहा है और उसे वहां पूरा प्यार, देखभाल और सुरक्षित माहौल मिल रहा है। ऐसे में उसकी कस्टडी बदलना बच्चे के हित में नहीं होगा।

मानसिक और भावनात्मक विकास जरूरी

कोर्ट ने यह भी कहा कि यह तय नहीं है कि सौतेली मां के साथ बच्चे को वही प्यार और अपनापन मिलेगा या नहीं। पिता ने दलील दी थी कि वह आर्थिक रूप से सक्षम है और बच्चे की जरूरतें बेहतर तरीके से पूरी कर सकता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि केवल पैसों के आधार पर बच्चे की कस्टडी तय नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि बच्चे का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास सबसे ज्यादा जरूरी है। कोर्ट ने हिंदू अल्पसंख्यक एवं संरक्षकता अधिनियम, 1956 का हवाला देते हुए कहा कि भले ही पिता को प्राकृतिक अभिभावक माना गया हो, लेकिन यह अधिकार पूर्ण नहीं है। हर मामले में बच्चे का कल्याण सर्वोच्च होता है।

बड़े बेटे की कस्टडी के लिए दायर थी याचिका

मामले के मुताबिक पति-पत्नी की शादी वर्ष 2013 में हुई थी और उनके दो बेटे हैं। विवाद के बाद वर्ष 2021 में पत्नी छोटे बेटे के साथ मायके चली गई। बाद में बड़ा बेटा भी मां के पास रहने लगा। पिता ने बड़े बेटे की कस्टडी के लिए फैमिली कोर्ट में आवेदन किया था, जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद पिता ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन वहां भी उसकी याचिका खारिज कर दी गई। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बच्चे की कस्टडी तय करते समय सबसे अहम बात बच्चे का समग्र कल्याण है, न कि केवल माता-पिता की आर्थिक स्थिति।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला - अनुकंपा नियुक्ति कोई अधिकार या विरासत में मिलने वाला पद नहीं, यह एक तात्कालिक सहायता

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि 'अनुकंपा नियुक्ति कोई अधिकार या विरासत में मिलने वाला पद नहीं है, बल्कि यह परिवार को अचानक आए आर्थिक संकट से उबारने के लिए दी जाने वाली एक तात्कालिक सहायता है।' इसके साथ ही जस्टिस एके प्रसाद ने 14 साल पुराने मामले में लगी याचिका को खारिज कर दिया है।

- 14 साल बाद अनुकंपा नियुक्ति का अधिकार नहीं, याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य मृतक कर्मचारी के परिवार को तत्काल राहत देना है, न की वर्षों बाद रोजगार उपलब्ध कराना। इतने लंबे समय बाद किया गया दावा नीति और कानून दोनों के खिलाफ है। दो पत्नियों के बीच विवाद और नाबालिग होने का तर्क नीति में तय समय सीमा को बढ़ाने का आधार नहीं बन सकता। दरअसल, रायगढ़ जिले के घरघोड़ा क्षेत्र निवासी निजेश चौहान ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, इसमें अनुकंपा नियुक्ति की मांग की थी। बताया कि उसके पिता शिक्षा विभाग में मंडल संयोजक के पद पर कार्यरत थे। उनका 19 फरवरी 2005 को निधन हो गया था। वह उस समय नाबालिग था। पिता की दो पत्नियां होने के कारण अनुकंपा नियुक्ति को लेकर विवाद भी चला। जिसे बाद में सिविल कोर्ट में समझौते के जरिए निपटाया गया। इस वजह से अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन करने में देरी हुई।

14 साल बाद किया गया आवेदन

शिक्षा विभाग ने बताया कि, याचिकाकर्ता ने वयस्क होने के बाद 2019 में यानी पिता की मौत के करीब 14 साल बाद अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया। देरी के कारण आवेदन खारिज कर दिया गया था। इससे पहले लगाई गई याचिका में हाईकोर्ट के निर्देश पर मामले पर पुनर्विचार हुआ, लेकिन 16 जनवरी 2023 को फिर से देरी के आधार पर दावा नामंजूर कर दिया गया।

देरी से दावा नीति और कानून के खिलाफ

अब हाईकोर्ट ने कहा कि, अनुकंपा नियुक्ति का उद्देश्य मृतक कर्मचारी के परिवार को तत्काल राहत देना है, न की सालों बाद रोजगार उपलब्ध कराना। इतने लंबे समय बाद किया गया दावा नीति और कानून दोनों के खिलाफ है। राज्य सरकार की नीति के अनुसार विशेष परिस्थितियों में भी अनुकंपा नियुक्ति के लिए अधिकतम 5 साल की सीमा तय है।

सेवाकाल के दौरान शासकीय कर्मचारियों से वसूली नहीं की जा सकती

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने कहा है कि सेवाकाल के दौरान किसी भी शासकीय अधिकारी या कर्मचारी से वूसली नहीं की जा सकती है। इसके साथ ही कोर्ट ने पुलिस इंस्पेक्टर के विरुद्ध जारी वसूली आदेश को निरस्त कर दिया है।

पुरानी पुलिसलाइन, लालबाग, राजनांदगांव निवासी देवप्रकाश दादर पुलिस दूरसंचार केन्द्र, राजनांदगांव में पुलिस निरीक्षक (इंस्पेक्टर) दूरसंचार के पद पर पदस्थ है। उनके सेवाकाल के दौरान पुलिस अधीक्षक, दूरसंचार, भिलाई जोन वेतनवृद्धि की गणना गलत तरीके से किए जाने के आधार पर अधिक वेतन भुगतान का हवाला देकर उनके विरूद्ध वसूली आदेश जारी कर दिया गया। इसके खिलाफ याचिका अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं ऋषभदेव साहू के माध्यम से दायर की गई। याचिका में कहा गया कि किसी भी तृतीय श्रेणी शासकीय अधिकारी-कर्मचारी से अधिक वेतन भुगतान का हवाला देकर वसूली नहीं की जा सकती है। साथ ही यह भी व्यवस्था है कि कर्मचारी से यदि पांच वर्षों पूर्व गलत तरीके से वेतनवृद्धि जोड़कर अधिक वेतन भुगतान कर दिया गया है तो भी वसूली नहीं हो सकती। हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए इंस्पेक्टर के खिलाफ वसूली आदेश को निरस्त कर दिया है। साथ ही एस.पी., दूरसंचार, भिलाई जोन को यह निर्देशित किया गया कि वे याचिकाकर्ता से वसूल की गई राशि का तत्काल भुगतान करें।

पिछले साल 45 समितियों में 5580 क्विंटल धान मिला था शॉर्टेज, भुगतान में 1.72 करोड़ रुपए की कटौती कर वसूला

रायपुर। वित्तीय वर्ष 2024-25 में रायपुर जिले के 45 समितियों में 5580 क्विंटल धान का शॉर्टेज मिला था, जिसकी कीमत करीब एक करोड़ 72 लाख रुपए थी। इस शॉर्टेज धान की भरपाई समितियों को भुगतान राशि में कटौती कर किया है। विपणन संघ मर्यादित के जिला अधिकारी ने बताया कि इस मामले में लेखा मिलान करने के जिला सहकारी बैंक को भेजा गया था, जिसके आधार पर समितियों को किए गए भुगतान राशि में शॉर्टेज धान के बराबर राशि की कटौती की गई। उन्होंने बताया कि इस राशि की वसूली धान खरीदी शुरू होने से पूर्व ही कर ली गई है। विपणन संघ ने शेष शॉर्टेज 5580 क्विंटल धान की राशि की वसूली समितियों को भुगतान राशि में कटौती कर की है। विपणन संघ ने लेखा मिलान करके राशि कटौती कर समितियों को भुगतान करने के लिए सहकारी बैंक को प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत इन समितियों से शेष राशि की वसूली की गई।

इन समितियों में मिला था धान शॉर्टेज

गुमा, नगपुरा, तामासिवनी, पोंड, फरहदा-खरोरा, मुनरेठी, खरोरा, सरोरा, कोसरंगी, बुडेरा, बेल्दासिवनी, कनकी, खोरसी, गोइंदा, नरदहा, धरसींवा, पलौद, बेल्दासिवनी, तिल्दा, टोहडा, मोखला, असौंदा, बंगोली, दतरेंगा, जरौद, धरमपुरा, बुढेनी, लखौली, छड़िया, सोंडरा, सुंदरकेरा, उरला, दोंदेकला, नगरगांव, बेंद्री, खौना, केंद्री, सारागांव, अमोदी, कठिया-नवापारा, टेकारी मंदिर हसौद, नवापारा, नारा, सकरी अभनपुर शामिल थे। इन समितियों में अधिकतम 560 क्विंटल से लेकर न्यूनतम 40 क्विंटल तक धान शॉर्टेज मिला था।

भौतिक सत्यापन में कुल 16500 क्विंटल धान मिला था शॉर्टेज-खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में जिले में 139 धान उपार्जन समितियों के माध्यम से किसानों से कुल 6997417.20 क्विंटल धान खरीदा गया था। इस दौरान धान उठाव के दौरान समितियों में धान का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें 45 समितियों में 16500 क्विंटल धान (शॉर्टेज) गायब मिला था, जिसकी कुल कीमत प्रति क्विंटल 31 सौ रुपए की दर से लगभग 5 करोड़ रुपए थी।

धान खरीदी शुरू होने से पहले कर ली वसूली

पिछले वर्ष धान खरीदी के दौरान जिले के 45 समितियों में धान शॉर्टेज मिला था। इनमें 1.72 करोड़ रुपए की वसूली होनी बाकी थी। इसे समितियों के भुगतान राशि में कटौती करके धान खरीदी शुरू होने से पहले ही कर ली गई है।

- जशबीर सिंह बघेल, डीएमओ, विपणन संघ मर्यादित रायपुर

कार्यशाला में दिल्ली जाएंगी भाजपा की नेत्रियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महिला समन्वय समिति की बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन 27 जनवरी को दिल्ली स्थित भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं विधायक लता उसेंडी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद रूपकुमारी चौधरी, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा विभा अवस्थी, महिला आयोग सदस्य सरला कोसरिया छत्तीसगढ़ प्रदेश की ओर से शामिल होंगी। बैठक एवं कार्यशाला के दौरान महिला सशक्तिकरण, संगठनात्मक गतिविधियों तथा आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

केरल लिटरेचर फेस्टिवल में बोले शशि थरूर

‘कभी पार्टी के खिलाफ नहीं गया ‘सिंदूर’ के लिए नहीं मांगूंगा माफी’

एजेंसी ▶▶| कोझिकोड (केरल)

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में कभी भी पार्टी के रुख का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर थी।

थरूर केरल लिटरेचर फेस्टिवल में आयोजित एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने सख्त रुख अपनाया था और वह इस अब भी बिना किसी पछतावे के इस रुख पर कायम हैं। थरूर का यह बयान ऐसे समय आया है, जब इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। इन अटकलों में यह भी शामिल है कि कोच्चि में हुए एक हालिया कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से उन्हें पर्याप्त महत्व न दिए जाने और राज्य के नेताओं की ओर से कई बार उन्हें किनारे लगाने की कोशिशों से वे नाराज हैं।

नेहरू का किया जिक्र

आख़िर में, मैं दोहराना चाहता हूं कि जब भारत के राष्ट्रीय हित दांव पर हों, तो राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर हमारा फोकस केवल देश पर होना चाहिए। जैसा जवाहरलाल नेहरू ने पूछा था, ‘अगर भारत मरता है, तो कौन जिएगा?’ यही मेरा संदेश है।

पार्टी नेतृत्व के साथ चल रहे हैं मतभेद

आलोचना की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?

थरूर ने कहा, सिंदूर पर सबकुछ मैंने साफ तौर पर लिखा था और आज भी यह सार्वजनिक रिकॉर्ड में मौजूद है। लगभग दस दिन बाद भारत सरकार ने ठीक वही कदम उठाए, जिनकी मैंने सिफारिश की थी। ऐसे में आप मुझसे इस कार्रवाई की आलोचना की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?

मेरे सुझाव ही सरकार ने अपनाए

सम्मेलन में थरूर ने विस्तार से अपना पक्ष रहा। उन्होंने बताया, पहलगाम की दुखद घटना के बाद, मैंने एक पर्यवेक्षक और टिप्पणीकार के रूप में अपनी बात रखी। अपने उस हैसियत से मैंने एक अखबार में ‘हिट हार्ड, हिट स्मार्ट’ शीर्षक से एक कॉलम लिखा था। उस लेख में मैंने साफ़ तौर से कहा था कि इस हमले को सजा से मुक्त नहीं छोड़ा जा सकता। इसका जवाब जरूरी और निर्णायक होना चाहिए, यानी प्रत्यक्ष कार्रवाई। हमें स्पष्ट रूप से आतंकवादियों पर जवाबी कार्रवाई करनी होगी। हालांकि, मैंने यह भी कहा कि भारत विकास की राह पर अग्रसर है और हम पाकिस्तान के साथ किसी लंबी लड़ाई में उलझना नहीं चाहते। भारत की अर्थव्यवस्था निवेश पर निर्भर है और युद्धग्रस्त क्षेत्रों में निवेशक नहीं आते। इसलिए, हमें ऐसा कदम उठाना चाहिए जिससे भारत को युद्ध क्षेत्र न बनना पड़े। मैंने सुझाव दिया था कि केवल आतंकवादी ठिकानों को ही निशाना बनाया जाए।

तिरुवनंतपुरम नगर-निगम ने भाजपा पर लगाया जुर्माना

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम नगर निगम ने भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) पर 19.7 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

ये जुर्माना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केरल दौरे के दौरान शहर में फुटपाथों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाने पर लगाया गया है। बोर्ड लगाने से क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के सचिव की शिकायत के बाद कैंटोनमेंट पुलिस ने शुक्रवार देर रात भाजपा जिला अध्यक्ष करमना जयन के खिलाफ मामला दर्ज किया। दिसंबर में हुए नगर निगम चुनाव में तिरुवनंतपुरम में भाजपा ने 50 सीटें जीती थीं। इसके बाद 26 दिसंबर को भाजपा के वीवी राजेश को यहां का मेयर बनाया गया था।

भाजपा का ही है यहां मेयर

केरल हाइकोर्ट के आदेशों के उल्लंघन का आरोप

एफआईआर में केरल हाई कोर्ट के कई आदेशों और स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन का आरोप है। इसमें कहा गया कि भाजपा जिला समिति ने प्रधानमंत्री के दौरे के हिस्से के रूप में फुटपाथों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाए। इससे पालियम जंक्शन से पुलिमूडु जंक्शन तक जनता को असुविधा हुई। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा विधिवत जारी किए गए आदेशों की अवज्ञा) और 285 (सार्वजनिक रास्तों में खतरा, बाधा और जोखिम पैदा करना) और केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120(बी) (जनता को बाधा, असुविधा और खतरा पैदा करना) के तहत दर्ज किया गया है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि भाजपा नेताओं को अवैध रूप से लगाए गए फ्लेक्स बोर्ड हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सीबीएसई के सभी स्कूलों में काउंसलर अनिवार्य

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और करियर मार्गदर्शन पर फोकस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बढ़ते पढ़ाई के दबाव और करियर को लेकर कन्फ्यूजन के बीच केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने छात्रों के हित में अहम फैसला सुनाया है।

बोर्ड ने सभी संबंधित स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य और करियर काउंसलर की नियुक्ति जरूरी कर दी है। राजस्थान हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका के बाद सीबीएसई ने अपने नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत अब हर सीबीएसई स्कूल में मानसिक स्वास्थ्य और करियर काउंसलर की नियुक्ति अनिवार्य होगी। यह याचिका, कोटा के वकील सुजीत स्वामी और कुछ मनोविज्ञान विशेषज्ञों की ओर से जुलाई 2025 में दाखिल की थी। इसमें बताया गया था कि पढ़ाई के दबाव की वजह से छात्रों में तनाव बढ़ रहा है और

उन्हें सही करियर मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा।

कोर्ट ने मांगा था जवाब

बता दें कि सितंबर 2025 में हाईकोर्ट ने इस मामले पर सीबीएसई, राजस्थान बोर्ड, यूजीसी और राज्य सरकार से जवाब मांगा था। सभी की राय लेने के बाद सीबीएसई ने 19 जनवरी, 2026 को नया सर्कुलर जारी किया था।

काउंसलरों की तय की योग्यता : बता दें कि सीबीएसई ने काउंसलरों की योग्यता भी तय कर दी है। मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर के पास मनोविज्ञान या समाज कार्य में डिग्री होनी चाहिए और उन्हें सीबीएसई से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण लेना होगा। काउंसलर छात्रों और उनके अभिभावकों को सलाह देंगे और मानसिक परेशानी से जूझ रहे छात्रों की मदद करेंगे।

यह है सीबीएसई के नए नियम

नए नियमों के मुताबिक, अब हर सीबीएसई स्कूल में 500 छात्रों पर कम से कम एक काउंसलर नियुक्त किया जाएगा। इसके साथ ही करियर काउंसलर की नियुक्ति भी जरूरी कर दी गई है। यह नियम पहले केवल बड़े स्कूलों के लिए था, लेकिन अब छोटे-बड़े सभी स्कूलों पर ये नियम लागू होगा। छोटे स्कूलों की मदद के लिए सीबीएसई ने “हब और स्पोक मॉडल” शुरू किया है, जिसमें बड़े स्कूल आसपास के छोटे स्कूलों को काउंसलिंग की सुविधा देंगे।

इन छात्रों के लिए शुरू होगा काउंसलिंग

करियर काउंसलर कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को सब्जेक्ट चुनने और आगे की पढ़ाई या करियर की योजना बनाने में मार्गदर्शन देंगे। सीबीएसई का यह फैसला छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य के लिए एक अहम कदम माना जा रहा है।

रॉबर्ट वाड्रा के केस में ईडी को फटकार

नई दिल्ली। ब्रिटेन के डिफेंस डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट के मामले में राउज ऐवेन्यू कोर्ट ने ईडी को ही झटका दे दिया है। कोर्ट ने मामले से संबंधित दस्तावेजों की सूची दाखिल न करने पर ईडी को फटकार लगाई है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की जान को खतरा, शिविर में लगे सीसीटीवी कैमरे

प्रयागराज। प्रयागराज माघ मेला में मौनी अमावस्या स्नान के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरा नंद सरस्वती और प्रशासन के बीच चल रही तनातनी बढ़ती ही जा रही है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मौनी अमावस्या के साथ ही बसंत पंचमी पर भी विरोध स्वरूप स्नान नहीं किया। वह एक हफ्ते से अपने शिविर में भी नहीं गए हैं।

अब उनके शिष्यों ने अविमुक्तेश्वरानंद की सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका जता दी है। शिविर प्रबंधन का आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से रात के अंधेरे में कुछ संदिग्ध और अपरिचित लोग शिविर के आसपास रेकी करते हुए देखे गए हैं। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र योगिराज सरकार ने जानकारी देते हुए बताया कि शंकराचार्य जी की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए शिविर के चारों ओर 10 हाई-डेफिनेशन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

यह हुआ था मौनी अमावस्या को

18 जनवरी को माघ मेले में मौनी अमावस्या पर अविमुक्तेश्वरानंद पालकी में स्नान करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोका और विरोध करने पर शिष्यों से मारपीट की। इससे नाराज अविमुक्तेश्वरा नंद शिविर के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरा नंद को 48 घंटे में दो नोटिस जारी किए। पहले में उनके शंकराचार्य की पदवी लिखने और दूसरे में मौनी अमावस्या को लेकर हुए बवाल पर सवाल पूछे गए।

भारत ने 26 जनवरी 1950 को अपने संविधान को अंगीकृत कर गणतंत्र का मार्ग चुना था। इन 77 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपार प्रगति की है। उसने लोकतंत्र को सुदृढ़ किया, सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में गिना जाता है। सदियों से चली आ रही लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, संविधान ने महिलाओं को समानता, गरिमा और सशक्तिकरण का आधार प्रदान किया है। वैश्विक परिदृश्य में आज जब दुनिया के अधिकांश छोटे-बड़े देशों में सत्ता व शासन प्रणाली को लेकर जन असंतोष व उथल-पुथल देखने को मिल रही है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारतीय गणतंत्र अपनी उत्कृष्ट संवैधानिक व्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर शान से परचम लहराता हुआ दिख रहा है। अपनी तमाम खूबियों के साथ इसकी प्रासंगिकता आज भी यथावत बनी हुई है। इसके बावजूद स्वस्थ गणतंत्र में राजनीतिक शुचिता से जुड़े सवाल भी खड़े होते हैं। इसके बावजूद कुछ तो ऐसा है कि जो आज भी हमारे लोकतंत्र को कायम रखे हुए है। इसमें गहरी मजबूती और अनगिनत ताकतें हैं। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

गणतंत्र में राजनीतिक शुचिता से जुड़े सवाल

विश्लेषण

मनीष कुमार चौधरी

स्वतंत्र पत्रकार

देश 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। गणतंत्र की सेहत पर कुछ गंभीर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। ऐसे समय में जब संवैधानिक ढांचे की नींव बनाने वाली संस्थाओं और विचारों का गहन आकलन हो रहा है, इस पर विचार करना जरूरी है कि 'हम, भारत के लोग', जिन्होंने भारत का पवित्र संविधान बनाया, अपनाया और खुद को दिया, अब इसे किस रूप में देखते-स्वीकारते हैं। ऐसे समय में जब राजनीतिक चर्चा रोजमर्रा की जिंदगी के हर पहलू में घुस गई है, सच्ची राजनीतिक लीडरशिप दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गई है।

जब देश 26 जनवरी, 2026 को एक और गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है, गणतंत्र की सेहत पर कुछ गंभीर विचार-विमर्श समय की जरूरत है। ऐसे समय में जब हमारे संवैधानिक ढांचे की नींव बनाने वाली संस्थाओं और विचारों का गहन आकलन हो रहा है, इस पर विचार करना जरूरी है कि 'हम, भारत के लोग', जिन्होंने भारत का पवित्र संविधान बनाया, अपनाया और खुद को दिया, अब इसे किस रूप में देखते-स्वीकारते हैं। ऐसे समय में जब राजनीतिक चर्चा रोजमर्रा की जिंदगी के लगभग हर पहलू में घुस गई है, सच्ची राजनीतिक लीडरशिप दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में सबसे दुर्लभ संसाधनों में से एक बन गई है। यह निजी हितों को साधने का माध्यम बन गई है, जबकि लीडर की सत्ता जनता के कंधों पर सवार होकर आती है। भूटान के पांचवें और वर्तमान राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने 2008 के राज्याभिषेक में शासन की नींव रखते हुए जो नैतिक घोषणा की, यदि उसे हर देश का शासक अपने जीवन में उतार ले तो किसी भी डूबते लोकतंत्र को संजीवनी मिल सकती है।

सुशासन की भावना पनपे

भूटान के राजा ने अपने नैतिक भाषण में कहा था- 'अपने पूरे शासनकाल में मैं आप पर राजा की तरह शासन नहीं करूंगा। मैं आपकी रक्षा एक माता-पिता की तरह, देखभाल एक भाई की तरह और सेवा एक बेटे की तरह करूंगा। मैं हमेशा दया, न्याय और समानता की भावना से दिन-रात आपकी सेवा करूंगा।' लेकिन इन बातों के उलट जैसे ही कोई भारतीय राजनीतिक परिदृश्य पर दृष्टिपात करता है तो यह सवाल उठता है कि कितने राजनीतिक नेता सच में ऐसे आदर्शों को मानते हैं? सिद्धांत रूप में ज्यादातर नेता इन मूल्यों के प्रति निष्ठा जताते हैं; व्यवहार में बहुत कम लोग ऐसा करते हैं। तर्क दिया जा सकता है कि हमारे जैसे विशाल और विविध देश के लिए क्या ऐसा संभव है? भूटान के राजा की बातों को एक सैद्धांतिक कल्पना बताकर खारिज भी किया जा सकता है। फिर भी, सच्चाई यह है कि सुशासन की भावना की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। सीमित संसाधनों वाले एक छोटे देश का सर्वोच्च नेतृत्व ऐसे आदर्शों में विश्वास कर सकता है और उसे फलीभूत करने का प्रयास कर सकता है तो हमारा देश दूरदर्शी नेतृत्व में क्यों पीछे रहे। खासकर तब हमारे देश में ज्यादा क्षमताएं, अवसर और रणनीतिक फायदे हैं?

बदल रही हैं प्राथमिकताएं

राजनीतिक दल- जो नागरिकों और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं- ने अब तक सिर्फ चुनाव जीतने को प्राथमिकता दी है, जनता के दुख-दर्द दूर करना उनकी प्राथमिकताओं से लोप होते जा रहे हैं। चूंकि विधायिका की गुणवत्ता एक स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए बड़ा सवाल यह है कि क्या पार्टियों में बेईमान उम्मीदवारों को टिकट देने से मना करने का साहस होगा, चाहे वे कितने भी चुने जाने योग्य क्यों न दिखें। वे इसके बजाय ऐसे लोगों को मैदान में उतारें जो ईमानदारी का प्रतीक हों और सार्वजनिक जीवन में नए दृष्टिकोण लाएं। हमें अपने भीतर भी झांकना होगा कि क्या हम आम नागरिक के रूप में एक बीमार चुनावी राजनीति में भी उतने ही शामिल हैं जितने राजनीतिक दल। यदि हम यथास्थिति को स्वीकार करने की हद तक गिर जाते हैं तो गणतंत्र को भी बिखरने से रोक नहीं पाएंगे। हर चुनाव में हम इसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि पार्टियां जीतती हैं, लेकिन लोग हारते हैं। जड़ें जमाए भ्रष्टाचार, राजनीति के अपराधीकरण के कई रूप, गहरी सामाजिक-आर्थिक समानताओं की डोर और मजबूत क्यों होती जाती है। ये सवाल जस के तस रह जाते हैं कि चुनावी घोषणापत्र कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं होते।

तुष्टीकरण की राजनीति

पार्टियों के लिए बड़े-बड़े वादे करना आसान होता है, बार-बार दोहराए जाने वाले वादे फिर-फिर दोहराने का क्रम क्यों जारी रहता है। कोई भी सरकार शासन संभाले, पुरानी बीमारियां फिर से सामने आ जाती हैं। सत्ता का दुरुपयोग, औसत दर्जे का प्रदर्शन, भाई-भतीजावाद और तुष्टीकरण अक्सर नए रूपों, डिजाइनों और रणनीतियों में फिर से पेश किया जाने लगता है। एक राजनीतिक विडंबना यह है कि वही पार्टी जब सत्ता में होती है तो लोकतंत्र को विजयी घोषित करती है; जब विपक्ष में होती है, तो इसे खतरे में बताती है। स्पष्ट है, नैतिक और अनैतिक के बीच की रेखा तेजी से धुंधली होती जा रही है। लोकलुभावनवाद की राजनीति को ही लें। यह सिर्फ वोट पाने के जरिए के रूप में क्यों इस्तेमाल की जाने लगी है। लंबे समय के विकास और वित्तीय स्थिरता की कीमत पर इसे क्यों नहीं अपनाया जाता? यह जानते हुए कि लोकलुभावन वादों की संस्कृति कार्य-संस्कृति को पंगु बनाती है। देश की जनता को बगैर कर्मठ बनाए बैठे-बिठाए बांटना एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कतई उपयुक्त नहीं है। यह नीति राज्यों की अर्थव्यवस्था को इस हद तक प्रभावित कर रही है कि विकास की योजनाएं धन के लिए तरसने लगी हैं। तात्कालिक लाभ के फेर में लगातार, बड़े पैमाने पर विकास को दांव पर लगाया जा रहा है। योग्य और ईमानदारी से अपना टैक्स चुकाने वाला खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। होते-होते वे इसे अधिकार मानने लगते हैं। कोई भी पार्टी इस सिंड्रोम से पूरी तरह से अछूती नहीं है। राजनीति के दो आम लक्षण राजनीतिक फंडिंग की अपारदर्शी प्रणालियां और भ्रम वाले अभियान जगह-जगह नजर आने लगे हैं। चुनावों में पैसे का प्रभाव अक्सर संदिग्ध वित्तीय ढांचों और गुप्त राजनीतिक गठजोड़ों में निहित होता है। उतना ही चिंताजनक एक भोला-भाला मतदाता वर्ग है, जिसे अक्सर राजनेता आधे-अधूरे सच, भावनात्मक अपीलों और झूठे वादों से धोखा देते हैं।

लोकतांत्रिक मूल्य बनाए रखें

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सदस्य होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि हम लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखें और उन्हें आगे बढ़ाएं। लोकतांत्रिक सुधार का काम सरकारों, राजनीतिक पार्टियों या सिस्टम पर छोड़ देते हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि राजनीतिक शुचिता में कमी के बावजूद कुछ तो ऐसा है कि जो आज भी हमारे लोकतंत्र को जिलाए है। इसमें गहरी मजबूती और अनगिनत ताकतें हैं, और यह अभी भी अपनी जगह वापस पा सकता है।

ऐसे दौर में जहां दुष्प्रचार हैरान करने वाली तेजी से सच्चाई को बिगाड़ सकते हैं, एक सशक्त राजनीतिक संस्कृति सिर्फ वांछनीय ही नहीं, जरूरी भी है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक शक्ति से हमें इतनी शक्ति तो मिलती ही है कि हम ऐसा कर सकें।

चुनौती के बावजूद हासिल की बड़ी उपलब्धियां

गणतंत्र

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

भारत देश में गणतंत्र दिवस केवल एक राष्ट्रीय उत्सव ही नहीं, बल्कि हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं, संविधान और राष्ट्रीय एकता का उत्सव भी है। भारत ने 26 जनवरी 1950 को अपने संविधान को अंगीकृत कर गणतंत्र का मार्ग चुना था। इन 77 वर्षों में भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अपार प्रगति की है। उसने लोकतंत्र को सुदृढ़ किया, सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ये 77 वर्ष केवल समय का मापदंड नहीं, बल्कि उस यात्रा का प्रतिबिंब है जिसमें भारत ने चुनौतियों का सामना करते हुए विकास की राह बनाई है। इस दौरान लोगों ने राजनीतिक बदलाव देखे, वहीं विकास की ओर अग्रसर योजनाएं और कार्यक्रम भी देखे। युद्ध से दो चार होना पड़ा तो अपनी परमाणु शक्ति में भी भारत ने इजाफा किया। मेट्रो ट्रेन से लेकर कम्प्यूटर तक भारतीय नागरिकों के जीवन का हिस्सा बने। इतना ही नहीं, भारत ने बैलगाड़ी से लेकर एयर इंडिया तक का सफर तय किया है। नए-नए आविष्कारों और तकनीकी विकास से भारत विश्व में अपनी एक अलग पहचान बनाने में सफल रहा है। आज भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप में है। यह अनायास नहीं है। दुनिया आज भारत की तरफ देख रही है। बीते 77 सालों में अपनी अंदरूनी समस्याओं, चुनौतियों के बीच देश ने ऐसा कुछ जरूर हासिल किया है, जिसकी तरफ दुनिया आकर्षित हो रही है। देश के पास गर्व करने के लिए उपलब्धियां हैं तो अफसोस जताने के लिए वजहें भी हैं। हमें आजादी तो मिल गई ,लेकिन वह आजादी आज किस रूप में है। हमारे पूर्वजों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राजनेताओं ने आजाद भारत का जो सपना देखा था, उनकी नजरों में आजादी के जो मायने थे, क्या उसके अनुरूप हम आगे बढ़े हैं। संविधान में एक आदर्श देश की जो परिकल्पना की गई है, उसे हम कितना साकार कर पाए हैं। नागरिक से समाज और समाज से देश बनता है। सवाल है कि एक देश और व्यक्ति के रूप में आज हम कहां खड़े हैं, इसका एक सिंहावलोकन करना जरूरी है। भारत जीवंत लोकतंत्र का एक जीता-जागता उदाहरण है। यहां की लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों की आस्था है।

चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है।

विरोधी विचारों का सम्मान लोकतंत्र को ताकत देता आया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में भारत ने एक परिपक्व देश के रूप में अपनी पहचान बनाई है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर अब तक सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मुद्दों पर गंभीर मतभेद रहे, लेकिन इन मतभेदों ने लोकतंत्र को कमजोर नहीं बल्कि उसे मजबूती दी है। लोग अपनी पसंद से सरकारें चुनते आए हैं। आम आदमी को सशक्त बनाने के लिए बीते दशकों में सरकारें जनकल्याणकारी नीतियां और योजनाएं लेकर आईं। योजनाओं का लाभ गरीबों एवं कमजोर वर्गों तक पहुंचाया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा जैसे कार्यक्रमों एवं योजनाओं ने आम आदमी को सशक्त बनाया है। इन महात्वाकांक्षी योजनाओं से विकास की गति तेज हुई। लेकिन इन विकास योजनाओं के बावजूद देश में गरीबी, पिछड़ापन दूर नहीं हुआ है। विकास से जुड़ी समस्याएं अभी भी मौजूद हैं। उदारीकरण के दौर के बाद भारत तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा है। आर्थिक, सैन्य और अंतरिक्ष क्षेत्र में इसने सफलता की बड़ी छलांग लगाई है। चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ी है। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। सैन्य क्षेत्र में भारत एक महाशक्ति बनकर उभरा है। परमाणु हथियारों से संपन्न भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने नए-नए कीर्तमान गढ़े हैं। आईटी सेक्टर में देश अग्रणी बना हुआ है। इन उपलब्धियों ने देश को सुपरपावर बनने के दरवाजे पर लाकर खड़ा कर दिया है। जाहिर है कि आज भारत के पास दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन इन सफलताओं एवं उपलब्धियों के बावजूद सामाजिक और नैतिक मूल्यों में ह्रास हुआ है। व्यक्ति से लेकर समाज, राजनीति सभी क्षेत्रों में मूल्यों का पतन देखने को मिला है। सत्ता, पावर, पैसा की चाह ने लोगों को भ्रष्ट और नैतिक रूप से कमजोर बनाया है। बेहतर समाज और राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। इसके लिए हम सभी को आगे आना होगा। तभी जाकर एक बेहतर भारत और 'न्यू इंडिया' के सपने को साकार किया जा सकेगा।

आधी आबादी को अब भी पर्याप्त अवसरों की दरकार

सशक्तिकरण

सुशील देव

वरिष्ठ पत्रकार

इस बात में कोई दो मत नहीं कि संविधान ने महिलाओं को ताकत दी, उन्हें सशक्त बनाया है। भारतीय संविधान, जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ, दुनिया के सबसे प्रगतिशील संविधान में से एक है। भारतीय संविधान को दुनिया के सबसे प्रगतिशील और समावेशी संविधानों में गिना जाता है। स्वतंत्रता के तुरंत बाद जब देश सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक असमानताओं से जूझ रहा था, तब संविधान निर्माताओं ने यह स्पष्ट समझ रखी कि लोकतंत्र तब तक अधूरा है, जब तक समाज की आधी आबादी-महिलाएं-समान अधिकारों और अवसरों से वंचित रहेंगी। सदियों से चली आ रही लैंगिक असमानता को दूर करने के उद्देश्य से, संविधान ने महिलाओं को समानता, गरिमा और सशक्तिकरण का आधार प्रदान किया है।

संविधान के मौलिक अधिकार : समानता का आधार

संविधान के भाग में वर्णित मौलिक अधिकार महिलाओं के सशक्तिकरण की नींव हैं। ये अधिकार सभी नागरिकों पर लागू होते हैं, लेकिन महिलाओं के संदर्भ में इन्होंने विशेष महत्त्व रखा है।

कानून के समक्ष समानता (अनुच्छेद 14): यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि राज्य किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं करेगा। महिलाओं के लिए यह मजबूती प्रदान करता है, क्योंकि यह लैंगिक आधार पर होने वाले किसी भी भेदभाव को असंवैधानिक घोषित करता है। उदाहरणस्वरूप, संपत्ति अधिकार या शिक्षा में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार मिलते हैं।

महिला आरक्षण विधेयक (2023) के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

भेदभाव का निषेध (अनुच्छेद 15): राज्य धर्म, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। अनुच्छेद 15(3) विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान बनाने की अनुमति देता है, जैसे महिलाओं के लिए आरक्षण या विशेष योजनाएं। इससे महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में विशेष सहायता मिली है।

मातृत्व राहत (अनुच्छेद 42): राज्य को महिलाओं के लिए मानवीय कार्य स्थितियां और मातृत्व राहत प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। इससे मातृत्व अवकाश, प्रसव सहायता और कार्यस्थल पर सुरक्षा जैसे कानून बने हैं, जैसे मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961।

शिक्षा और स्वास्थ्य (अनुच्छेद 45 और 47): ये प्रावधान महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं, जिससे योजनाएं जैसे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' और राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन संभव हुए हैं। ये सिद्धांत महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राज्य को प्रेरित करते हैं।

पंचायती राज और राजनीतिक सशक्तिकरण: आरक्षण की शक्ति

संविधान में 73वें और 74वें संशोधन (1992) के माध्यम से महिलाओं को स्थानीय स्तर पर राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की गई है। पंचायतों और नगर निकायों में 33 प्रतिशत आरक्षण ने ग्रामीण भारत में लाखों महिलाओं को पहली बार सत्ता और निर्णय प्रक्रिया से जोड़ा। यह एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई दिशा दी। हाल ही में, महिला आरक्षण विधेयक (2023) के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जो 2026 से लागू होने की संभावना है। लेकिन इन संवैधानिक प्रावधानों और कानूनों के बावजूद जमीनी सच्चाई कई सवाल खड़े करती है। आज भी देश में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर चिंताजनक रूप से कम है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के बावजूद उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सीमित है। कार्यस्थलों पर असमान वेतन, असुरक्षा और भेदभाव की शिकायतें आम हैं। वास्तविक सशक्तिकरण तभी संभव होगा जब कानून, प्रशासन और समाज-तीनों एक साथ आगे बढ़ें। संविधान ने रास्ता दिखाया है, अब जिम्मेदारी हमारी है कि उस रास्ते पर ईमानदारी से चला जाए, ताकि महिलाएं सिर्फ अधिकारों की धारक नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की बराबर की सहभागी बन सकें।

बाबा साहेब आंबेडकर की दूरदर्शी सोच का प्रतिबिंब

मिसाल

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

दृढ़ निश्चय कैसे जीत का संकल्प होता है, यह मिसाल हमारे देश के संविधान के रूप व प्रारूप में देखने मिलती है। देश ही नहीं, विश्व में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की गंभीरता को सम्मान दिया जाता है। इसका कारण है कि बाबा साहब द्वारा निर्मित भारतीय संविधान आधुनिक भारत की आधारशिला है, जो समानता, स्वतंत्रता और एकता के सिद्धांतों पर आधारित है। यह संविधान न केवल देश की एकता-अखंडता को बनाए रखता है, बल्कि सभी नागरिकों को मौलिक अधिकार, न्याय और अवसर की समानता की गारंटी देकर एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और कल्याणकारी राष्ट्र का निर्माण करता है। हमारे संविधान में जितनी रचनात्मक चीजें हैं, उतनी कहीं नहीं देखी जाती। इसमें आश्चर्य व खुशी की बात यह है कि भारत का संविधान 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा में प्रस्तुत किया और उसे अपनाया गया, जिसके बाद यह संविधान 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। आज 75 वर्षों बाद भी इसका महत्व उतना ही देखने को मिला, जितना उस समय था।

संविधान, उस कालखंड में जनसंख्या व उस समय की परिस्थिति के हिसाब से बनाया गया था, लेकिन बाबा साहब की सोच इतनी तीव्र थी कि उन्होंने खाका इस तरह से तैयार किया कि वह आज तक सकारात्मक रूप से अमल में लिया जा रहा है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि भारत जैसे देश के लिए इतना बड़ा कानूनी स्ट्रक्चर तैयार करना किसी चुनौती से कम नहीं था, चूंकि यहां प्रारंभिकता से सभी धर्मों का समावेश रहा है और मौलिक अधिकारों को लेकर हमेशा एक लडाई सी रही है। जानकारी दे दी जाए कि यह विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है, जिसे तैयार करने में 2 साल, 11 महीने और 18 दिन लगे थे जिसकी विश्व पटल पर आज भी प्रशंसा होती हैं। चूंकि आकस्मिक व विषम परिस्थितियों के बावजूद देश के संविधान को धैर्य, विश्वास व ठहरावट के साथ निर्मित किया गया था। बाबा साहब ने जिस समाज का सपना देखा था, वो समता, बंधुता और न्याय पर आधारित था। यूं तो बाबा साहब के

बाबा साहेब की सोच इतनी तीव्र थी कि उन्होंने खाका इस तरह से तैयार किया कि आज 75 वर्षों बाद भी इसका महत्व उतना ही देखने को मिला, जितना उस समय था।

बचपन से लेकर भारत और विलायत में उच्च शिक्षा हासिल करने तक उन्होंने कितना संघर्ष किया, कितना अपमान सहा इसकी जानकारी ज्यादातर लोगों को हैं लेकिन ये कम ही लोग जानते हैं कि वो जितने कामयाब राजनीतिज्ञ थे, उतने ही कामयाब वकील भी थे। उन्होंने कई देशों के संविधान की पढ़ाई करने में काफी समय व्यतीत किया। उस दौर के सबसे शिक्षित व समझदार वकील होने की वजह से उन्होंने संविधान में उन तकनीक कानून का प्रयोग किया, जिसमें किसी भी धर्म व जाति के लोगों में किसी भी कोई भी नकारात्मक नहीं देखी गई। वैसे तो किसी भी देश का संविधान देश के सर्वोच्च कानून के रूप में कार्य करता है जो समाज को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों और नियमों को निर्धारित करता है। यह सत्ता के दुरुपयोग को रोकता है, न्याय और समानता को बढ़ावा देता है और नागरिकों को निर्णय लेने में भाग लेने की अनुमति देता है। बीते कुछ वर्षों में कुछ राज्य सरकारों व नेताओं ने संविधान पर बहुत राजनीति की और देश में नकारात्मकता फैलाने की कोशिश की। आज राजनीति में संविधान को एक मुद्दे के रुप में भुनाने का काम किया जा रहा है। भारत में राजनीतिक दल अक्सर संविधान का हवाला देकर अपनी विचारधारा और एजेंडे को बढ़ावा देने लगे हैं, जिसे विभिन्न आलोचक राजनीतिक दांव-पेंच के रूप में देखते हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ही अक्सर संविधान की रक्षा या उसके उल्लंघन का आरोप लगाकर एक-दूसरे पर निशाना साधते हैं क्योंकि संविधान में राजनीतिक दलों का कोई सीधा उल्लेख नहीं है, लेकिन उनको यह समझना होगा कि उनके इस व्यवहार से हम आने वाली पीढ़ी के लिए गलत काम कर रहे हैं। जब हम ही संविधान की गरिमा को नहीं समझेंगे तो देश के युवाओं पर इसका क्या असर पडेगा, यह उनको समझना पड़ेगा।

अब इसके नकारात्मक पहलू देखने को मिलने भी लगे। हमारे संविधान में भी 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के वोट देने का अधिकार है इसलिए हर किसी युवा को अपनी सोच व उपज के आधार पर अपनी सरकार चुनने का हक है। हमें यह शपथ लेनी होगी कि कोई भी बाबा साहब के बनाए हुए संविधान की आलोचना व दुरुपयोग न करें। हम स्वतंत्र भारत के वासी हैं और यह संचालन प्रक्रिया को लेकर हम उस दिशा में लेकर जाएंगे जो सब के हित के लिए कार्य करे।

भारतीय संविधान की प्रासंगिकता आज भी बरकरार

विशेषता

योगेंद्र माथुर

स्वतंत्र पत्रकार

भारत का संविधान देश के लोकतंत्र का मूल आधार है। यह भारत की जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधि है। यह संविधान 26 जनवरी 1950 को देश में लागू किया गया और इसी दिन भारत को 'गणतंत्र' घोषित कर डॉ. राजेंद्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति नियुक्त किया गया। इस संविधान की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है।

वैश्विक परिदृश्य में आज जब दुनिया के अधिकांश छोटे-बड़े देशों में सत्ता व शासन प्रणाली को लेकर जन असंतोष व उथल-पुथल देखने को मिल रही है, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारतीय गणतंत्र अपनी उत्कृष्ट संवैधानिक व्यवस्था की मजबूत बुनियाद पर शान से परचम लहराता हुआ दिख रहा है। अपनी तमाम खूबियों के साथ इसकी प्रासंगिकता आज भी यथावत बनी हुई है।

संविधान निर्माण की प्रक्रिया: 15 अगस्त सन 1947 को स्वतंत्रता प्राप्ति सुनिश्चित होने के पश्चात भारत के कर्णधारों को एक ऐसे मार्गदर्शक विधान की आवश्यकता महसूस हुई जिसके प्रकाश में लोकतांत्रिक पद्धति से देश का सुचारू व निर्बाध रूप से संचालन होता रहे। अतः इसके निर्माण के लिए एक संविधान सभा का गठन किया गया। इसमें तमाम वर्गों व विचारधाराओं के बुद्धिजीवी सदस्यों को शामिल किया गया। केबिनेट मिशन योजना के प्रावधानों के अनुसार नवंबर 1946 में गठित संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसंबर 1946 को आहूत की गई।

इसकी अध्यक्षता डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने की थी। संविधान सभा द्वारा 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया। संविधान निर्माण के लिए विभिन्न समितियों यथा प्रक्रिया समिति, वार्ता समिति, संचालन समिति, कार्य समिति, संविधान समिति व झंडा समिति आदि बनाई गई। इनमें प्रमुख प्रारूप समिति का गठन 19 अगस्त 1947 को किया गया और डॉ. बी.आर. अंबेडकर को इसका अध्यक्ष बनाया गया। भारत के इस संविधान की प्रमुख विशेषता यह है कि लोकतंत्र के तीनों अंगों यथा विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका में टकराव न हो इसके लिए इनके अधिकारों, कर्तव्यों व सीमाओं का निर्धारण इस संविधान में स्पष्ट रूप से किया गया है। संविधान में यह व्यवस्था की गई है

आचार-व्यवहार व अनुशासित जीवन जीना हमारी प्रतिबद्धता होना चाहिए। संविधान द्वारा स्थापित आदर्शों और सिद्धांतों के प्रति समर्पण भाव रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

कि कोई लोकतंत्र का कोई भी अंग अपने अधिकारों, सीमाओं व मर्यादा का उल्लंघन न करें।

शक्तियों का बंटवारा : संविधान में संघ सूची, राज्य सूची व समवर्ती सूची के द्वारा केंद्र व राज्य की शक्तियों का स्पष्ट बंटवारा किया गया है। ऐसे विषय जो तीनों सूची में न हों अर्थात अवशिष्ट विषयों पर कानून बनाने की अनन्य शक्ति संसद को दी गई है। इसमें नागरिकों को स्वतंत्रतापूर्वक जीवन यापन करने के लिए मौलिक अधिकार दिए गए हैं तो नागरिक कर्तव्यों का भी समावेश किया गया है ताकि नागरिकों में देश के प्रति जिम्मेदारी और देशभक्ति की भावना स्थापित हो। हालांकि मूल संविधान में मौलिक कर्तव्य नहीं थे। ये 1976 के 42 वें संशोधन के तहत संविधान में शामिल किए गए हैं। संविधान में कुल 11 मौलिक कर्तव्यों का समावेश किया गया है। संविधान की प्रस्तावना या उद्देशियका के अनुरूप एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना के उद्देश्य से राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का प्रावधान भी संविधान में किया गया है। हालांकि इन्हें लागू करवाने के लिए कोई कानूनी या संवैधानिक दबाव नहीं है। भारत का संविधान काफी हद तक लचीला है। इसमें समय, परिस्थितियों व आवश्यकतानुसार संशोधन भी किए जा सकते हैं। संविधान में संशोधन की निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत संविधान में पहला संशोधन सन् 1951 में हुआ था। इस संशोधन में राज्यों के भूमि सुधार कानूनों को नवीं अनुसूची में रखकर न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र से बाहर कर दिया गया था। तब से अब तक संविधान में 100 से अधिक संशोधन किए जा चुके हैं, लेकिन संविधान का मूल स्वरूप यथावत बना हुआ है। हमें गर्व होना चाहिए कि हमारे पास एक ऐसा संविधान है, जिसमें दृढ़ता व लचीलेपन के बीच एक आदर्श संतुलन है। दुनिया के तेजी से बदलते आंतरिक व वैश्विक परिदृश्य में विघटनकारी, विभाजनकारी एवं विनाशकारी शक्तियों द्वारा खड़ी की जा रही चुनौतियों का सामना करने में कुछ ही देश सफल हो सके हैं। दूसरी ओर, भारत का संविधान देश के नागरिकों द्वारा अंगीकृत किए जाने के बाद से अब तक सतत गतिशीलता व प्रासंगिकता के साथ समृद्ध व सशक्त होता रहा है।

कहा जा सकता है कि संसदीय लोकतंत्रात्मक व्यवस्था के साथ भारत का संविधान दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान है। अतः संविधान के अनुसार आचार-व्यवहार व अनुशासित जीवन जीना हमारी प्रतिबद्धता होना चाहिए। संविधान द्वारा स्थापित आदर्शों व सिद्धांतों के प्रति समर्पण भाव रखना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

केंद्रीय बजट के लिए प्रदेश के व्यापारिक संगठनों ने भेजे केंद्र सरकार को सुझाव और मांगें

न इनकम टैक्स, न सस्ता-महंगा आम के लिए कुछ खास नहीं

व्यापारियों ने दिए सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय बजट एक फरवरी को पेश होगा। आम आदमी के लिए केंद्रीय बजट इस बार बड़ी जिज्ञासा नहीं जगा रहा। 12 लाख रुपए तक की आय करमुक्त किए जाने के बाद क्रेज कम हुआ है। वहीं हर तरह के लेनदेन पर जीएसटी लागू होने के बाद सस्ता और महंगे होने की संभावना और आशंका भी खत्म हो गई है। अब रेल बजट भी अलग से पेश नहीं किया जाता। उस वजह से ट्रेन मिली या नहीं, यह भी आमतौर पर बजट में नहीं होता। यही वजह है कि अब आम आदमी बजट की तरफ उम्मीदों से नहीं देखता। लेकिन व्यापारियों को बजट से बहुत उम्मीदें हैं। कैट, छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स, सराफा और मोबाइल संगठनों ने भी अपनी-अपनी मांगें रखीं हैं। कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर परवानी और प्रदेश के अध्यक्ष परमानंद जैन ने बताया, हमने कई तरह के सुझाव भेजे हैं। कैट के सुझाव में सबसे बड़ा सुझाव आम करदाताओं के लिए है। इसमें बताया गया है कि भले 12 लाख तक के कर पर छूट का प्रावधान है, लेकिन छोटे करदाताओं के पूंजीगत लाभ को अलग से कर योग्य मानने पर इनको आयकर अधिनियम की धारा 87 के अंतर्गत रिबेट का लाभ नहीं मिल पाता है।

पांच लाख से ज्यादा जीएसटी पर मिले विशेष सुविधाः राजेश वासवानी

छत्तीसगढ़ मोबाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश वासवानी ने सुझाव देते हुए कहा, जो दुकानदार 5 लख रुपए से ज्यादा जीएसटी के रूप में सरकार को टैक्स देते हैं, उन दुकानदारों के लिए मेडिकल, हवाई यात्रा और बच्चों की पढ़ाई पर अतिरिक्त लाभ देना चाहिए।

शार्टटर्म की कमाई भी हो आय में शामिलः पारवानी

इसको समझते हुए कैट के उपाध्यक्ष अमर पारवानी बताते हैं कि अगर शार्टटर्म से एक लाख की आय होती है तो इसको 12 लाख की आय में शामिल नहीं किया जाता है। ऐसे में इस एक लाख पर 12.5 फीसदी का टैक्स लग जाता है, जबकि 12 लाख की आय वाले को कोई टैक्स नहीं लगता है। इसी तरह से 24 लाख से ज्यादा की आय वाला करदाता पूंजीगत लाभ से अधिक फायदे में रहता है। ऐसे करदाताओं को रिबेट का लाभ मिलता है। छोटे करदाताओं को अलग-अलग मापदंड के कारण 72 हजार से 1.48 लाख तक का पूंजीगत लाभ कर देना पड़ता है।

पार्टनरशिप फर्मों पर टैक्स हो कमः थौरानी

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश थौरानी ने केंद्रीय बजट के लिए जो सुझाव भेजे हैं, उसमें अपने पत्र में लिखा है, देश भर के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एमएसएमई तथा व्यापार संगठन, आगामी केंद्रीय बजट 2026-27 के संदर्भ में लाखों छोटे व्यापारियों को प्रभावित करने वाली एक गंभीर नीतिगत विसंगति की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। पार्टनरशिप फर्मों पर लागू 30% की उच्चतम आयकर दर उन्हें कंपनियों और आय के कुछ विशेष स्रोतों की तुलना में अनुचित नुकसान की स्थिति में रखती है। वर्तमान आयकर व्यवस्था के तहत विभिन्न व्यावसायिक संस्थाओं पर लागू दरें पार्टनरशिप फर्मों के लिए एक स्पष्ट असंतुलन पैदा करती हैं। पत्र में बताया गया है घरेलू फर्म पर 25 फीसदी कर है, जबकि पार्टनरशिप फर्म पर 30 फीसदी कर है, यह तर्कसंगत नहीं है।

सोने और चांदी पर कस्टम ड्यूटी हो समाप्तः मालू

सराफा कारोबार को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को प्रेषित सुझाव में रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने कहा, सोने और चांदी पर कस्टम ड्यूटी जो वर्तमान में 6% है, उसे समाप्त किया जाए, इसमें आम उपभोक्ता को राहत मिलेगी। केंद्र सरकार ने पूरे देश में हाल मार्किंग जेवर का विक्रय अनिवार्य किया है किंतु हॉल मार्किंग सेंटरों की उपलब्धता कम है यदि हाल मार्किंग केंद्र खोलने में सब्सिडी दी जाती है तो पूरे देश में हॉलमार्किंग सेंटर प्रत्येक जिले में स्थापित होने की संभावना है।

सर्वदलीय बैठक 27 को, बजट सत्र 28 से

बजट सत्र से पहले सरकार ने सियासी सहमति बनाने की कवायद तेज कर दी है। संसद के आगामी बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले, 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में विधायी कार्यसूची और सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। सरकार का उद्देश्य सत्र को सुचारु रूप से चलाना और सभी दलों की राय जानना है। बजट सत्र की शुरुआत 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में अभिभाषण से होगी। इस बार केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा, जो रविवार है।
यह संसद के इतिहास में एक दुर्लभ अवसर माना जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार नौवां बजट पेश करेंगी। बजट सत्र 2 अप्रैल तक चलेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

दुर्ग में शुरू...

उपलब्धिभरा बताते हुए कहा कि राजधानी में वीर नारायण सिंह स्टेडियम में जिस तरह बीसीसीआई द्वारा अंतराष्ट्रीय क्रिकेट मैच आयोजित किए जा रहे हैं, उसी तरह हमारे दुर्ग के सुभाष स्टेडियम में अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए बीसीसीआई की मंजूरी मिल गई है। इसके लिए स्टेडियम का विकास हो रहा है। सिविक सेंटर स्थित उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, व्यवसायियों, समाजसेवियों आदि गणमान्य जनों से खचाखच भरे महात्मा गांधी कला मंदिर में आयोजित संवाद कार्यक्रम में डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने छत्तीसगढ़ सरकार के दो साल के कार्यकाल में सरकार के विकास, योजनाओं और विभिन्न क्षेत्रों की उपलब्धियों पर कैबिनेट मंत्री श्री यादव से प्रश्न पूछे। उन्होंने मंत्री से पूछा कि दुर्ग में आपके साथ क्या 4 विधायक ट्विनसिटी में कमिश्नरी लागू करने की आवाज को अपनी सरकार तक नहीं उठा पा रहे हैं, क्या इसकी जरुरत यहां नहीं है? इसके उत्तर में श्री यादव ने कहा कि कमिश्नर प्रणाली धीरे-धीरे अन्य जिलों में भी लागू की जाएगी। सरकार रायपुर में सफलता मिलने के बाद इस प्रणाली को दुर्ग में भी इसे लागू करेगी। इससे कानून व्यवस्था सुगम होगी व अपराधों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। दो साल में प्रदेश सरकार की राज्य के साथ अपने दुर्ग विधानसभा की उपलब्धि के सवाल पर उन्होंने कहा कि बीसीसीआई ने दुर्ग स्टेडियम को अंतराष्ट्रीय मैचों के लिए 33 साल के लिए लीज पर ले रहा है। इसका लाभ इस अंचल के खेलप्रेमियों को मिलेगा। प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के दो साल की उपलब्धि के प्रश्न पर मंत्री श्री यादव ने कहा कि दुर्ग में बेंगलुरु की तरह आईटी पार्क व खरखरा जलाशय से पाइप लाइन बिछाकर पेयजल योजना का प्रस्ताव है। इसके तहत राज्य सरकार ने पेयजल योजना के लिए खरखरा जलाशय से पाइप लाइन शिवनाथ तक बिछाने के लिए दुर्ग को 150 करोड़ और भिलाई नगर निगम को 2 सौ करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। इसका फायदा भिलाई-दुर्ग के लोगों को मिलेगा। मंत्री श्री यादव ने शिक्षा विभाग की चुनौती के सवाल पर बताया कि हमारी सरकार गुणवत्तायुक्त शिक्षा सिस्टम का प्रयास कर रही है। विभाग की चुनौती सरकारी स्कूलों का कमजोर हो जाना है। हमारी सरकार सरकारी स्कूलों के स्तर में सुधार कर प्राइवेट स्कूलों के बच्चों की इन स्कूलों में वापसी कराएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ में पहली बार 12000 शिक्षकों को प्रमोशन को प्रमोशन दिया है। 5 हजार पदों पर नियुक्ति देंगे। सीएम विष्णुदेव साय व पूर्व सीएम भूपेश बघेल में फर्क के प्रश्न पर मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के 5 साल के कार्यकाल को लोग 25 साल तक याद रखेंगे, जिस तरह अजीत जोगी के ढाई साल के कार्यकाल को देख लोग डॉ. रमन सिंह को 15 साल तक सत्ता पर बिठाए थे। कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों की वर्तमान राज्य सरकार को अफसर चला रहे हैं, के सवाल पर मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि हमारी सरकार में अफसरशाही नहीं है। साय सरकार को कांग्रेस की तरह अफसर नहीं, बल्कि नेता चला रहे हैं। अफसर नीति और नियम बताते हैं। आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, भिलाई मेयर नीरज पाल, रिसाली मेयर शशि सिन्हा, भिलाई-चरोदा मेयर निर्मल कोसरे, उद्योगपतियों और शिक्षाविदों में शंकराचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के चेयरमैन आईपी मिश्रा, अरविंदर खुराना, अजय भसीन, अनिल शर्मा, संजय बघेल सहित अन्य मौजूद थे। कार्यक्रम में कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसएसपी विजय अग्रवाल सहित अन्य भी मौजूद थे।

यूजीसी रेगुलेशन का...

अधिकार नहीं है। इस लिहाज से यह नियम संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 के तहत नागरिकों को मिले मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है कि वो यूजीसी रेगुलेशन, 2026 के रेगुलेशन 3(सी) को असंवैधानिक घोषित करे। इसके लागू करने पर रोक लगाई जाए. याचिकाकर्ता की मांग है कि 2026 के नियमों के अंतर्गत बने सभी शिकायत निवारण सिस्टम को जाति-निरपेक्ष तरीके से सभी जाति के व्यक्तियों के लिए उपलब्ध कराने का निर्देश दे।
ये गाइडलाइंस 15 जनवरी 2026 से देशभर के सभी कॉलेज, यूनिवर्सिटियों और उच्च शिक्षा संस्थानों में लागू हो गए। दरअसल इसके प्रावधान इतने सख्त हैं कि लाखों युवाओं को लग रहा है कि ऐसे कानून का सही इस्तेमाल कम होगा, वहीं बदला लेने के लिए इसे टूल बनाकर इस्तेमाल किया जाएगा। नए नियमों को लेकर शिक्षक वर्ग से लेकर हर वर्ग में आक्रोश देखने को मिल रहा है। संसद की शिक्षा, महिला, बाल और युवा संबंधी मामलों की संसदीय कमेटी ने यूजीसी के ड्राफ्ट रेगुलेशंस की समीक्षा करने के बाद इसे 8 दिसंबर 2025 को सरकार को सौंपा था। इस कमेटी ने यूजीसी को सिफारिशें दीं, जिसके आधार पर भेदभाव वाले नियम में ओबीसी को भी जाति आधारित डिस्क्रिमिनेशन में शामिल किया जाए।

समर्थक बोल रहे 'समावेशन की क्रांति!-
समर्थक इसे 'समता का आवश्यक कदम' बता रहे हैं। वे मानते हैं कि केंद्र ने जातिगत भेदभाव से निपटने के लिए बड़ा हस्तक्षेप किया है। नियम कॉलेजों और यूनिवर्सिटीज में जातिगत भेदभाव को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य रखते हैं। मध्यप्रदेश से भीम आर्मी लीडर सुनील अस्तेय कहते हैं, यूजीसी द्वारा जारी की गई नई गाइडलाइंस का उद्देश्य किसी भी वर्ग के खिलाफ़ जाना नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय परिसरों में समानता, पारदर्शिता और छात्र-सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

राजस्थान में एस-4 कमेटी का गठन-
राजस्थान में यूजीसी के इस कदम के खिलाफ एस-4 का गठन हुआ है। जिसमें ब्राह्मण, राजपूत, वैश्य और कायस्थ संगठन एक साथ आए हैं।काली सेना प्रमुख स्वामी आनंद स्वरूप ने बताया कि यूजीसी वाले मुद्दे सहित सवर्ण समाज के मुद्दों पर विचार करने के लिए समन्वय समिति का गठन किया गया है। जयपुर में करणी सेना, कायस्थ महासभा, ब्राह्मण संगठनों और वैश्य संगठनों के साथ मिलकर एक समन्वय समिति का गठन किया गया है। जिसका नाम सवर्ण समाज समन्वय समिति है, जो देश भर में काम करने वाले समस्त सवर्ण संगठनों (सामान्य श्रेणी) के बीच समन्वय बनाने के लिए कार्य करेगी।

-क्यों हो रहा...

कायस्थ महासभा और वैश्य संगठनों ने मिलकर विरोध के लिए 'सवर्ण समाज समन्वय समिति (एस-4)' का गठन किया है।

क्या है नया...

करना अनिवार्य होगा।
0 यूनिवर्सिटी स्तर पर एक समानता समिति गठित की जाएगी। इसमें ओबीसी, महिला, एससी, एसटी और दिव्यांग वर्ग के प्रतिनिधि होंगे।

हरिभूमि- आईएनएच का...

इंस्टीट्यूशन के डायरेक्टर आशीष सिंह, लाइफ केयर हॉस्पिटल के संचालक डॉ रामकृष्ण कश्यप, सृष्टि इंफाबिल्ट प्राइवेट लिमिटेड के संचालक राजेश देवांगन, मार्क हॉस्पिटल के संचालक डॉ. कमलेश मौर्य, श्री शिशु भवन के संचालक डॉ श्रीकांत गिरी, माखीजा टेस्ट
ट्यूब बेबी सेंटर के संचालक डॉ.ओम माखीजा, मुदडा हॉस्पिटल के संचालक
डॉ आशीष मुंदडा, प्रथम हॉस्पिटल के संचालक डॉ. रजनीश पांडे, डीडी तिवारी मेमोरियल हॉस्पिटल के संचालक डॉ. आशुतोष तिवारी, श्री विजय वंदना हॉस्पिटल के संचालक डॉ. विजय कुमार मौजूद रहेंगे।

छात्रावास से कूदकर...

एक छात्र ने शुक्रवार देर रात कथित रूप से चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के नॉलेज पार्क-3 में स्थित एक छात्रावास में बी-टेक द्वितीय वर्ष का छात्र उदित सोनी रहता था जो मूल रूप से झांसी का रहने वाला था। वह अपने मित्रों के साथ शराब पीकर देर रात छात्रावास में आया था। जिसके कारण छात्रावास प्रबंधन ने उसे फटकार लगाईऔर उसका वीडियो बनाकर उसके पिता विजय सोनी को भेज दिया।

पांच फ्लाइट के...

की सुबह की एक फ्लाइट का संचालन नहीं होगा। इधर गणतंत्र दिवस के मद्देनजर रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में सुरक्षा का अतिरिक्त इंतजाम किया गया है। यहां आने वाले यात्रियों के लगेज की कड़ी जांच की जा रही है। अतिरिक्त बल की तैनाती के साथ वहां फिलहाल विजिटर एंट्री बंद कर दी गई है।

ईयू के साथ...

बैठक में कई बड़े व्यापारिक समझौतों पर मुहर लग सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय नेताओं के बीच होने वाली इस शिखर वार्ता में सबसे बड़ा आकर्षण 'मुक्त व्यापार समझौता' है। सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय से अटके इस समझौते के पूरा होने की घोषणा इस बैठक में की जा सकती है। वैश्विक संकेत यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका में ट्रंप प्रशासन की आर्थिक और सुरक्षा नीतियों के कारण वैश्विक स्तर पर चिंताएं बढ़ी हुई हैं। ऐसे में दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र-भारत और यूरोपीय संघ-आपसी विश्वास और साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने हवाई अड्डे पर उर्सुला वॉन डेर लेन का स्वागत किया, जिसके बाद विदेश मंत्रालय ने इसे रणनीतिक साझेदारी का 'अगला चरण' बताया।

27 जनवरी को बड़ा धमाका-
00 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर होने वाले हैं
00 यह डील 2 अरब लोगों का एक विशाल बाजार खोलेगी, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग एक-चौथाई हिस्सा है
00 इससे भारतीय टेक्सटाइल, ज्वेलरी और आईटी सेक्टर को यूरोप में जबरदस्त पहुंच मिलेगी
00 दोनों पक्ष एक रणनीतिक रक्षा समझौते को अंतिम रूप देंगे।
00 भारतीय पेशेवरों के लिए यूरोप में काम करना और आना-जाना आसान बनाने के लिए एक 'मोबिलिटी फ्रेमवर्क' तैयार किया जाएगा।

दो बच्चे समेत...

इंद्रावती नदी में नाव पलटने से चार लोगों की डूबने से मौत हो गई थी। मौत के दूसरे दिन दो लोगों के शव बरामद कर लिया गया था, वहीं तीसरे दिन रात में तथा एक शव सुबह बरामद किया गया। कई घंटों से एसडीआरएफ की टीम लापता लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही थी। दुर्घटना का शिकार हुए नाव में छह लोग सवार थे, जिनमें दो को स्थानीय लोगों ने बचा लिया गया था। सभी ग्रामीण उसपरी साप्ताहिक बाजार में सामान लेने आए थे, जो माड़ क्षेत्र के नदीपार गांव बोड़गा रहने वाले हैं। घटनास्थल बोडगा गांव नदी से 6-7 किमी दूर है। घटना की जानकारी मिलते ही मोटरबोट के साथ एसडीआरएफ की टीम लागातार उसपरी के झिल्ली घाट में लापता लोगों की तलाश कर रही थी। शनिवार सुबह चौथा शव भी बरामद कर लिया गया। मृतकों में पोदी वेक्को (25), राकेश वेक्को (01), भादो वेक्को (50) तथा सुनीता कोवासी (12) शामिल है।

एक्सीडेंट में घायल...

तिवारी के अनुसार सारागांव के पास चटौद गांव के पास एक जंगली सूअर जंगल से भटक कर आ गया था। रोड पार करते समय जंगली सूअर ट्रक से टकराकर घायल हो गया। जंगली सूअर के घायल होने पर गांव के स्थानीय रहवासी बादल, सागर, कृष्णा, साहिल राजगोड़ तथा कौशल धीवर घायल उसे खींचकर ले गए और उसे मौत के घाट उतार दिया। जंगली सूअर को मारने वाले सभी बदमाशों को वन विभाग की टीम ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। बदमाशों को गिरफ्तार करने में खरोरा के डिप्टी रेंजर फेंकू राम वर्मा, फारेस्ट गार्ड भूपेंद्र जांगड़े तथा मनहरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शेड्यूल-2 का एनिमल -
जंगली सूअर शेड्यूल-2 का एनिमल है। इस वन्यजीव का शिकार करने पर तीन साल की सजा या एक लाख रुपए जुर्माने या फिर कोर्ट जुर्माना के साथ कैद की सजा सुना सकती है। वन विभाग की टीम घटना स्थल पर प्राप्त वीडियो को कोर्ट में साक्ष्य के रूप में पेश करने की बात कह रही है।

विदेश में छिपे 70...

आए। इसमें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के कामकाज के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई है। सीबीआई भारत में इंटरपोल के लिए नोडल एजेंसी-नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (एनसीबी) के रूप में काम करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की अवधि के दौरान, विदेशों में 74 अनुरोध पत्र भेजे गए, जिनमें से 54 सीबीआई मामलों से संबंधित थे जबकि 20 राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य केंद्रीय एजेंसियों से जुड़े थे।

Safeguarding Seas for a Viksit Samriddha Bharat

JOIN AS SHORT SERVICE COMMISSION OFFICERS FOR VARIOUS ENTRIES
COURSE COMMENCING - JAN 2027 (ST 27)

Online applications are invited from unmarried men & women candidates for Short Service Commission Course in Executive, Education and Technical Branches at Indian Naval Academy (INA), Ezhimala, Kerala.

Branch/Cadre	Vacancies*	Gender
Executive Branch {GS (X) / Hydro Cadre}	76 (including 06 Hydro)	Men and Women (maximum of 10 Vacancies in GS (X) and 01 Vacancy in Hydro for women)
Pilot	25	Men and Women (maximum of 03 vacancies for women)
Naval Air Operations Officer (Observers)	20	Men and Women (maximum of 03 vacancies for women)
Air Traffic Controller (ATC)	18	Men and Women
Logistics	10	Men and Women (maximum of 01 vacancy for women)
Education	15	Men and Women
Engineering Branch {General Service (GS)}	42	Men and Women (maximum of 07 vacancies for women)
Submarine Tech Engineering	08	Only for Men
Electrical Branch {General Service (GS)}	38	Men and Women (maximum of 07 vacancies for women)
Submarine Tech Electrical	08	Only for Men

*These vacancies are tentative and may be changed depending on availability of training slots.

DATE OF OPENING - 24 JAN 2026/ LAST DATE FOR ONLINE APPLICATION - 24 FEB 2026

For eligibility criteria and details visit www.joinindiannavy.gov.in
Employment News Dated 24th January 2025

Scan this QR Code to Apply Online

CBC 10701/13/0019/2526

haribhoomi.com

गणतंत्र दिवस विशेष

हरिभूमि रविवार भारती

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

रविवार 25 जनवरी 2026

भारतीय गणतंत्र के समक्ष
वर्तमान चुनौतियां और समाधान

गणतांत्रिक देश बनने के बाद बीते 76 वर्षों में आर्थिक, सामरिक और प्रौद्योगिकी जैसे कई क्षेत्रों में तो हमारे देश ने शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर समाज में विघटन भी नजर आता है। राजनीतिक दलों में आपसी मतभेद और द्वेष तो दिखता ही है। बात-बात पर संविधान को खतरे में बताया जाता है, जबकि ऐसा कहने वाले भी अक्सर संविधान का उल्लंघन करने से नहीं कतराते। देश के समक्ष उपस्थित इन तमाम चुनौतियों के पीछे कौन से कारण जिम्मेदार हैं? इनके समाधान के लिए किस स्तर पर कैसे प्रयास किए जाने की जरूरत है? इस बारे में अलग-अलग क्षेत्रों की नामचीन शख्सियतों ने साझा किए अपने विचार।

{ विचार }

जब सबके मन में सभी धर्मों के लिए आदर होगा तभी देश-समाज में शांति आएगी

प्रोफेसर अशोक चक्रधर, साहित्यकार

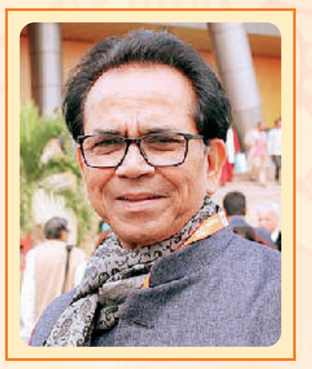

धर्म-जाति के नाम पर सामाजिक विघटन को लेकर मेरा मानना है कि यदि पूरी दुनिया का धर्म एक होता तो लोगों के बीच जाति, धर्म के नाम पर कड़वाहट का प्रश्न नहीं उठता। कोई किसी धर्म का विरोध न करता, पूरी मानवता का एक धर्म होता। धर्म ज्यों-ज्यों वैयक्तिकता की ओर बढ़ता है, त्यों-त्यों उसका स्वरूप खराब हो जाता है। जब समाज के हर व्यक्ति के मन में सभी धर्मों के लिए आदर होगा, तभी देश-समाज में शांति आएगी। यही समस्या भाषा को लेकर भी है। अपनी मातृभाषा सभी को अच्छी लगती है। ऐसे में देश की भाषा कौन-सी है? राजभाषा, राष्ट्रभाषा है या व्यवहार की भाषा है, उसमें भी लोगों को भ्रम है। दरअसल, भाषा का मुद्दा स्थानीयता से जुड़ा हुआ मामला है।

जहां तक राजनीति और राजनेताओं में द्वेष की समस्या का सवाल है तो यह केवल हमारे देश की चिंता नहीं है, अब यह एक वैश्विक चिंता बन चुकी है। अलग-अलग दल हैं, उनके अपने विधान हैं, विचारधाराएं हैं, अलग-अलग किस्म की लड़ाइयां हैं। ऐसे में जाति, धर्म, भाषा आदि उनके हथियार बन जाते हैं। सच तो यह है कि राजनीति का शुद्ध स्वरूप कभी रहा ही नहीं। हमारे यहां लोकतंत्र है, उसमें संख्या बल है। अब संख्या बल जुटाने के लिए येन-केन प्रकारेण यानी साम, दाम, दंड, भेद किसी भी तरह के प्रयास किए जाते हैं, क्योंकि सत्ता में आने के लिए जीतना जरूरी है। बेशक सभी दल देश की भलाई के लिए जीतना चाहते हैं, सब अच्छा करना चाहते हैं, देश का विकास करना चाहते हैं। लेकिन जब तक तिकड़म नहीं करेंगे तब तक संख्याबल कैसे मिलेगा? संख्याबल के लिए (सत्ता में आने के लिए) ही दलों में राजनीतिक द्वेष होता है। यह दुनिया में सब जगह है।

दुष्प्रचारित भले ही किया जाता है लेकिन हमारा संविधान खतरे में नहीं है। संविधान हम सबको आजादी देता है। अब सवाल यह है कि यह आजादी अपनी नाक बचाने की देता है तो क्या दूसरे की नाक तोड़ने की भी देता है? इसका जवाब है कि आपकी आजादी वहां समाप्त हो जाती है, जहां दूसरे की नाक आ जाती है। चाहे वह नाक फिजिकल, वैचारिक, अपने ईगो की नाक हो या अपने अस्तित्व की। आपको अपने हाथ मर्यादा में रखने होंगे, आपको इतना हाथ फैलाकर अंगड़ाई लेने का अधिकार भी नहीं है कि दूसरे की नाक टूट जाए। कुछ लोग कहेंगे कि अंजाने में टूट गई, क्षमा करें! सच्चाई यह है कि जितने भी अंजाने में नाक तोड़ने के प्रयत्न हैं, वे जान-बूझकर किए जा रहे हैं। आज लोगों को भ्रमित करने के सशक्त माध्यम मौजूद हैं, जो लोगों को विश्वसनीय लगते हैं। आप जिस दल पर विश्वास करेंगे, वही विश्वसनीय लगेगा। लेकिन कोई भी दल पूरी तरह विश्वसनीय नहीं है, वह रह ही नहीं सकता। यह उसकी मजबूरी है। ऐसे में हमें चाहिए ऐसा संविधान, जैसा मुक्तिबोध कहते हैं, 'समस्या एक-मेरे सभ्य नगरों और ग्रामों में सभी मानव सुखी, सुंदर व शोषणमुक्त कब होंगे?' इसलिए ऐसा संविधान बने, जो सबको सुखी, शोषणमुक्त और सुंदर बना दे। सुंदर आदमी तब होता है, जब वह अंदर से तृप्त हो, अभावग्रस्त न हो, बल्कि भावों से संपन्न हो। *

नैतिकता और देश प्रेम को शिक्षा का हिस्सा बनाना जरूरी है

राकेश सक्सेना, पूर्व न्यायाधीश, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय

आजादी के समय भारत का बंटवारा धर्म के आधार पर हुआ। उसके बाद संविधान में कुछ ऐसी बातें आईं कि बहुसंख्यक बैकफुट पर आता चला गया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में दस साल के लिए आरक्षण की बात कही, जो आज भी चल रहा है। हाल यह है कि अब न सुप्रीम कोर्ट कुछ कर सकता है न किसी भी राजनीतिक दल का कोई नेता, जबकि आरक्षण आर्थिक आधार पर होना चाहिए था। लोगों को धर्म और जाति के आधार पर बांटने से भले देश कमजोर होता हो लेकिन नेताओं को फर्क नहीं पड़ता। समाज को वसुधैव कुटुंबकम और मानवता की बात सिखाई जानी चाहिए। हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली के जो मूलभूत सिद्धांत थे (छात्रों को नैतिकता, राष्ट्रभक्ति, सहिष्णुता के संस्कार देना) वो आज की शिक्षा व्यवस्था में गौण हो चुके हैं। बस ज्यादा कमाने की होड़ है, ऐसे में नैतिकता, सामाजिक हित और देश प्रेम को शिक्षा का हिस्सा बनाना जरूरी है। शिक्षा ग्रासरूट पर काम करके नैतिकता व जीवन मूल्यों को सिखाने का सशक्त माध्यम है।

यह सही है कि गांधीजी का अपना सिद्धांत था। लेकिन देश को आजाद कराने में अहिंसात्मक आंदोलन और क्रांतिकारियों के द्वारा शक्ति प्रदर्शन दोनों की भूमिका रही। आजादी के बाद एक वर्ग के लोगों को सत्ता मिली, लेकिन वे लोग जिन्होंने देश को आजाद कराने में अपनी जान लगा दी। जैसे भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, बटुकेश्वर दत्त, चंद्रशेखर आजाद, सुभाषचंद्र बोस जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों को देश में वह मान-सम्मान नहीं मिला, जो मिलना चाहिए था। ये बातें देश के लोग जानते हैं इसलिए समाज में मतभेद है।

हालांकि देश में कुछ लोग सच में राष्ट्रहित चाहते हैं, राष्ट्रप्रेमी हैं। लेकिन यह बड़ी विडंबना है कि कुछ लोगों को देश के खिलाफ बोलने में ही एक वर्ग विशेष का समर्थन मिल रहा है। इससे राजनीतिक द्वेष बढ़ रहा है। अब यह द्वेष केवल देश का आंतरिक मामला नहीं रहा, इसे बाहर से भी बढ़ावा मिल रहा है, जो स्पष्ट दिखाई देता है। बाहर से नैरेटिव आते हैं और फिर कुछ लोग उस नैरेटिव के अनुसार देश के खिलाफ बोलने में खुद को बहुत एडवांस समझते हैं, देश की एकता और अखंडता के लिए यह बहुत खतरनाक स्थिति है।

मेरा मानना है कि संविधान में बदलाव की जरूरत है। कुछ संशोधन राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर किए जाने चाहिए। सबसे मुख्य बात यह है कि संविधान में यदि सभी को बोलने की आजादी दी गई है तो उसका दुरुपयोग नहीं किया जा सकता। आज संविधान में नागरिक कर्तव्यों को दरकिनार कर संविधान को एक शील्ड की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। कोई आजादी के नाम पर अभद्र भाषा व देशविरोधी धमकी तक दे देता है। उसके साथ कुछ नहीं होता जबकि ऐसे में राष्ट्रसुरक्षा से जुड़ा केस तक चलाया जा सकता है, यह कानून में है। लेकिन ऐसा नहीं होता। संविधान की आड़ में राष्ट्र विरोध में काम करने वालों को सपोर्ट मिल रहा है। चिंताजनक है कि वे लोग संविधान खतरे में है, ऐसा बोलकर अपनी स्वार्थ की रोटियां सेंक रहे हैं। *

शिक्षा-जागरूकता से ही खत्म हो सकता है धर्म-जाति भेद

ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

यह चिंताजनक बात है कि भारत में जो सामाजिक असमानताएं हैं, वो निरंतर प्रयास के बाद भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुईं। दरअसल, अधिकांश क्षेत्रीय हों या राष्ट्रीय दल, सभी में राजनीतिक स्वार्थ इतना गहरा है कि धर्म, जाति व क्षेत्रवादी राजनीति करते हैं। भाषा की राजनीति ने तो भारत की आत्मा को छलनी कर दिया है। युवा पीढ़ी इस राजनीति की इस कदर शिकार हो रही है कि वह अपनी पहचान तक के लिए लड़ रही है कि क्या मैं भारत का ही निवासी हूं? यह स्थिति पीड़ादायक है। इस भाषा की राजनीति को जल्द रोकना बहुत जरूरी है। इसके अलावा सोशल मीडिया के वो इंफ्लूएंसर, जो बिना तथ्यों को समझे गलत जानकारी, भ्रम, अफवाहें फैलाकर समाज में नकारात्मक और ध्रुवीकरण की भावना को फैला रहे हैं, वे भी हमारी गणतांत्रिक व्यवस्था के लिए बहुत बड़े बाधक हैं। इनके अलावा हमारी शिक्षा नीति में नैतिक व नागरिक मूल्यों की चर्चा बहुत कम है। ऐसे में विद्यार्थी रोजगार के लिए प्रोफेशनल रूप से तो तैयार हो रहे हैं लेकिन नैतिक आचरण के मूल भाव को नहीं सीख पाते। हमारी शिक्षा नैतिक मूल्यों, सहिष्णुता और वैज्ञानिक सोच को मजबूत करने वाली होनी चाहिए। विकास की योजनाएं ऐसी हों, जो असमानता को दूर कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे, तभी विघटन दूर होगा। हालांकि मुझे समाज में जाति भेद जल्दी खत्म होता नहीं दिख रहा है। इसमें अभी समय लगेगा और यह काम केवल शिक्षा व जागरूकता से ही संभव है। सत्ता ऐसा नशा है, जिसे व्यक्ति छोड़ना ही नहीं चाहता और इसे पाने के लिए साम, दाम, दंड, भेद जैसे सभी हथियारों का प्रयोग करता है। आज कुछ लोग इसके लिए राष्ट्रहितों की तिलांजलि देने तक से पीछे नहीं हटते हैं। संवाद की जगह आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति चल रही है। इस समस्या का समाधान यही है कि जो लोग पीढ़ी दर पीढ़ी सत्ता में आ रहे हैं, उनके बजाय पढ़े-लिखे नेता राजनीति में आएं। राजनीति के लिए भी एक न्यूनतम शिक्षा होना अनिवार्य है। जिस प्रकार बाकी क्षेत्रों में ओरिएंटेशन होता है, वैसे ही राजनीति में भी हो, ताकि उन्हें आभास हो सके कि जिस व्यवस्था में वे आए हैं, वहां उनसे क्या अपेक्षा है और क्या उनकी भूमिका होनी चाहिए? इसके साथ ही राजनीतिक समाजीकरण की भी बहुत आवश्यकता है। यह पाठ्यक्रम का हिस्सा होना चाहिए। इससे लोगों को पता चलेगा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के कौन-कौन से साधन हो सकते हैं। साथ ही ऐसी कौन-सी अवधारणाएं, विचारधाराएं हैं, जो व्यवस्था में कुठाराघात कर रही हैं?

संविधान खतरे में है, यह कहना हास्यास्पद है। जब कोई नेतृत्व में बैठा व्यक्ति यह कहता है तो एक बार वह स्वयं यह विश्लेषण भी कर ले कि संविधान में नागरिकों के अधिकारों के साथ कर्तव्यों की बात भी है। अगर संविधान खतरे में है तो इसका स्पष्ट तात्पर्य यह हुआ कि उसने अपने कर्तव्यों के निर्वहन में कमी रखी है, तभी संविधान खतरे में है। *

समाज बांटने वालों का जनता स्वयं तिरस्कार करे

प्रोफेसर जगमोहन सिंह राजपूत, पूर्व निदेशक-एनसीईआरटी

धर्म, जाति व भाषा के विवाद को मैंने लंबे समय से देखा है। यह देश में धीरे-धीरे राजनीति के कारण फैलाया गया। मैंने सभी शिक्षा नीतियों का अध्ययन किया है। सन 1974 से देश-विदेश की महत्वपूर्ण शिक्षा बैठकों का हिस्सा रहा हूं। आजादी के शुरुआती 3-4 दशकों में जो सरकारें बनीं, वे भाषा की समस्या का ऐसा समाधान नहीं निकाल पाईं, जिससे इन प्रवृत्तियों को रोका जाता। देश में अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक का जो कॉन्सेप्ट आया, वह लोगों को अलग करने और अविश्वास पैदा करने में भागीदार रहा। अब अगर आप गांव के स्कूल में कुछ बच्चों को साइकिल, कुछ को वजीफा देंगे और कुछ बच्चों को कुछ भी नहीं देंगे, तो उन मासूम छोटे बच्चों के अंदर कैसी भावना पैदा होगी? हमें इस बात की कोई आवश्यकता नहीं थी कि हम इस तरह का कोई भेदभाव बच्चों के बीच करते। सहायता दीजिए लेकिन उस तरीके से दीजिए कि एक वर्ग के लोगों को ऐसा न लगे कि मैं ही क्यों छूट गया? मैं जापान का उदाहरण अकसर देता हूं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद वह देश मनोबल और भौतिक स्तर पर टूट गया था। लेकिन उन्होंने अपने स्कूलों के अध्यापकों को तैयार किया और उन्होंने बच्चों को कहा कि अब तुम्हें देश बनाना है। जब तक आपके अध्यापकों को यह पता न चले कि मैं देश का निर्माता हूं, देश का भविष्य बना रहा हूं, तब तक यह अविश्वास बढ़ता रहेगा। यदि हम आजादी के बाद यह भेदभाव न करते तो यह स्थिति न होती। हमने संवेदनशीलता के साथ इस पक्ष का विवेचन नहीं किया। वास्तव में समाज के अलग-अलग वर्गों में बढ़ती दूरी जैसी समस्याएं, आज पैदा नहीं हुई हैं, इनका इतिहास है। जब आपको पिछला पता नहीं होगा, तो आप एक तरफा ही देख सकेंगे। पहले वे लोग, जिन्होंने देश को धर्म और जाति में बांटा, वे जिम्मेदार हैं और आज जो बांट रहे हैं, वे भी जिम्मेदार हैं।

मेरा मानना है कि बच्चों और युवाओं को यह बताना चाहिए कि दुनिया की सभी समस्याओं के पीछे कहीं न कहीं धर्म आ ही जाता है और दुनिया की सारी समस्याओं का समाधान भी धर्म ही है। समाधान यह है कि हर नागरिक के मन में यह भाव पले कि मेरे लिए मेरा धर्म सबसे अच्छा और आपके लिए आपका। इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। जब छोटे बच्चों को हम यह सिखाएंगे कि आपके बगल में बैठे बच्चे का धर्म भी उतना ही महान है, जितना आपका तो उसके मन में सभी धर्मों को लेकर सम्मान रहेगा। यही एक तरीका है, जो सामाजिक विघटन को रोक सकता है। इसके साथ यह भी जरूरी है कि जो नेता किसी भी आधार पर समाज को बांटने की कोशिश करे, जनता स्वयं उसका तिरस्कार करे। आज का एक बड़ा विरोधाभास यह है कि जो संविधान की मर्यादाओं को स्वयं नहीं मानते, वही कहते हैं कि संविधान खतरे में है। संविधान खतरे में है, ऐसा भ्रम फैलाने वालों को जनता अच्छी तरह जानती-समझती है। इसलिए वही ऐसे लोगों को सबक सिखा सकती है। *

प्रस्तुतिः रेनू खंतवाल

{ गीत }

प्रो. शरद नारायण खरे

शूरवीर भारत की सेना

जिसने हर मुश्किल में भी कर डाला शत्रु-दमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।
नहीं जान की कोई फिक्र की, बस सीमा देखी।
निज गृह की परवाह नहीं की, बस हिम्मत देखी।।
भारत की सेना देख करें घुसपैठी त्वरित गमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
आशाओं के दीप जलाकर, हमको राहत नित दी।
सर्दी, गर्मी, बारिश में भी, हमको हिम्मत नित दी।।
हे सेना! भारत की अनुपम, तुमने किया चमन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
अंधकार में प्रखर रोशनी, रहते सीना ताने।
सचमुच में हम विश्वविजेता, भले न कोई माने।।
भारत की सेना का अर्पित हरदम तन और मन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
तीज और त्योहार सभी ही सीमा पर हैं मनते।
अगर पड़ोसी आंख दिखाए, पलट प्रहार फिर सहते।।
सदा तिरंगा हाथों में, अधरों पर जन-गण-मन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।
ईद, दिवाली, होली तुमसे, ओ' भारत की सेना।
तुमने तो सीखा है हरदम, केवल सेवा देना।।
वजह तुम्हीं हो, जिसके कारण महक रहा गुलशन।
शूरवीर भारत की सेना, करते सभी नमन।।

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

अब सेल्फ सर्विस ही देश सेवा

आज के दौर में देश सेवा के नाम पर अधिकांश अंतरी से लेकर संतरी तक सेल्फ सर्विस करने की ही जुगाड़ में लगे रहते हैं। यही वजह है कि वास्तव में देश सेवा करने वाले लोग खुद को बेबस और असमंजस में महसूस करते हैं। ऐसे ही टेंशनियाए हुए भाई जी की दास्तान।

भाई जी को देश की चिंता है। वह अपना दुःखड़ा किसे सुनाएं? समाज व्यक्तिवादी होता जा रहा है। नई जनरेशन अपने में मगन है। पुरानी का आचरण अनुकरणीय नहीं रहा। देश की राजनीति लाफ्टर शो हो चुकी है और मीडिया सनसनीखेज न्यूज परोसने में व्यस्त है।

भाई जी का कहना है, यहां हर कोई मनमानी कर रहा है। अंतरी से संतरी तक इसे लूटने में लगे हैं। पगले की भैंस ब्याई है, सब बाल्टी लेकर दौड़ रहे हैं। लोगों के हाथ लंबे और जेबें चौड़ी हो चुकी हैं। अब कोई 'अंडरलैंड डीलिंग' नहीं होती। खुला खेल फरक्खाबादी है।

भाई जी को टेंशनित पाकर मैंने उन्हें सुझाव थमाया, 'आप स्वयं की एक संस्था बना लीजिए, चंद बचे-खुचे समर्पित लोगों को जोड़िए, देश के लिए सार्थक काम कीजिए। तमाम लोग यही कर रहे हैं। जिनके पास खुद के एनजीओज हैं, वे मौज में हैं। उग-पनप रहे हैं। आप भी सरकारी एड हथियाइए और फलिए-फूलिए। इन दिनों स्वयंसेवा ही देश-सेवा है। भुक्खड़ रहनुमा हो गए हैं। 'भूखे भजन न होहिं गोपाला, इस नाते वे अपना पेट भर रहे हैं। पहले स्वयं खा-पीकर मुटा लें, इस लायक तो हो लें कि चल-फिर सकें, तब करेंगे कुछ काम। यों भी कड़ी मेहनत का काम है देश-सेवा। इसके लिए पर्याप्त एनर्जी की आवश्यकता होती है। लोग वैकल्पिक ऊर्जा प्राप्त कर रहे हैं। प्राकृतिक और भौतिक रिसोर्सेज को दुह रहे हैं। ऊर्जा की मलाई चांपते इन जनसेवकों को आप भी अपना आइडियल बनाइए।'

भाई जी की फिक्रमंद खोपड़ी में मेरी यह एडवाइस लगभग-लगभग घुसी। वह कहने लगे, 'मैंने एक बार एक संस्था बनाई थी। चंदा-वंदा भी कलेक्ट किया था। सरकारी अनुदान की जुगत भी भिड़ाई थी। सारा गुड़-गोबर हो गया। चंदे में चींटे लग गए। इसका एक बड़ा हिस्सा सरकारी अनुदान प्राप्त करने में खप गया। भैये, यह संस्था वाला धंधा अपने बूते का नहीं है। कुछ नया करना होगा।'

भाई जी की चिंता कैसे सॉल्व हो, अब यह देश की चिंता का विषय है। प्रॉब्लम यह है कि भाई जी को खुला खेल पसंद नहीं है। *

{ लघुकथा / विनय कुमार पाठक }

बेबसी

काफी देर से बिंदी प्रसव पीड़ा से छटपटा रही थी। गांव में पक्की सड़क थी नहीं। शहर को जाने वाली मुख्य सड़क ढाई किलोमीटर दूर थी। बिंदी का पति मंगरू घबरा रहा था। क्या उपाय किया जाए, उसकी समझ में नहीं आ रहा था। फिर गांव के लोगों ने आनन-फानन में बहंगी बनाई और बिंदी को लेकर किसी तरह पक्की सड़क तक पहुंचे। ढाई किलोमीटर की दूरी तय करने में काफी समय लग गया। इस बीच बिंदी दर्द से कराहती रही। सड़क तक पहुंचने के बाद किसी तरह एक वाहन की व्यवस्था कर उसे नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार कर उसे सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। यह सब करने में काफी देर हो गई। सदर अस्पताल पहुंचते-पहुंचते अधिक रक्तस्राव होने के कारण बिंदी और उसके गर्भ में पल रहे अजन्मे बच्चे की सांसें थम गईं। मंगरू बदहवास-बेबस सा अपनी पत्नी के शव के बगल में सिर थाम कर बैठ गया। उसका मुख एकदम से मलिन हो गया था। वहीं बगल की दीवार पर एक पोस्टर चिपका था, जिस पर लिखा था, 'आपका स्वास्थ्य, हमारी जिम्मेवारी।' पोस्टर पर ही राज्य के मुख्य मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के मुस्कुराते चेहरे ऐसे प्रतीत हो रहे थे, जैसे मंगरू की बेबसी पर मुस्कुरा रहे हों। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

रोशनी की शिनाख्त

वर्तमान हिंदी साहित्य के परिदृश्य में शीर्षस्थ व्यंग्यकारों में ज्ञान चतुर्वेदी भी प्रतिष्ठित हैं। उनकी व्यंग्यात्मक दृष्टि इतनी गहरी और पैनी है कि अपने आस-पास के समाज में पैबस्त सूक्ष्म से सूक्ष्म विद्रूप की भी वे शिनाख्त करके हमारे सामने ले आते हैं। उनके ऐसे ही कुछ धारदार व्यंग्यों का संकलन 'रोशनी की शिनाख्त' हाल में छपकर आया है। हिंदुस्तान में हिंदी और हिंदी दिवस की दुर्दशा पर करारा कटाक्ष 'साहब और हिंदी' में किया गया है। 'दरअसल आज हिंदी डे है। आज से सरकारी दफ्तरों में हिंदी सेलिब्रेशन पखवाड़ा शुरू होगा।' वर्तमान स्वतंत्र-गणतंत्र भारतवर्ष में गांधीजी कितने प्रासंगिक हैं, इसे समझने के लिए 'गांधी जी की गवाही' व्यंग्य को पढ़ा जा सकता है। इसकी ये पंक्तियां देखने योग्य हैं, 'गांधी जी को मरा बोलते शर्म नहीं आती? वे जिंदा हैं और रहेंगे। अपने पर्स में झांक कर देख। गांधी जी हैं कि नहीं?' देश की नसों में समायी भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति को लेखक ने पूरी निर्ममता से 'घोटालों का गणित' में उजागर किया है। एक सवाल में ही इसकी बानगी देखी जा सकती है, 'यदि कोई मंत्री खनिज खोदने और रेत बिकवाने से हजार करोड़ बनाने की ठान ले तो सारा प्रदेश खोद डालने में उसे कितने साल लगेंगे?'

पुस्तकः रोशनी की शिनाख्त, लेखकः ज्ञान चतुर्वेदी, मूल्यः 350 रुपए, प्रकाशकः राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इस पुस्तक से गुजरते हुए स्पष्ट तौर पर कह सकते हैं कि इन व्यंग्यों के कटाक्षों से उत्पन्न होने वाली रोशनी इतनी तेजमय है, जिनसे हमारे देश-समाज की राजनीति, शासन-प्रशासन और तंत्र के अंधेरे-कोनों में भी ढंकी-तुपी विडंबनाओं और विसंगतियों की शिनाख्त आसानी से की जा सकती है। *

छोटी रकम, पर बड़ी सोच रखें, तैयार कर सकते हैं 25 लाख तक का फंड

सुझाव | **बिजनेस डेस्क**

मिडिल क्लास की सबसे बड़ी चिंता भविष्य की सुरक्षा होती है। सैलरी आती है, खर्च निकल जाता है और बचत हाथ से फिसल जाती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि रोज की छोटी आदतें आपकी जिंदगी का बड़ा सहारा बन सकती हैं? एक ऐसा तरीका है, जो बिना भारी बोझ के मजबूत फंड बनाने की राह खोलता है। आज के समय में सिर्फ अच्छी नौकरी या ठीक-ठाक कमाई होना ही काफी नहीं है। जितनी तेजी से महंगाई बढ़ रही है, उसी तेजी से पैसे को बढ़ाना भी जरूरी हो गया है। मिडिल क्लास परिवारों के लिए यह चुनौती और भी बड़ी हो जाती है, क्योंकि आमदनी सीमित होती है और जिम्मेदारियां ज्यादा। ऐसे में ज्यादातर लोग सोचते हैं कि बड़ा फंड बनाना उनके बस की बात नहीं है, लेकिन सच्चाई यह है कि सही आदत और सही प्लानिंग से छोटी बचत भी बड़ा कमाल कर सकती है। अगर आप भी सोच रहे हैं कि ज्यादा निवेश के बिना बड़ा फंड कैसे बने, तो जवाब आपकी रोज की छोटी बचत में छिपा है।

हमेशा बड़ी सोच रखो

अक्सर हम यह मान लेते हैं कि निवेश तभी संभव है जब जेब में ढेर सारा पैसा हो। इसी सोच की वजह से लोग निवेश को टालते रहते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि बड़ा फंड एक दिन में नहीं बनता, बल्कि रोज के छोटे फैसलों से तैयार होता है। रोज 200 रुपये बचाना कोई भारी बोझ नहीं है। यह रकम हम अक्सर अनजाने में चाय, सिगरेट, फास्ट फूड या ऑनलाइन ऑर्डर में खर्च कर देते हैं। अगर यही 200 रुपये रोज बचाकर भविष्य के लिए लगा दिए जाएं, तो यही छोटी आदत कुछ सालों में आर्थिक आजादी की तरफ ले जा सकती है।

निवेश पहले से कहीं ज्यादा आसान

आज के दौर में निवेश पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है. म्यूचुअल फंड एसआईपी ने आम आदमी को भी निवेश की ताकत दे दी है. अब निवेश के लिए बड़े चेक या लंबी प्रक्रिया की जरूरत नहीं. आप हर दिन 200 रुपए भी जमा करते हैं तो महीने में 6000 रुपए म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इसका फायदा यह है कि आपको निवेश का दबाव महसूस नहीं होता। पैसे धीरे-धीरे कटते रहते हैं और आपको पता भी नहीं चलता कि कब एक अच्छा-खासा फंड तैयार हो गया.

रोज 200 रुपये से 25 लाख कैसे

अब सवाल आता है कि आखिर रोज की इतनी छोटी बचत से 25 लाख रुपये कैसे बन सकते हैं. अगर आप रोज 200 रुपये निवेश करते हैं, तो महीने में लगभग 6,000 रुपये और साल में करीब 72,000 रुपये का निवेश हो जाता है। अगर आप यह निवेश लगातार 14 साल तक करते हैं और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो आपकी कुल जमा रकम करीब 10 लाख रुपये होगी, लेकिन कंपाउंडिंग की वजह से आपके पैसे पर पैसा बनता रहेगा और रिटर्न के रूप में लगभग 15–16 लाख रुपये जुड़ सकते हैं। इस तरह अंत में आपका फंड करीब 25 लाख रुपये तक पहुंच सकता है।

मिडिल क्लास के लिए कितनी फायदेमंद

एसआईपी मिडिल क्लास परिवारों के लिए इसलिए खास है क्योंकि यह उनकी जीवनशैली में आसानी से फिट हो जाती है। लंबी अवधि के लिए निवेश करने से बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम हो जाता है। जब बाजार ऊपर होता है, तो कम यूनिट मिलती हैं और जब बाजार नीचे होता है, तो ज्यादा यूनिट मिल जाती हैं।

निवेश को समय देना है जरूरी

यह समझना बहुत जरूरी है कि म्यूचुअल फंड कोई रातों रात अमीर बनने की स्कीम नहीं है। इसमें समय देना पड़ता है. बीच में बाजार गिर सकता है, लेकिन अगर आप घबराकर निवेश बंद नहीं करते और धैर्य बनाए रखते हैं, तो लंबे समय में इसका फायदा जरूर मिलता है। जैसे-जैसे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- चांदी की कीमत इस समय करीब 3,48,647 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई।
- पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 20,400 बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

लगातार कुलांचे भर रही है चांदी की कीमतें, आगे क्या रहेगा चांदी का रुख, क्या इसमें निवेश करना सही

चांदी भर रही निवेशकों की झोली, संभलकर करें निवेश

चांदी के भाव में गिरावट को लंबी अवधि के पोर्टफोलियो के लिए खरीदारी का मौका समझना चाहिए। केंद्रीय बैंकों द्वारा चांदी की खरीद, मौद्रिक नीति में नरमी और चांदी की बढ़ती औद्योगिक मांग जैसे कारणों से सोना और चांदी निवेशकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गए हैं। वहीं, टाटा म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार, हाल के महीनों में रिकॉर्ड उछाल के बाद चांदी में अभी भी काफी उतार-चढ़ाव के साथ मजबूती बनी रह सकती है। इसकी वजह मजबूत मांग का अनुमान और सप्लाई में कमी या स्टॉक की कमी है, जो मौजूदा ट्रेंड को बढ़ावा दे रहे हैं।

पिछले कुछ समय से चांदी निवेशकों की पहली पसंद बनती जा रही है। जिस रफ्तार से चांदी की कीमतें बढ़ रही हैं, उसने न सिर्फ बाजार को चौंकाया है, बल्कि निवेशकों के मन में यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या यह तेजी टिकाऊ है या फिर जल्द ही इसमें मुनाफावसूली का दौर शुरू होगा। हालिया आंकड़े बताते हैं कि चांदी ने बेहद कम समय में जबरदस्त उछाल दर्ज किया है, लेकिन हर तेजी के साथ जोखिम भी बढ़ता है। ऐसे में चांदी में निवेश से पहले ठहरकर सोचने की जरूरत है। बीते कारोबारी सत्रों पर नजर डालें तो चांदी की कीमतें थोड़े से उतार चढ़ाव के बाद लगातार कुलाचे भरती दिखाई देती हैं। ताजा भाव के मुताबिक चांदी लगभग 3,48,647 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) के स्तर पर पहुंच गई है। यानी महज तीन से चार कारोबारी दिनों में ही चांदी की कीमतों में 35 हजार रुपये से ज्यादा की उछाल देखने को मिला है। यह तेजी सामान्य नहीं कही जा सकती और इसी वजह से बाजार में चांदी को लेकर उत्साह के साथ-साथ सतर्कता भी बढ़ गई है।

चांदी में क्यों आई है इतनी तेज़ी

चांदी की मौजूदा तेजी के पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता है। दुनिया के कई हिस्सों में मंदी की आशंका, भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की चाल ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर मोड़ा है। पारंपरिक रूप से सोने के साथ-साथ चांदी भी सुरक्षित निवेश मानी जाती है, लेकिन चांदी की एक खासियत यह है कि इसका औद्योगिक उपयोग भी बड़े पैमाने पर होता है। इलेक्ट्रिक व्हीकल, सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योग में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। ग्रीन एनर्जी और क्लीन टेक्नोलॉजी पर वैश्विक फोकस ने चांदी की औद्योगिक मांग को और मजबूत किया है। जब निवेश और उद्योग दोनों तरफ से मांग बढ़ती है, तो कीमतों में तेजी आना स्वाभाविक है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सप्लाई की सीमाएं भी चांदी की कीमतों को सहारा दे रही हैं। खनन लागत बढ़ना, नई खदानों की कमी और उत्पादन में सुस्ती ने सप्लाई-साइड दबाव पैदा किया है। इसका असर भारतीय बाजार में भी साफ दिखाई दे रहा है।

निवेशकों को क्यों हो रहा है बड़ा फायदा

चांदी की तेजी ने खासतौर पर उन निवेशकों को मालामाल किया है जिन्होंने इसमें समय रहते निवेश किया था। बीते एक साल में चांदी आधारित ईटीएफ ने असाधारण रिटर्न दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, एक साल में सिल्वर ईटीएफ ने 200% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। खासतौर पर यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने पिछले एक साल में करीब 206% का रिटर्न देकर निवेशकों को चौंका दिया है। ईटीएफ के जरिए निवेश करने वालों को न सिर्फ कीमतों में तेजी का फायदा मिला, बल्कि उन्हें भौतिक चांदी रखने की झंझट से भी मुक्ति मिली। यही वजह है कि हाल के महीनों में सिल्वर ईटीएफ में निवेश तेजी से बढ़ा है। छोटे निवेशकों से लेकर बड़े संस्थागत निवेशक तक, सभी की दिलचस्पी चांदी में बढ़ी है।

क्या आगे भी जारी रहेगी चांदी की तेजी

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या चांदी की यह रैली आगे भी जारी रहेगी या अब इसमें ब्रेक लगेगा। विशेषज्ञों की मानें तो लंबी अवधि में चांदी के फंडामेंटल मजबूत बने हुए हैं। औद्योगिक मांग, ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन और वैश्विक अनिश्चितता जैसे कारक चांदी को सपोर्ट कर सकते हैं। हालांकि, अल्पकाल में इतनी तेज तेजी के बाद करेक्शन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जिस तरह से पिछले तीन दिनों में ही 35 हजार रुपये से ज्यादा का उछाल आया है, उससे साफ है कि बाजार कुछ हद तक ओवरबॉट जोन में पहुंच सकता है। अगर वैश्विक संकेत बदले, डॉलर मजबूत हुआ या मुनाफावसूली शुरू हुई, तो

निवेश से पहले किन बातों का रखें ध्यान

चांदी में निवेश करते समय सिर्फ रिटर्न देखकर फैसला करना समझदारी नहीं होगी। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि चांदी सोने की तुलना में कहीं ज्यादा अस्थिर (वोलेटाइल) होती है। इसमें तेजी जितनी तेज होती है, गिरावट भी उतनी ही तीखी हो सकती है। अगर आप नए निवेशक हैं, तो एकमुश्त बड़ी रकम लगाने से बचें। चरणबद्ध तरीके से निवेश करना बेहतर रहेगा। लॉन्ग टर्म निवेशक के तौर पर चांदी को पोर्टफोलियो में एक सीमित हिस्से के रूप में ही रखें। विशेषज्ञ आमतौर पर कुल निवेश का 5–10% से ज्यादा हिस्सा चांदी या अन्य कमोडिटी में न लगाने की सलाह देते हैं। इसके अलावा, निवेश का माध्यम भी सोच-समझकर चुनें। भौतिक चांदी, सिल्वर ईटीएफ, फ्यूचर्स या डिजिटल सिल्वर—हर विकल्प के अपने फायदे और जोखिम हैं।

मुनाफा है, लेकिन सावधानी ज़रूरी

इसमें कोई शक नहीं कि मौजूदा दौर में चांदी ने निवेशकों की झोली भर दी है। कीमतों की तेज रफ्तार और ईटीएफ के शानदार रिटर्न ने इसे चर्चा के केंद्र में ला दिया है। लेकिन बाजार का इतिहास गवाह है कि हर तेज रैली के बाद ठहराव या गिरावट भी आती है। इसलिए चांदी में निवेश करते समय उत्साह के साथ विवेक भी जरूरी है। लंबी अवधि के नजरिये से, सीमित हिस्सेदारी और सही रणनीति के साथ किया गया निवेश फायदेमंद हो सकता है। लेकिन जल्द अमीर बनने की उम्मीद में बिना जोखिम समझे किया गया निवेश भारी नुकसान भी करा सकता है। चांदी चमक जरूर रही है, लेकिन इस चमक के पीछे छिपे जोखिमों को नजरअंदाज करना निवेशकों के लिए महंगा साबित हो सकता है।

योजना बनाकर संयमित तरीके से करना होगा निवेश, भारत में अभी तक कॉपर ईटीएफ या कॉपर म्यूचुअल फंड उपलब्ध नहीं

सोना-चांदी के बाद 'कॉपर' भी बन रहा अगला बड़ा निवेश विकल्प

जानकारी | **बिजनेस डेस्क**

गोल्ड और सिल्वर की चमक के बीच बेस मेटल कॉपर को निवेशकों ने काफी समय तक नजरअंदाज किया, लेकिन अब इसमें भी तेज उछाल दिख रहा है। लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) के आंकड़ों के अनुसार, कॉपर मार्च 2022 के बाद के अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। भारत में भी कॉपर फ्यूचर्स ने बीते एक साल में लगभग 36% की तेजी दिखाई है, जिससे यह सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली कमोडिटीज में से एक बन गया है।

पिछले कुछ वर्षों में निवेशकों ने देखा है कि कैसे सोना और चांदी ने अनिश्चित बाजार हालात में बेहतर रिटर्न देकर खुद को सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में स्थापित किया। अब इसी कड़ी में एक और कमोडिटी निवेशकों के रडार पर तेजी से उभर रही है वह है कॉपर (तांबा)। शेयर बाजार की मौजूदा सुस्ती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का रुझान एक बार फिर कमोडिटी निवेश की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कॉपर अगला बड़ा दांव बन सकता है और क्या रिटेल निवेशक भी इससे मोटी कमाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए योजना बनाकर संयमित तरीके से निवेश करना होगा। तभी कॉपर में निवेश कर अच्छा रिटर्न पाया जा सकता है। सोना और चांदी के बाद अब निवेशकों की नजर कॉपर (तांबा) पर टिकने लगी है। पिछले एक साल में गोल्ड और सिल्वर ने रिकॉर्ड रिटर्न दिए हैं।

इसलिए बढ़ रहा कॉपर की ओर निवेशकों का झुकाव

कॉपर को अक्सर डॉ. कॉपर कहा जाता है, क्योंकि इसकी मांग वैश्विक आर्थिक गतिविधियों का संकेत देती है। जैसे-जैसे इंडस्ट्री, इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी सेक्टर में गतिविधियां बढ़ती हैं, कॉपर की खपत भी उसी अनुपात में बढ़ती है। मौजूदा समय में कई ऐसे स्ट्रक्चरल ट्रेंड्स हैं जो कॉपर की कीमतों को लंबी अवधि में मजबूती दे सकते हैं। सबसे बड़ा कारण है ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) सेक्टर का विस्तार। एक इलेक्ट्रिक कार में पारंपरिक पेट्रोल-डीजल कार की तुलना

में लगभग तीन से चार गुना ज्यादा कॉपर इस्तेमाल होता है। बैटरी, मोटर, चार्जिंग सिस्टम और वायरिंग हर जगह कॉपर की अहम भूमिका है। दुनिया भर में ईवी को बढ़ावा देने के लिए सरकारें नीतियां बना रही हैं, जिससे आने वाले वर्षों में कॉपर की मांग लगातार बढ़ने की उम्मीद है। दूसरा अहम कारण है डेटा सेंटर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार। क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 5जी जैसी तकनीकों के कारण बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर्स बनाए जा रहे हैं। इन डेटा सेंटर्स में बिजली की खपत और केबलिंग के लिए भारी मात्रा में कॉपर की जरूरत होती है। इसके अलावा डिफेंस और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर भी कॉपर की मांग को मजबूत कर रहे हैं। सोलर पैनल, विंड टर्बाइन और इलेक्ट्रिक ग्रिड के आधुनिकीकरण में कॉपर एक प्रमुख कच्चा माल है। वैश्विक स्तर पर ग्रीन एनर्जी पर जोर के चलते यह मांग लंबे समय तक बनी रह सकती है।

सप्लाई की चुनौती: कीमतों को सहारा

कॉपर की तेजी के पीछे सिर्फ मांग ही नहीं, बल्कि सप्लाई से जुड़ी समस्याएं भी बड़ा कारण हैं। दुनिया की कई प्रमुख कॉपर माइंस पुराने चरण में पहुंच चुकी हैं, जहां उत्पादन बढ़ाना आसान नहीं है। नई माइंस विकसित करने में पर्यावरणीय नियम, लंबी मंजूरी प्रक्रिया और भारी लागत बड़ी बाधा बन रहे हैं। इसके अलावा कुछ प्रमुख उत्पादक देशों में राजनीतिक और श्रम संबंधी अनिश्चितताएं भी सप्लाई को प्रभावित करती हैं। सीमित सप्लाई और बढ़ती मांग का यह असंतुलन कॉपर की कीमतों को लंबी अवधि में मजबूती दे सकता है।

भारत में निवेश के विकल्प क्या हैं

फिलहाल भारत में कॉपर ईटीएफ या कॉपर आधारित म्यूचुअल फंड उपलब्ध नहीं हैं, जो रिटेल निवेशकों के लिए एक बड़ी चुनौती है। हालांकि, इसके बावजूद निवेश के कुछ रास्ते मौजूद हैं। पहला विकल्प है कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के जरिए कॉपर फ्यूचर्स में निवेश, लेकिन यह विकल्प केवल उन्हीं निवेशकों के लिए उपयुक्त है, जिन्हें कमोडिटी बाजार की अच्छी समझ हो, क्योंकि इसमें वोलैटिलिटी और लीवरेज का जोखिम ज्यादा होता है। दूसरा विकल्प है कॉपर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश। भारत और विदेशों में कई ऐसी माइनिंग, मेटल और केबल निर्माण कंपनियां हैं, जिनका बिजनेस सीधे तौर पर कॉपर की कीमतों से जुड़ा है। हालांकि, इसमें कंपनी-विशेष के जोखिम भी जुड़े होते हैं। तीसरा रास्ता है डायवर्सिफाइड कमोडिटी या इंटरनेशनल फंड्स, जो अप्रत्यक्ष रूप से बेस मेटल्स या ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में निवेश करते हैं। हालांकि, इनमें कॉपर का एक्सपोजर सीमित हो सकता है। कॉपर में निवेश को लेकर उत्साह के साथ-साथ संयम भी जरूरी है। यह एक साइकलिकल कमोडिटी है, जिसकी कीमतें वैश्विक आर्थिक हालात से तेजी से प्रभावित होती हैं।

5 लाख को 5 साल के लिए ऐसे करें निवेश

बिजनेस डेस्क

अक्सर हम अपनी मेहनत की कमाई का कुछ हिस्सा बचाकर रख लेते हैं। मान लीजिए, आपके पास इस वक्त 5 लाख रुपये पड़े हैं और आपने मन बना लिया है कि अगले 5 साल तक आप इन पैसों को हाथ नहीं लगाएंगे। अब आपके सामने सबसे बड़ी चुनौती यह आती है कि इस पैसे को ऐसी कौन सी जगह निवेश करें, जहां से यह 5 साल बाद एक भारी-भरकम रकम बनकर वापस आए।

निवेश के ये आसान तरीके : बाजार में निवेश के बहुत से रास्ते हैं, लेकिन जब बात सुरक्षा और अच्छे मुनाफे के तालमेल की आती है, तो तीन नाम सबसे पहले जेहन में आते हैं। पहला है सरकारी सुरक्षा वाला एनएससी, दूसरा है बरसों पुराना भरोसा यानी एफडी और तीसरा है आज के दौर का सुपरहिट विकल्प यानी म्यूचुअल फंड लंपसम।

गुमशुदा

नाम सूरज देवांगन, उम्र 29 वर्ष, रंग गोरा, पतले दुबले, छोटी हाईट, सफेद जूता काला जैकेट पहने हुए है। 22.01.2026 को दोपहर 2 बजे से इमलीभाटा जोगी आवास M-36 सरकण्डा से लापता है। इनका मोबाइल भी बंद है। जिस किसी सज्जन को दिखे या मिले निम्न पते पर सूचित करें।
पता : प्रिया कुशवाहा, इमलीभाटा बंधवापारा, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
मो. 8839585615, 9109784798

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक
CHHATTISGARH GRAMIN BANK
(Scheduled Bank Owned by Government)

पत्र क्र. - क्षे.का.बै.पुर/ अग्रिम/2025-26/250 दिनांक 21/01/2026

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक अपने अधीनस्थ कार्यालय बैकुंठपुर के अंतर्गत जिला कोरिया, सूरजपुर, मनेन्द्रगढ़–चिरीमिरी– भरतपुर में ऋण प्रकरणों में लिए जाने वाले अचल संपत्तियों के मूल्यांकन कार्य हेतु अनुभवी एवं पात्र मुल्यांककों के आवेदन आमंत्रित करता है । इच्छुक मूल्यांकन, निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ दिनांक 10/02/2026 तक क्षेत्रीय कार्यालय में प्रस्तुत करें। अधिक जानकारी के लिए क्षेत्रीय कार्यालय/निकटतम शाखा में संपर्क करें।

भवदीय
क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय-बैकुंठपुर

यह निवेश करने का आसान और सबसे लोकप्रिय तरीका, छोटी-छोटी गलतियां करवा सकती हैं करोड़ों रुपये का नुकसान

संयम और प्लानिंग के साथ शुरू करें एसआईपी

एसआईपी शुरू या बंद करने से पहले जान लें कुछ अहम बातें, वरना हो सकता है नुकसान!

सलाह | **बिजनेस डेस्क**

आज के समय में एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश का सबसे आसान और लोकप्रिय तरीका बन चुका है। नौकरीपेशा लोग हों या छोटे व्यापारी, हर कोई महीने की थोड़ी-सी बचत से बड़ा फंड बनाने का सपना देखता है। लेकिन यह समझना बेहद जरूरी है कि एसआईपी जितना आसान दिखता है, उतना ही जोखिम भरा भी हो सकता है, अगर इसे सही समझ और योजना के बिना शुरू या बंद किया जाए। छोटी-छोटी गलतियां लंबे समय में लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों रुपये तक का नुकसान करवा सकती हैं। एसआईपी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। हर महीने तय राशि अपने आप म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाती है। बाजार गिरता है तो उसी रकम में ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं और बाजार चढ़ता है तो निवेश की वैल्यू बढ़ती है। इसी वजह से इसे आम निवेशकों के लिए आदर्श माना जाता है। लेकिन कई लोग इसे जोखिम-मुक्त मान लेते हैं, जो सबसे बड़ी भूल है।

एसआईपी जोखिम-मुक्त नहीं, लंबे समय तक टिके रहने में ही फायदा मिलता

तार-चढ़ाव तय

एसआईपी पूरी तरह बाजार से जुड़ा होता है, इसलिए इसमें उतार-चढ़ाव तय है। दिसंबर 2025 में ही निवेशकों ने रिकॉर्ड 31,002 करोड़ रुपये एसआईपी में डाले। लेकिन अक्सर लोग बिना पूरी जानकारी के एसआईपी शुरू कर देते हैं या बीच में रोक देते हैं। आइए जानते हैं वो अहम बातें जो हर निवेशक को समझनी चाहिए

लंबे समय तक टिके रहने में लाभ

सबसे अहम बात यह है कि एसआईपी का असली फायदा लंबे समय तक टिके रहने में ही मिलता है। बहुत से निवेशक बाजार गिरते ही घबरा जाते हैं और एसआईपी बंद कर देते हैं। यही वह समय होता है जब निवेश जारी रखना चाहिए, क्योंकि गिरावट के दौरान खरीदी गई यूनिट्स भविष्य में बाजार सुधरने पर बड़ा रिटर्न देती हैं। बीच में एसआईपी रोक देना या पूरी तरह बंद कर देना कंपाउंडिंग के असर को तोड़ देता है, जिससे संभावित रिटर्न काफी कम हो जाता है।

बिना लक्ष्य निवेश शुरू न करें

एक और आम गलती है बिना लक्ष्य तय किए निवेश शुरू करना। यह जानना जरूरी है कि आप किस उद्देश्य के लिए पैसा लगा रहे हैं—बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना, शादी या रिटायरमेंट। लक्ष्य के अनुसार फंड का चुनाव और निवेश की अवधि तय की जानी चाहिए। इसके अलावा, अपनी आय और खर्चों का सही आकलन किए बिना बड़ी रकम की एसआईपी शुरू करना भी जोखिम भरा हो सकता है। अगर मासिक बजट बिगड़ता है तो मजबूरी में एसआईपी बंद करनी पड़ सकती है। इमरजेंसी फंड की कमी भी निवेशकों को नुकसान की ओर ले जाती है। अचानक मेडिकल या अन्य जरूरी खर्च आने पर लोग एसआईपी तोड़ देते हैं, जिससे न सिर्फ रिटर्न कम होता है बल्कि टैक्स का बोझ भी बढ़ सकता है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड बनाना बेहद जरूरी है।

निवेश का बेहतरीन जरिया

एसआईपी निवेश का बेहतरीन जरिया है, लेकिन इसे जोखिम-मुक्त समझना भारी पड़ सकता है। सही जानकारी, स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन और धैर्य के साथ किया गया निवेश ही लंबे समय में बड़ा फंड बना सकता है। याद रखें, एसआईपी शुरू या बंद करने से पहले लिया गया हर फैसला आपके भविष्य की आर्थिक स्थिति तय करता है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना संख्या सं: 32-यांत्रिक-बिलासपुर-एआरटी-कोच, दिनांक: 19.01.2026

कार्य का नाम: खुली निविदा के आधार पर बिलासपुर मंडल के 18 बीजी कोचों का टर्नकी आधार पर एआरटी और एआरएमई कोचों में रूपांतरण ।
निविदा मूल्य (रू.): 02,34,59,522/- (रूपये दो करोड़ चौंतीस लाख उनसठ हजार पांच सौ बाईस मात्र) समस्त खर्चों एवं जीएसटी सहित ।, **अमानत राशि (रू.):** 2,67,300/- (रूपये दो लाख सड़सठ हजार तीन सौ मात्र), **निविदा:** दिनांक 10.02.2026 को दोपहर 12:00 बजे खोले जाएंगे ।

उपरोक्त ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है । उपरोक्त निविदों हेतु ई-निविदा के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी ।

वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी
सीपीआरओ/10/641 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक: 03-CEE-C-SECR-2025, Date: 20.01.2026

कार्य का नाम: द.पू.म. रेलवे बिलासपुर मण्डल में अनूपपुर-कटनी के बीच तीसरी लाइन के संबंध में 2x25 केवी ए.सी. ओएचई प्रणाली द्वारा अनूपपुर और शहडोल यार्ड के यार्ड संशोधन सहित अनूपपुर-कटनी के बीच तीसरी लाइन का शेष विद्युतीकरण कार्य ।
निविदा मूल्य: ₹ 16,45,03,610.92 (सोलह करोड़ पैंतालीस लाख तीन हजार छह सौ दस और ब्यान्बे पैसे) मात्र, **बयाना राशि:** ₹ 9,72,500/- (नौ लाख बहत्तर हजार पांच सौ) मात्र, **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक:** 12.02.2026 को 15:30 बजे । **निविदा खुलने का समय एवं दिनांक:** 12.02.2026 को 15:45 बजे । **कार्य पूर्णता की अवधि:** स्वीकृति का पत्र जारी होने की तारीख से 12 (बारह) माह ।
वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान : उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ई-निविदा दस्तावेज पात्रका का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई-निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइड www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है, उसे डाउनलोड कर/देख सकते हैं ।

उप मुख्य विद्युत अभियंता(निर्माण) बिलासपुर
सीपीआरओ/10/647 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

TRN Energy Thermal Power Plant (2 × 300 MW)

TRN Energy TPP में स्थितSewage Treatment Plant (STP)क Operation & Maintenance (O&M) कार्य हेतु अनुभवी एवं सक्षम एजेंसियों/ठेकेदारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।
परियोजना का स्थान : ग्राम – भेंगारी, पोस्ट – नवापारा (टेंडा), तहसील – घरघोड़ा जिला – रायगढ़ राज्य – छत्तीसगढ़
कार्य का विवरण : STP का संचालन एवं अनुरक्षण (O&M) दैनिक संचालन, मेंटेनेंस, रिकॉर्ड संधारण एवं नियामक मानकों का पालन
पात्रता : STP/ETP के O&M कार्य में प्रासंगिक अनुभव योग्यतकनी की स्टाफ एवं संसाधन उपलब्ध हों
आवेदन प्रक्रिया : इच्छुक एवं योग्य एजेंसियाँ/ठेकेदार नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से आवेदन करें।
आवेदन हेतु लिंक : Tender id : 1052
https://eprocurement.mjunction.in/epspropartner/product/login-screen
TRN Energy
(प्रबंधन को सभी आवेदन स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित)

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

भूपेश को झटका, सीडी कांड में फिर होगी सुनवाई

रायपुर। राज्य के चर्चित नौ साल पुराने सीडी कांड में रायपुर सेशन कोर्ट ने सीबीआई की लोअर कोर्ट के फैसले को निरस्त कर रिव्यू पिटिशन को मंजूर कर लिया है। रायपुर सेशन कोर्ट ने भूपेश बघेल को नियमित कोर्ट में पेश होने के निर्देश दिए हैं। अब इस केस की एक बार फिर से दोबारा सुनवाई होगी।

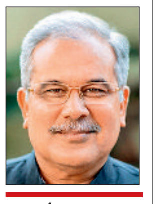

■ नौ साल पुराने मामले की फिर से होगी सुनवाई

सीबीआई की लोअर कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को मार्च 2025 में आरोपों से बरी कर दिया था। सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने सभी धाराएं हटाते हुए कहा था कि भूपेश बघेल के खिलाफ मुकदमा चलाने का कोई आधार नहीं है। इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने सेशन कोर्ट में रिव्यू याचिका दाखिल की थी। इसके पूर्व भूपेश बघेल के बचाव में मध्यप्रदेश के वरिष्ठ वकील मनीष दत्त ने कोर्ट में दलीलें रखीं थीं। अधिवक्ता दत्त ने कहा था कि बघेल को झूठे मामले में फंसाया गया। भूपेश ने न तो सीडी बनवाई और न ही सीडी बांटी। उन्होंने किसी तरह का कोई ऑफेंस (अपराध) नहीं किया।

इनका आवेदन खारिज

कोर्ट में कारोबारी कैलाश मुरारका और पूर्व मुख्यमंत्री के सलाहकार विनोद वर्मा ने भी खुद को आरोपों से मुक्त करने आवेदन लगाया था। सेशन कोर्ट ने उनके आवेदन को खारिज कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि उनके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मौजूद है और उन्हें ट्रायल का सामना करना होगा। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अलावा कारोबारी कैलाश मुरारका, पूर्व सीएम के सलाहकार विनोद वर्मा, विजय भाटिया और विजय पांड्या आरोपी बनाए गए हैं। मामले के एक अन्य आरोपी रिंकू खनूजा ने खुदकुशी कर ली थी।

यह है पूरा मामला

सीडी कांड की शुरूआत 27 अक्टूबर 2017 को तत्कालीन पीसीसी अध्यक्ष भूपेश बघेल के बंगले से हुई थी। इस सीडी में आपत्तिजनक वीडियो था जिसे लेकर दावा किया गया था कि महिला के साथ बेहद आपत्तिजनक स्थिति में दिखने वाला व्यक्ति मंत्री राजेश मूणत हैं। उक्त अश्लील सीडी का वीडियो क्लिप देखते ही देखते सोशल मीडिया में वायरल हो गया।

दंतेश्वरी मंदिर से पार हो गए लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात

जगदलपुर। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के मंदिर में बीती रात चोरों ने धावा बोल दिया। चोरों ने मंदिर के पीछे के दरवाजे को तोड़कर घटना को अंजाम दिया। सुबह जब मंदिर के पुजारी एवं प्रबंधन समिति के सदस्य पहुंचे तो पीछे का दरवाजा टूटा हुआ मिला। जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। प्रारंभिक जांच में मंदिर से लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवरात चोरी होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक रात लगभग 12 बजे मंदिर के पुजारी व सेवादार मंदिर बंद कर अपने अपने घरों में चले गए थे। उनके जाने के लगभग एक घंटे बाद वारदात को अंजाम दिया गया, जो सीसीटीवी में कैद हुआ है। आरोपी पहने हुए जैकेट से सिर को ढंका हुआ नजर आ रहा है। सीसीटीवी में बहुत ही आराम से चोर पीछे के दरवाजे से प्रवेश होते हुए तथा माईं के जेवरात को जांच परख कर निकालता हुआ नजर आ रहा है।

न्यायालय तहसीलदार कटघोरा जिला-कोरबा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202512051100003 अ-20 (1) / 2025-26
ग्राम कटघोरा, प.ह.नं. 10 तहसील-कटघोरा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि प्रबंध निदेशक, छ.ग. मेडिकल सर्विस कार्पोरेशन लिमिटेड के अर्द्धशासकीय पत्र क्र. 4537 दिनांक 19.09.2025 द्वारा छ.ग. शासन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सामुदायिक केन्द्र कटघोरा में 100 बिस्तर अस्पताल के उन्नयन के लिये भवन निर्माण हेतु 6900 वर्गमीटर भूमि की मांग की गई। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला-कोरबा (छ.ग.) के आदेश क्रमांक /11/नजूल/2025/ कोरबा दिनांक 01.01.2026 के तहत आवेदक संस्था को ग्राम कटघोरा, तहसील कटघोरा स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 60/1 में से रकबा 6900 वर्गमीटर / 0.69 हे. भूमि का स:शर्त अग्रिम आधिपत्य प्रदान किया गया है। अग्रिम आधिपत्य प्रदान करने के पश्चात उक्त चिन्हांकित शासकीय भूमि को आवेदक संस्था विभाग को राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के अनुसार तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी नियम / निर्देशानुसार आबंटित किये जाने के संबंध में जांच प्रतिवेदन हेतु मूल प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कटघोरा के माध्यम से इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिस पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह अपना दावा आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27.01.2026 को न्यायालयीन समय 11:00 बजे उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात किये जाने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 08.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर लगाकर जारी किया गया।

स्थान :- कटघोरा

तहसीलदार
कटघोरा, जिला कोरबा (छ.ग.)

भारतमाला परियोजना घोटाला में तीन पटवारियों के खिलाफ पूरक चालान पेश

रायपुर। भारतमाला परियोजना घोटाला में 43 करोड़ रुपए से ज्यादा राजस्व नुकसान करने वाले तीन पटवारियों के खिलाफ ईओडब्लू ने स्पेशल कोर्ट में पूरक चालान पेश किया है। चालान में किन-किन पटवारियों की जमीन दलालों से मिलीभगत करने से कितने का नुकसान हुआ है तथा उनकी भूमिका के बारे में उल्लेख किया गया है। दो पटवारी बसंती धृतलहरे तथा दिनेश पटेल को ईओडब्लू ने चार माह पूर्व 29 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। कोर्ट में पेश पूरक चालान में आरोप लगाया गया है कि तीनों लोकसेवक, मुआवजा प्राप्त करने वाले व्यक्ति एवं अन्य द्वारा आपराधिक षड्यंत्र किया गया। ईओडब्लू के आरोपों के मुताबिक भारतमाला परियोजना रायपुर-विशाखापट्टनम प्रस्तावित इकोनॉमिक कॉरिडोर के भू-अर्जन प्रकरण में शासन द्वारा अर्जित भूमि को तीनों पटवारी ने जमीन दलालों से मिलीभगत कर जमीन को कई टुकड़ों में बांटकर वापस शासन को बेच दिया।

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-नल, सेनेटरी पाइप फिटिंग दुकान में अनुभवी फील्ड सेल्समैन, अनुभवी सुपरवाइजर, दुकान में कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- गीता ट्रेडर्स रायपुर रोड तिफरा 9752317779, 91790 17779 (39763)

आवश्यकता है-(M/F) मैनेजर, एकाउंटेंट, सुपरवाइजर, सेल्समैन, हेल्पर (समय सुबह 10 से शाम 8) सैलरी 9000 से 25000 पता- Farmers Pride, नेचर सिटी गेट से 200 मीटर आगे सकरी रोड उसलापुर 91792 94949 (39761)

आवश्यकता है- रंग पेंट दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- बजाज पेंट्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9827167987, 9300617113 (39762)

आवश्यकता है- व्यापार विहार स्थित वेलनेस सेन्टर एवं ब्यूटी पार्लर में काम करने के लिए महिला कर्मचारीयों और एक पुरुष हेयर ड्रेसर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 63991 66000 (39756)

आवश्यकता है- चकरभाठा एवं छतौना हेतु सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है वेतन 9000 ड्यूटी 10 घंटे उम्र 20 से 45 वर्ष तक तीन फोटो आधार कार्ड सहित तत्काल सम्पर्क करें- 8109314893, 99266 83722 (39757)

आवश्यकता है- बिलासपुर में आवश्यकता है रहकर या आना जाना करके ड्राईवर/चौकीदार/ घरेलू कार्य हेतु महिला कर्मचारी दिन/ रात ड्यूटी करने जरूरतमंद को घर रहने हेतु देंगे सम्पर्क करें- बिलासपुर 9630355275 (39759)

आवश्यकता है- च्वॉइस सेन्टर में कम्प्यूटर कार्य हेतु अनुभवी युवक युवतियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शिव टॉकीज चौक बिलासपुर 8871646464 (39764)

आवश्यकता है- कपड़े के शोरूम में कार्य करने के लिए दो अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 11000 तक सम्पर्क करें:- रूपवर्षा, गोल बाजार, सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827163669 (39744)

आवश्यकता है- यूनीफॉर्म टेक्स्टमार्ट में यूनिफॉर्म सिलाई हेतु अनुभवी दर्जी (टेलर) की आवश्यकता है। उचित मेहनताना, समय पर भुगतान। कार्य के लिए इच्छुक उम्मीदवार आज ही शीघ्र सम्पर्क करें- 8349714060, 8711887744, 8889990201 (39755)

आवश्यकता है- सीनियर एकाउंटेंट, एकाउंट एग्जीक्यूटिव योग्यता संबंधित क्षेत्र में अनुभव व अकाउंटिंग का ज्ञान आवश्यक टेली, GST, TDS का ज्ञान वरीयता प्राप्त करेगा आवेदन हेतु रिज्यूम/ बायोडाटा व्हाट्सप्प करें- 7880148001, 78801 48004 (39751)

आवश्यकता है- रेडिमेड शोरूम में एक अनुभवी युवक/ युवती कम्प्यूटर आपरेटर चाहिये जिसे बीजी साफ्टवेयर का अनुभव हो वेतन 12000 एवं युवती शादीशुदा हो सम्पर्क करें- नेशनल होयजरी NX सदर बाजार बिलासपुर (39731)

आवश्यकता है- कपड़े, कास्मेटिक, ज्वेलरी शॉप में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शिमर एंड शाईन दिल्ली फास्ट फूड, रघुराज स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक बिलासपुर 8602460166 (39747)

आवश्यकता है- यश सुपर बाजार में BUSY (बीजी) जानकार कम्प्यूटर आपरेटर सेल्सगर्ल एवं अनाज साफ सफाई हेतु महिला चाहिए। पता- रिंग रोड नं.-2, सहारा हॉस्पीटल के पास महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9329941444 (39737)

आवश्यकता है- आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- संध्या ज्वेलरी एण्ड कॉस्मेटिक श्रीराम क्लॉथ मार्केट पानी टंकी के पास अग्रसेन चौक बिलासपुर 9691083080, 7987423847 (39738)

आवश्यकता है- बेरोजगार युवा आज ही नौकरी पाइये पद- सिक्योरिटी गार्ड योग्यता-5वी से 12वीं पास,ग्रेजुएट भी मान्य सुविधा- रहने व खाने की व्यवस्था उपलब्ध वेतन - 9,500 से 18,000 प्रति माह लोकेशन- नया रायपुर,रायपुर, रायगढ़, आज ही कॉल करें और नौकरी पक्की करें 92019 58117, 9201958118 (6547)

आवश्यकता है- बिलासपुर, जांजगीर, खरसिया जिलों में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर, ड्राइवर की आवश्यकता है पीएफ ईएसआई मेडिकल आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धि विनायक सिक्युरिटी राजेन्द्र नगर बिलासपुर 9111175190, 9098318675 (467)

आवश्यकता है- घर के ऊपरी कार्य हेतु एक लड़की चाहिए कार्य समय सुबह 7:30 से 12:30 एवं शाम को 5:30 से 6:30 सम्पर्क करें- मंगला चौक के पास, नर्मदा नगर बिलासपुर 97522 66239 (39724)

आवश्यकता है- ऑफिस+ फील्ड वर्क हेतु अनुभवी, ग्रेजुएट युवकों की आवश्यकता है। बैंक वर्क, एमएस, एक्सल अनुभवी। सैलरी योग्यतानुसार। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जाजोदिया टाइल्स, होटल ग्रैंड अम्बा के सामने, बिलासपुर 9009658882 (39739)

आवश्यकता है- रियल स्टेट कम्पनी में कार्य करने हेतु युवक, युवतीयो,गृहिणीयों की तत्काल आवसकता है फ्रेशर एवं अनुभवी को प्राथमिकता शानदार इंसेंटिव सम्पर्क करें- 7987374690, 93026 52734 (39753)

आवश्यकता है- लॉज में कार्य हेतु वेटर की आवश्यकता है 10वीं पास उम्र 28 से 40 वर्ष ग्रामीणों को प्राथमिकता सम्पर्क करें- होटल शिवम अपोलो हास्पिटल के बाजू में लिंगियाडीह बिलासपुर 8839112590, 9301577993 (39743)

आवश्यकता है- कक्षा नर्सरी से 12वीं तक पढ़ाने हेतु अनुभवी या फ्रेशर शिक्षकों की। सम्पर्क करें- सुबह 9 से 2बजे संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर 7440549466, 9691259615 (39741)

आवश्यकता है-ईडन कोर्ट सोसाइटी के लिए सिक्युरिटी गार्ड की आवश्यकता है सैलरी 9000 रहने की व्यवस्था उपलब्ध है पता- लोयला स्कूल के पास लिंगियाडीह बिलासपुर सम्पर्क करें- 9303780984, 9399753983 (39746)

आवश्यकता है- किराना दुकान में काम करने हेतु महिला/ पुरुष की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- किशन चन्द किराना स्टोर करबला रोड बिलासपुर 8817018694 (39734)

आवश्यकता है-वेलनेस प्रोडक्ट हेतु मार्केटिंग मैनेजर एवं प्रोडक्ट कंसल्टेंट योग्यता बीफार्मा, एमफार्मा, बीबीए, एमबीए, बीसीए, एमसीए एवं शाकाहारी खाना बनाने हेतु बाई चाहिए सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 98930 81826, 7067124226 (39723)

आवश्यकता है- बेकरी में हेल्पर (लड़की) चाहिए। कार्य समय एवं वेतन मुलाकात पर तय किया जाएगा। मेहनती ईमानदार सम्पर्क करें- हंसा विहार कॉलोनी, मैग्नेटो मॉल के पास श्रीकांत वर्मा मार्ग बिलासपुर 7804800223 (39726)

आवश्यकता है- काईनेटिक ग्रीन के नये शोरूम में ब्रांच मैनेजर (1 पोस्ट), टीम लीडर (1 पोस्ट), सेल्स एक्जीक्यूटिव (5 पोस्ट) चाहिए सैलरी+ इंसेंटिव। शोरूम आकर सम्पर्क करें- श्रीबजरंग ऑटोमोबाइल्स पॉवर हाउस रोड तोरवा बिलासपुर 9302569282, Email ID- shribajrangautomobilesbsp@gmail.com (39736)

आवश्यकता है- थोक दवाई एजेन्सी में कार्य करने हेतु एकाउंटेंट, माल निकालने, पैकिंग करने हेतु लड़के, लड़कियां, ड्राइवर की आवश्यकता है इच्छुक सम्पर्क करें- गायत्री मेडिकल एजेन्सी, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 8269203547 (39742)

आवश्यकता है-आफिस, कम्प्यूटर कार्य हेतु अनुभवी आपरेटर, बागवानी कार्य हेतु मैनेजर, कार ड्राइवर, कुक, घरेलू कार्य, किराए के घर की देखभाल हेतु मैनेजर कोर्ट कचहरी हेतु मुंशी चाहिए मो- 8078280001 (39611)

आवश्यकता है- यदुनंदन नगर तिफरा में रियल स्टेट, कंट्रकशन आफिस में महिला/ पुरुष आफिस असिस्टेंट, साइड/ सेल्स इंचार्ज। योग्यता 12वीं, मेहनती, अनुभवी को प्राथमिकता वेतन 8000+ कमीशन+ इंसेंटिव बायोडाटा वाट्सअप करें 9826314444 (39728)

आवश्यकता है-वेलनेस प्रोडक्ट एजेन्सी में कंप्यूटर बिलिंग करके प्रोडक्ट देने हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए। योग्यता कम्प्यूटर कोर्स किया हुआ। इच्छुक व्यक्ति ही सम्पर्क करें पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9893081826, 7067124226 (39722)

आवश्यकता है-बिजनेस डेवलपमेन्ट ऑफिसर, एचआर, डिजिटल मार्केटिंग, सेल्स ऑफिसर, सुपरवाइजर एवं हाउस कीपिंग सुपरवाइजर। वेतन योग्यता अनुसार। पता- A1 Jeet Security Pvt. Ltd. अंश प्लाजा रिंग रोड नं-2, बिलासपुर 7247247744, 9981210369 (39701)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -12000+ कमिशन (रहना फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25 हजार नोट - नशेड़ी फ़ोन न करें मो.9982589693 (527)

आवश्यकता है- चायपत्ती के आफिस के एकाउटेट की एवं सेल्समेन व ड्राईवर की आवश्यकता है। संपर्क करे - जैन ट्रेडर्स नियर SBF ATM आकृति विहार अमलीडीह 9753674707, 0771-4075490 (6548)

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800 (6995)

आवश्यकता है- श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य व अन्य कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है, वेतन योग्यतानुसार (समय 10am से 7pm) सम्पर्क साइंस कॉलेज सरकंडा 9074741377 (495)

आवश्यकता है- 10 से 5:30 ऑफिस में कार्य करने के लिए लड़कियों की आवश्यकता है सैलरी 5,000+ कमीशन संपर्क करें:- 27 खोली बिलासपुर 7898428784, 80851 06943 (497)

आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग एवं ऑफिस कार्य हेतु लड़की /महिलाओं की आवश्यकता है योग्यता 10वी, 12वी, ग्रेजुएट, सैलरी 5000 +कमीशन बोनस से कमाएं 10000 से 15000/ पता: महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 8982660324 (496)

आवश्यकता है- वेज एवं नॉन वेज रेस्टोरेंट मे कार्य हेतु इंडियन कुक, चाइनीज कुक, हेल्पर एवं वेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 93402 29293, 9827467841 (39735)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने हेतु लड़के की आवश्यकता है सैलेरी कार्य और योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हर्ष बर्थडे दुकान नम्बर C2A, वृन्दावन कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर मनोज केसवानी 6262224444 (39725)

आवश्यकता है- ऑटोमैटिक कार हेतु अनुभवी लाइसेन्सी, मेहनती, नशा रहित ड्राइवर एवं ऑफिस, साइड वर्क, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्शन नामांतरण, नगर निगम संबंधी कार्य करने हेतु अनुभवी मैनेजर चाहिए सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 (39717)

आवश्यकता है- छोटा हाथी पिकअप चलाने के लिए 2 ड्राइवर एवं दुकान में हमाली का काम करने के लिए 1 लड़के की. आवश्यकता है सम्पर्क करें-शारदा एजेन्सी व्यापार विहार बिलासपुर 99261 24555 (39730)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है , जो शहर से बाहर रहकर काम कर सके,योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -12000+ कमीशन बोनस (रहना फ्री गाड़ी फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25-हजार ,मो.9982589693, 88155 22974 (1297)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसांई सिक्युरिटी सर्विस, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291 (39669)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड वेतन 13000/- सुपरवाइजर वेतन 15000/- फील्ड अधिकारी वेतन 15000/- आवास मुफ्त, योग्यतानुसार वेतन सम्पर्क करें-अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 77460 00016, 7746000019. (348)

आवश्यकता है- कोसाबाडी निहारिका कोरबा में बुजुर्ग व्यक्ति की देखभाल और घरेलू काम के लिए युवक की आवश्यकता है आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार केवल कोरबा निवासी ही सम्पर्क करें- 9686578508 (493)

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। 9827163216 8462933820

आवश्यकता है-रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीरचांपा, कोरबा, रायगढ़ हेतु वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, गार्ड, हेल्पर, कटरफिटर, कम्पयूटर ऑपरेटर ड्राइवर, चपरासी स्टोरकीपर, सुपरवाईजर 5वीं-ग्रेजुएट वेतन 11000 से 30000 रहना फ्री नया पता बस स्टैंड बिलासपुर 7898973405 (39659)

बेचना है

SALE - Ground plus 2 floor Residencial property East facing Land area 1180 Sqft Builtup area 1850 Sqft approx Basic amenities, CCTV installed Location Geetanjali city, Bahtarai road, Bilaspur, Contact- 8103746501 (39750)

बेचना है- अमेरी रेलवे फाटक, सांई विहार B ब्लाक में 1130 वर्गफिट, डायवर्टेड, 2BHK हॉल, किचन, पोर्च सहित सर्व सुविधा युक्त मकान बेचना है सम्पर्क करें- 9893752972, 9893 433182 (39760)

बेचना है- गोकुल धाम उसलापुर बिलासपुर मे 25×40= 1000 वर्गफुट में बना हुआ सर्व सुविधा युक्त नवनिर्मित मकान अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9340252857 (39758)

बेचना है- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा से 5 मिनट दूरी पर यदुनन्दन नगर में डबल रोड का सेमी कमर्शियल TNC, 40×60= 2400 वर्गफिट प्लाट बेचना है कीमत मात्र 1950/- वर्गफिट सम्पर्क- 79871 66040 (39729)

बेचना है- विकसित T&C एप्रूव्ड आवासीय कॉलोनी आर.के. रेसीडेन्सी तिफरा में स्वतंत्र 3BHK मकान 80 लाख में बेचना है, 1900/1350 प्लाट/ बिल्टअप एरिया। सम्पर्क करें- 9300635493 (39752)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

किराए से चाहिए

किराए से चाहिए-तिफरा, मोपका, आदर्श नगर (सिरगिट्टी रोड), कोनी, तोरवा, हेमू नगर में मेन रोड पर 600 वर्गफीट (20×30) की दुकान किराए पर चाहिए है। सम्पर्क करें- 8349054531, 78800 42169 (39637)

किराये

किराया-अभिलाषा परिसर नया बस स्टैंड के पीछे तिफरा स्थित सर्वसुविधायुक्त 5 बैडरूम का 2 मंजिला मकान किराये से देना है सम्पर्क करें- 9329668258, 70249 42247 (39727)

किराया- उसलापुर गोकुलधाम नारायणी में 1 बीएचके का दो नया फ्लैट सर्वसुविधायुक्त किराए से देना है कार पार्किंग सुविधा के साथ बैचलर्स, फैमिली, मार्केटिंग वाले सभी व्यक्ति संपर्क करें- 6264485630 (498)

किराया - सीपत रोड विजयापुरम में सर्व सुविधा युक्त 2BHK (2 कमरे एक हॉल किचन लेटबाथ सामने एव पीछे खाली जगह निसतार हेतु) स्वतंत्र मकान किराए पर देना सम्पर्क करें- 97700 60675, 9131845912 (39748)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- 49वर्षीय अपना बिज़नेस वर हेतु विधवा तलाक शुदा (संतान ना हो)गरीब परिवार मान्य, जाती बंधन नहीं, बिलासपुर को प्राथमिकता सम्पर्क 8815579810 (40131)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
➡ जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
➡ जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
➡ शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
➡ एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
➡ श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
➡ रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
➡ जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
➡ भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
➡ श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
➡ एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
➡ रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
➡ श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
➡ अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
➡ विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
➡ माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
➡ बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

सीरीज जीत की दहलीज पर भारत, किशन के प्रदर्शन से संजू पर बढ़ा दबाव

गुवाहाटी में आज शाम 7 बजे से भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

पहले दोनों मैच आसानी से जीतने के बाद भारत रविवार 25 जनवरी को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके पांच मैच की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा, जिसमें संजू सैमसन के प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेंगी क्योंकि ईशान किशन ने पिछले मैच में शानदार वापसी करके उन पर दबाव बढ़ा दिया है।

किशन की शानदार पारी से इस बात पर बहस फिर से शुरू हो जाएगी कि अभिषेक शर्मा का पसंदीदा सलामी जोड़ीदार कौन होना चाहिए, क्योंकि सैमसन अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के लिए जूझ रहे हैं। टी20 विश्व कप के शुरू होने में अब केवल दो सप्ताह का समय बचा है और इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ बाकी बचे तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में भारत की टीम संयोजन काफी हद तक तय लग रहा है।

सैमसन मौके का फायदा उठाने में नाकाम

भारत बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। केवल कुछ स्थान को लेकर ही टीम चिंतित होगी, जिनमें से एक स्थान फिलहाल सैमसन के पास है। किशन की 32 गेंदों पर खेली गई शानदार 76 रनों की पारी ने संजू पर दबाव बढ़ा दिया है। टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की जगह अभिषेक के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में बहाल किए गए सैमसन मौकों का पूरा फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं, जबकि उन्हें काफी मैच खेलने का मौका मिला है। गिल तकनीकी रूप से मजबूत होने के बावजूद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कोई खास प्रभाव नहीं डाल पाए थे और इसलिए संजू को अंतिम एकादश में शामिल करने के साहसिक फैसले के तहत उन्हें बाहर कर दिया गया।

सूर्यकुमार फॉर्म में लौटे

भारत के लिए यह अच्छी खबर है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी चिर परिचित फॉर्म में लौट आए हैं। उन्होंने 37 गेंद पर 82 रन बनाकर पिछले 23 टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों के बाद अपना पहला अर्धशतक जड़ा। भारत पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 से आगे है लेकिन उसे किसी तरह के मुगालते में नहीं रहना चाहिए क्योंकि न्यूजीलैंड की टीम वापसी करने में माहिर है जैसा उसने इससे पहले खेली गई वनडे श्रृंखला में किया था। पिछले मैच में सलामी बल्लेबाज अभिषेक पहली गेंद पर आउट हो गए थे और वह यहां बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे।

रणनीतिक बदलावों पर विचार कर सकती है न्यूजीलैंड

मिचेल सैंटनर की अगुवाई वाली टीम कुछ रणनीतिक बदलावों पर विचार कर सकती है। वह शानदार फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल को ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए भेज सकता है। न्यूजीलैंड की आमतौर पर मजबूत मानी जाने वाली फील्डिंग इस बार बेहद निराशाजनक रही। सैंटनर और ईश सोढ़ी सहित उसके खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े। न्यूजीलैंड को इस विभाग में तुरंत सुधार करने की जरूरत है।

टीमें इस प्रकार

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फॉक्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

खबर संक्षेप

दुबई डेजर्ट क्लासिक : शुभंकर और युवराज कट से चूके

दुबई। भारत के शुभंकर शर्मा और युवराज सिंह संधू ने दूसरे दौर में भी खराब प्रदर्शन किया, जिससे वह हीरो दुबई डेजर्ट क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह नहीं बना पाए। प्रतिष्ठित रोलेक्स सीरीज प्रतियोगिता में पदार्पण कर रहे संधू ने 73 और 73 के राउंड खेले, जबकि शर्मा लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते रहे और शुरुआती 74 के बाद उन्होंने दूसरे दौर में निराशाजनक 77 का स्कोर बनाया। इस बीच पूर्व मास्टर्स चैंपियन पैट्रिक रीड ने दूसरे दौर में 66 का स्कोर बनाकर एक शॉट की मामूली बढ़त हासिल कर ली। इस अमेरिकी खिलाड़ी ने अब कुल नौ-अंडर का स्कोर बना लिया है और वह इंग्लैंड के एंडी सुलिवन से एक शॉट आगे हैं, जिन्होंने सात-अंडर 65 का स्कोर बनाया।

सूर्या ने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज : शिवम दुबे

रायपुर। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इस स्टार बल्लेबाज ने धमाकेदार पारी खेलकर दिखा दिया कि वह खेल के सबसे छोटे प्रारुप में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : गर्मी के कारण रोके गए आउटडोर गेम

भीषण गर्मी से जूझे टेनिस सितारे, सिनर, कीज पेगुला और अनिसिमोवा जीते, ओसाका बाहर

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

यानिक सिनर ने भीषण गर्मी से जूझने के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश करके खिताबी हैट्रिक बनाने की अपनी कवायद जारी रखी। सिनर जब हाथ पैरों में ऐंठन को दूर करने के लिए जूझ रहे थे और तीसरे सेट में 1-3 से पिछड़ रहे थे तब भीषण गर्मी के नियमों ने उन्हें बचा लिया। शनिवार दोपहर को रॉड लेवर एरिना में खेल कुछ मिनटों के लिए रोक दिया गया और छत बंद कर दी गई। इसके बाद सिनर ने नई ऊर्जा के साथ कोर्ट पर कदम रखा। उन्होंने अगले छह गेम में से पांच जीतकर 85वीं रैंकिंग के खिलाड़ी इलियट स्पिजिर्री को 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया।

सिनर अगले दौर में इटली के हमवतन खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी का सामना करेंगे। इटली के तीन खिलाड़ी अंतिम 16 में पहुंच गए हैं। इनमें तीसरे खिलाड़ी पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी हैं, जिन्होंने जॉन केन एरिना में खेले गए मैच में टॉमस माचक को 5-7, 6-4, 6-2, 5-7, 6-2 से हराया। इस मैच को भी पांचवें सेट में छत बंद करने के लिए थोड़ी देर के लिए रोकना पड़ा था। विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी बेन शेल्टन भी आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने मार्गरेट कोर्ट एरिना पर मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट को 6-4, 6-4, 7-6 (5) से पराजित किया। वहीं ओसाका ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है।

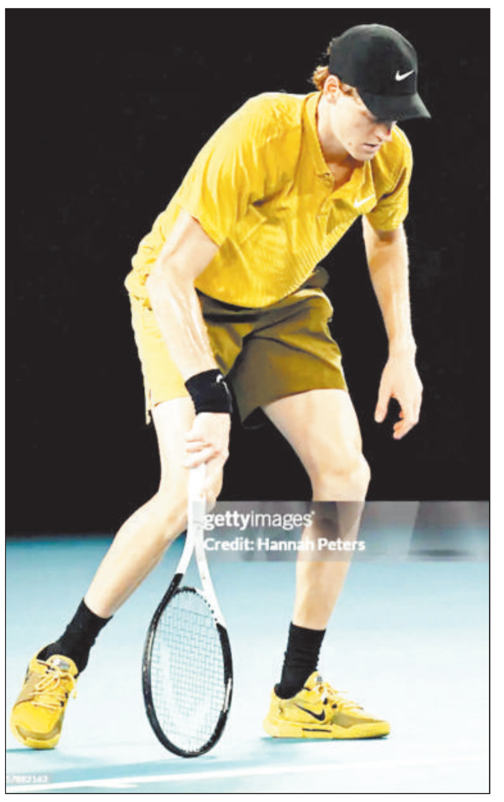

अमांडा ने बनाई अंतिम 16 में जगह

अमेरिका की एक अन्य खिलाड़ी और चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा ने हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई। सातवें दिन खेल निर्धारित समय से एक घंटा पहले शुरू हुआ, क्योंकि पूर्वानुमान में 40 डिग्री सेल्सियस (104 फ़ारेनहाइट) तक के तापमान की आशंका थी। शुरुआती मैचों के दौरान तापमान उस स्तर तक नहीं पहुंचा। इस दौरान तापमान 32 डिग्री सेल्सियस (89 फ़ारेनहाइट) रहा।

कीज और जेसिका की चौथे दौर में एंट्री

महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज और उनकी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज करके चौथे दौर में प्रवेश किया, जहां उनका आमना सामना होगा। नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने रोड लेवर एरिना में खेले गए पहले मैच में कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-3, 6-3 से हराया, जबकि छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने मार्गरेट कोर्ट एरिना में खेले गए पहले मैच में ओक्साना सेलेखमेतेवा को 6-3, 6-2 से पराजित किया।

चोट के कारण हटीं ओसाका

जापानी खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर से मैच से पहले हटने का फैसला किया। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ओसाका को तीसरे दौर में ऑस्ट्रेलियाई क्वालिफायर मैडिसन इंग्लिस के खिलाफ खेलना था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया कि अपने पिछले मैच के बाद उन्हें 'अपने शरीर की एक ऐसी समस्या पर ध्यान देना है, जिसे इलाज की जरूरत है।' ओसाका ने पोस्ट किया, 'मैं आगे बढ़ने के लिए बहुत उत्साहित थी और यह सफर मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता था इसलिए यहां रुकना मेरे दिल तोड़ने वाला है। लेकिन मैं और नुकसान का जोखिम नहीं उठा सकती ताकि मैं कोर्ट पर वापस आ सकूं।' टूर्नामेंट द्वारा बाद में जारी किए गए बयान में ओसाका ने कहा कि उन्हें पेट के बाईं ओर दिक्कत थी।

भांबरी तीसरे दौर में, बालाजी बाहर

भारत के युकी भांबरी ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के तीसरे दौर में जगह बनाई लेकिन एक अन्य भारतीय खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी दूसरे दौर से बाहर हो गए। भांबरी और उनके स्वीडिश साथी आंद्रे गोरानसन की 10वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने दूसरे दौर के मुकाबले में सैंटियागो गोंजालेज और डेविड पेल की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 7-6(5), 6-3 से हराया। इससे पहले बालाजी और ऑस्ट्रिया के उनके जोड़ीदार नील ओबरलीट्नर को अल सल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के माटे पाविच की चौथे वरीयता प्राप्त जोड़ी से 5-7, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा, जिन्होंने मेलबर्न पार्क के शो कोर्ट पर अपनी निरंतरता और बड़े मैचों के खेलने का अच्छा नमूना पेश किया।

क्रिकेट

टी20 विश्व कप से बांग्लादेश बाहर, स्कॉटलैंड की हुई एंट्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को सूचित कर दिया है कि आगामी टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की जगह अब स्कॉटलैंड खेलेगा। यह फैसला बांग्लादेश की ओर से सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत यात्रा से इनकार करने के बाद लिया गया। पता चला है कि चेयरमैन जय शाह सहित आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारी शुक्रवार को दुबई में मौजूद थे। इसी दिन देर शाम बीसीबी अध्यक्ष अमिनुल इस्लाम बुलबुल को एक ईमेल भेजकर वैश्विक संस्था के फैसले से अवगत कराया गया।

स्कॉटलैंड के ग्रुप चरण में चार मुकाबले

वहीं क्रिकेट स्कॉटलैंड ने कहा है कि उसे अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है। हालांकि ऐसा लगता है कि औपचारिक सूचना मिलना अब केवल समय की बात है। इस तरह स्कॉटलैंड ग्रुप चरण में अपने चार मुकाबले वेस्टइंडीज (सात फरवरी), इटली (नौ फरवरी) और इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ कोलकाता में खेलेगा जबकि नेपाल के खिलाफ उसका मैच 17 फरवरी को मुंबई में होगा।

बीसीबी के अध्यक्ष को भेजा ईमेल

आईसीसी के एक सूत्र ने कहा, 'कल शाम बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष को ईमेल भेजकर सूचित किया गया कि उनके बोर्ड ने भारत आने या नहीं आने के फैसले पर 24 घंटे की समय-सीमा के भीतर आधिकारिक रूप से आईसीसी को कोई जवाब नहीं दिया, इसलिए यह निर्णय लिया गया। ' सूत्र ने कहा, 'बीसीबी ने आईसीसी को औपचारिक जानकारी देने से पहले ढाका में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जो प्रोटोकॉल का उल्लंघन था। उन्हें स्पष्ट रूप से बता दिया गया है कि उनकी जगह अब किसी और टीम को शामिल किया जा रहा है।

डब्ल्यूपीएलः आरसीबी की पहली हार, दिल्ली कैपिटल्स ने 7 विकेट से दी मात

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स ने अनुशासित गेंदबाजी के बाद लौरा वोलवार्ट 42 रन की नाबाद पारी से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में तालिका में शीर्ष पर चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 26 गेंद रहते सात विकेट से हराकर अपनी तीसरी जीत दर्ज की। आरसीबी को टूर्नामेंट में पहली हार का मुंह देखना पड़ा, जिसके छह मैच में पांच जीत से 10 अंक हैं। इस हार के बावजूद वह शीर्ष पर कायम हैं। दिल्ली कैपिटल्स छह मैच में तीसरी जीत से छह अंक से दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजों ने आरसीबी को 20 ओवर में महज 109 रन पर समेट दिया। आरसीबी की केवल तीन खिलाड़ी ही दोहरे अंक के स्कोर तक पहुंच सकी, जिसमें कप्तान स्मृति मंधाना 38 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं। दिल्ली कैपिटल्स के लिए नंदिनी शर्मा ने तीन विकेट जबकि मरिजान काप, चिनेल हेनरी और मीनू मणि ने दो दो विकेट झटके। श्रीचरणी ने एक विकेट हासिल किया।

लक्ष्य बड़ा नहीं था और दिल्ली कैपिटल्स ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 111 रन बनाकर इसे हासिल कर लिया। उसके लिए लौरा वोलवार्ट 38 गेंद में 42 रन बनाकर नाबाद रहीं। आरसीबी के लिए सयाली सतघरे ने पावरप्ले में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (आठ गेंद में 16 रन) और लिजेल ली (06) के विकेट लेकर शुरूआती झटके दिए। लेकिन वोलवार्ट और कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (24 रन) ने तीसरे विकेट के लिए 49 गेंद में 52 रन की भागीदारी निभाकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। फिर वोलवार्ट और मारिजान काप (नाबाद 19 रन) आसानी से टीम को जीत दिलाई।

अंडर-19 विश्व कपः भारत ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया, म्हात्रे ने खेली विस्फोटक पारी

बुलावाये। कप्तान आयुष म्हात्रे की 27 गेंदों में खेली गई 53 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत भारत ने अंडर-19 विश्व कप में न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति से सात विकेट से करारी शिकस्त दी। भारतीय टीम ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए बारिश से प्रभावित 37-37 ओवर के इस मुकाबले को बेहद आसानी से अपने नाम कर टूर्नामेंट में दबदबा कायम रखा। न्यूजीलैंड ने 22 रन तक पांच विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा।

मैच दोबारा शुरू होने पर इसे 37-37 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड की टीम शुरुआत से ही दबाव में रही और 69 रन पर सात विकेट गंवा बैठी। भारतीय गेंदबाजों के निरंतर प्रहार के चलते टीम 36.2 ओवर में 135 रन पर ढेर हो गई। भारत ने संशोधित लक्ष्य 130 रन का पीछा करते हुए महज 13.3 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 130 रन बनाकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे पहले तेज गेंदबाजों के लिए माकूल परिस्थितियों में टॉस जीतकर भारत ने गेंदबाजी का फैसला किया। आर.एस. अमब्रिश (29 रन पर चार विकेट) और हेनिल पटेल (23 रन पर तीन विकेट) ने न्यूजीलैंड को शुरुआती झटके दिए, जिससे टीम उबरने में नाकाम रही। न्यूजीलैंड की ओर से शीर्ष पांच बल्लेबाजों में केवल स्नेहित रेड्डी (10) ही दो अंकों तक पहुंच सके। निचले क्रम के बल्लेबाजों ने कुछ देर तक संघर्ष जरूर किया, लेकिन न्यूजीलैंड की टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। जैकब कॉटर (23), कैलम सैमसन (37) और सेल्विन संजय (28) ने अंत में कुछ उपयोगी रन जोड़े, लेकिन वे भारतीय गेंदबाज़ों के सामने अपनी पकड़ नहीं बना सके।

राशिफल

मेष: किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष: व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क: आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह: आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या: मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला: आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक: आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु: आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर: माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ: अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन: शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 6119

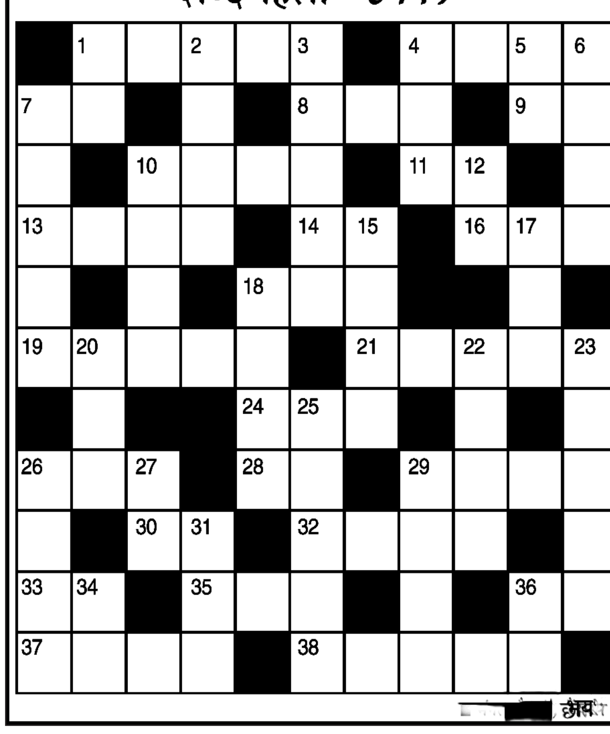

बाएँ से दाएँ
1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली- 6118 का हल

अ	रा	ज	क	ता	■	■	म	वा	ली	■
स	म	■	ल	■	चा	ला	न	■	ख	त
मा	■	■	प	ना	ह	■	न	■	■	म
न	ज	र	ना	■	■	म	■	क	या	स
ता	■	व	■	ना	ला	य	क	■	प	■
■	प्रा	ण	■	म	■	खा	■	जा	न	■
■	रु	■	आ	ज	मा	ना	■	हि	■	म
स	प	ना	■	द	■	■	ब	ल	वा	न
र	■	■	स	■	ल	की	र	■	■	भा
ल	व	■	न	सी	ब	■	सा	■	दा	व
■	ध	म	की	■	■	इ	त	मी	ना	न

सूडोकु नवताल - 6129

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6128 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

बार्बी डॉल से लेकर जीआईजो सहित कई ऐसे खिलौने जो करोड़ों में बिके

नई दिल्ली। आप सोचते होंगे कि खिलौने केवल बच्चों के लिए बनते हैं। हालांकि, कुछ वयस्कों को उनमें इतनी दिलचस्पी होती है कि वे उन्हें संग्रहित करना पसंद करते हैं। इसके चलते वे लाखों क्या, करोड़ों रुपये खर्च करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। आज के लेख में हम आपको नीलामी में बिकने वाले अब तक के 5 सबसे महंगे खिलौनों के बारे में बताएंगे। इन्हें बच्चों के बजाय वयस्कों के खरीदा है और ये सभी ऐतिहासिक हैं।

स्टेफानो कैंटुरी बार्बी

सन 2009 में बार्बी की 50वीं वर्षगांठ के लिए ऑस्ट्रेलिया में मैटल ने जेवर डिजाइनर स्टेफानो कैंटुरी के साथ हाथ मिलाया था। उन्होंने एक ऐतिहासिक बार्बी बनाई, जो दुनिया की सबसे महंगी है। स्टेफानो ने 4 हफ्तों तक बार्बी का शरीर, हेयर-स्टाइल, मेकअप, ड्रेस, जूते और सुंदर आभूषणों डिजाइन किए थे। इस बार्बी ने सफेद और दुर्लभ गुलाबी हीरे से बना चोकर पहना है। इसे 2010 में क्रिस्टीज द्वारा नीलाम किया गया था और इसकी कीमत 2.59 करोड़ रुपये लगी थी।

मिक्की माउस मोटरसाइकिल

टिप एंड कंपनी की मिकी माउस मोटरसाइकिल 1930 के दशक का एक दुर्लभ जर्मन टिन खिलौना है। इसमें एक मोटरसाइकिल है, जिस पर विंटेज मिक्की और मिनी माउस बैठे हुए हैं। आज के समय में इसके केवल 18 फिगर ही उपलब्ध हैं, जिससे पता चलता है कि यह कितना दुर्लभ है। एक फिगर को 2000 में बर्टोइया नीलामी नामक नीलामीघर ने 2 करोड़ रुपये से ज्यादा की कीमत पर बेचा था।

स्टार वार्स का रॉकेट फायरिंग बोबा फेट

स्टार वार्स से जुड़ी सभी चीजें करोड़ों में बिकती हैं तो इसके खिलौने कैसे पीछे रह सकते हैं। इस सूची में पहला स्थान रॉकेट फायरिंग बोबा फेट एक्शन फिगर का है। इसे 2024 में नीलाम किया गया था और इसकी कीमत 12 करोड़ रुपये से ज्यादा थी। यह 1979 में बनाया गया एक्शन फिगर है, जो नए जैसी हालत में है। यही कारण था कि इसे इतनी कीमत पर खरीदा गया और यह दुनिया का सबसे महंगा खिलौना बन गया।

विरासत

आज भी दिखता है पुराना ठाठ-बाट

दिलचस्प है मैसूर महल की कहानी, सोने से हुआ है काम

मैसूर। मैसूर शहर कर्नाटक की विरासत को सहेजे हुए है जो खूबसूरत महलों, रियासत कालीन स्थलों, रंगीन त्योहारों, मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए पूरे देश में मशहूर है। मैसूर महल का निर्माण सर्वप्रथम 14वीं शताब्दी के दौरान किया गया था। यहां का पहला निर्माण चंदन की लकड़ी से हुआ था। एक दुर्घटना के कारन यह लकड़ी का पैलेस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था जिसके बाद 1897 के दौरान कृष्णराजा वाडियार चतुर्थ और उनकी मां ने यहां महल के रूप में दूसरा निर्माण कराने का जिम्मा वास्तुकार लॉर्ड हेनरी इरविन को सौंपा।

खास बातें

- 1912 ईस्वी के दौरान बनकर हुआ तैयार
- 15 साल का समय लगा इसे बनाने में
- 42 लाख रुपए की लागत आई थी उस समय

मैसूर महल निर्माण की पूरी कहानी

यहां पर दूसरा मैसूर महल 1912 ईस्वी के दौरान बनकर तैयार हुआ। इसे बनने में करीब 15 साल का समय लगा। उस समय के दौरान इस पैलेस को तैयार करने में तकरीबन 42 लाख रुपए की लागत आई थी। इसे अंबा विलास के नाम से भी जाना जाता है।

बेहद खास और अद्भुत है मैसूर महल

मैसूर महल बेहद खास और अद्भुत है। इस पैलेस के ऊपरी भाग में स्थित गुंबद को गुलाबी रंग के स्लेटी पत्थर से बनाया गया है। महल के अंदर बने एक बड़े दुर्ग का गुंबद सोने की पॉलिश से तैयार किया गया है। मैसूर पैलेस दविड़, पूर्वी और रोमन कला का अद्भुत संगम है। मैसूर महल में राजाओं के रहने के लिए अलग कक्ष एवं आम लोगों के लिए अलग कक्ष बने हुए हैं।

महल में लगे हैं 97 हजार से ज्यादा बल्ब इस महल में कई पौराणिक गुड़ियों का संग्रह भी देखने को मिलता है। मैसूर पैलेस में वर्तमान समय में तकरीबन 97000 से ज्यादा बल्ब लगे हुए हैं, जिनकी चमचमाती रोशनी रात के समय में महल की खूबसूरती को निखार देती है।

मैसूर का पुराना नाम क्या है ?

कर्नाटक के ऐतिहासिक शहर मैसूर का उल्लेख महाभारत में 'माहिष्मती' के रूप में किया गया है। वहीं, मौर्य काल में इसे 'पुरीगेरे' के नाम से जाना जाता था, जो बाद में 'महिषापुर' और फिर मैसूर में बदल गया।

यदुवीर कृष्णदत्त हैं वर्तमान संरक्षक

यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार मैसूर के रॉयल हाउस के 27वें और वर्तमान संरक्षक हैं। वे बेट्टादा कोटे उर्सु परिवार के एचएच राजमाथा डॉ. प्रमोदा देवी वाडियार के इकलौते बेटे हैं। वाडियार राजघराने ने 1399 से मैसूर पर राज करना शुरू किया था। पिछली बार यहां 1974 में राजतिलक हुआ था। तब यदुवीर के चाचा श्रीकांतदत्ता नरसिम्हाराजा वाडियार को गद्दी पर बैठाया गया था। जिनकी साल 2013 में मौत हो गई थी। दो साल गद्दी खाली रहने के बाद यदुवीर को राजा बनाया गया। श्रीकांतादत्ता नरसिम्हा राजा वाडियार और रानी गायत्री देवी को संतान नहीं थी।

मैसूर महल खुलने और बंद होने का समय

मैसूर महल में पर्यटकों के लिए घूमने का समय निश्चित किया गया है। यह महल पर्यटकों के लिए सुबह 10:00 बजे खुलता एवं शाम 5:30 बजे बंद हो जाता है। इस समय में यहां आने वाले आगंतुक यहां की विरासत को जान सकते हैं।

लंदन: दुर्लभ अंडे की हुई नीलामी, 273 करोड़ से ज्यादा में बिका

सेंट पीट्सबर्ग। आमतौर पर एक अंडा 6 से 10 रुपये का मिलता है, लेकिन बीती 2 दिसंबर को एक अंडा करोड़ों रुपये में बिका है। दरअसल, रूस के शाही परिवार का हीरा जड़ित क्रिस्टल फैबरगे अंडा लंदन की एक नीलामी में रिकॉर्ड 2.29 करोड़ पाउंड यानी करीब 273 करोड़ से ज्यादा रुपये में बिका। यह एक दुर्लभ अंडा है, जिसे जौहरी की सबसे खूबसूरत कृतियों में से एक माना जाता है।

4,500 हीरों से सजा हुआ है यह अंडा इस दुर्लभ अंडे की नीलामी लंदन स्थित क्रिस्टीज नीलामीघर द्वारा की गई है। हालांकि, अभी खरीदार का नाम सामने नहीं आया है। 4,500 हीरों से सजे इस अंडे को रूस के अंतिम शासक सम्राट जार निकोलस द्वितीय ने साल 1913 में अपनी मां मारिया फियोदोरोव्ना को उपहार के रूप में बनवाया था। 8.2 सेमी (3.2 इंच) ऊंचा यह अंडा कार्ल फैबर्जे द्वारा बनाया गया था। इस अंडे का डिजाइन सेंट पीटर्सबर्ग की आभूषण कंपनी की केवल दो महिला कारीगरों में से एक अल्मा थेरेसिया पिहल द्वारा तैयार किया गया था। इस अंडे को कीमती क्रिस्टल और गुलाब के आकार के हीरों के साथ-साथ प्लैटिनम से सजाया गया था, वहीं अंडा खोलने पर इसके अंदर सफेद क्वाट्र्ज फूलों की एक छोटी टोकरी दिखाई देती है।

होनहार बिल्लियां, अपनी प्रतिभा से बनाए हैं कई बड़े विश्व रिकॉर्ड

आज हम ऐसी ही कुछ समझदार बिल्लियों के बारे में जानेंगे, जिन्होनें कई बड़े विश्व रिकॉर्ड कायम किए हैं। ये सभी रिकॉर्ड इतने कमाल के हैं कि इनके बारे में जानकर आप जरूर हैरत में पड़ जाएंगे।

बिल्लियों को अगर प्रशिक्षित किया जाए तो वे हाथ मिलाने और बैठने जैसे करतब कर लेती हैं। एक मिनट जितने कम समय में एक या 2 से ज्यादा करतब कर पाना नामुमकिन लगता है। हालांकि, अलेक्सिस नाम की बिल्ली महज एक मिनट में 26 करतब कर दिखाती है। इनमें हाथ मिलाना, हाई-फाइव देना, सिर हिलाना और गोल-गोल घूमना आदि शामिल हैं। इस बिल्ली को 'एक मिनट में सबसे ज्यादा करतब करने वाली बिल्ली' का खिताब दिया गया है।

मेन कून नस्ल की बिल्ली की पूंछ आमतौर पर 12 से 18 इंच लंबी होती है। हालांकि, इसी नस्ल की पगस्लि एडम्स नाम की एक बिल्ली की पूंछ 18.5 इंच लंबी है। इसके चलते उसे 'दुनिया की सबसे लंबी पूंछ वाली जीवित बिल्ली' का खिताब मिला है।

बिल्लियां अपने स्प्रिंग जैसे पिछले पैरों और लचीली रीढ़ की हड्डी की वजह से लंबी छलांग लगाने में सक्षम होती हैं। एक औसत बिल्ली 5-8 फीट तक कूद सकती है। हालांकि, टेक्सास के ऑस्कर के लिए यह पैदल चलने जितना आसान है। वह 8 फीट 5 इंच लंबी छलांग मारकर 'सबसे लंबी छलांग लगाने वाली बिल्ली' बन गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, : RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail :